THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 124 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.6 2083 मंगलवार, 4 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

केरल में बारिश से 15 लोगों की मौत, सात अब भी लापता

तिरुवनंतपुरम, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। वहीं, सात लोग अभी भी लापता हैं। इसके साथ ही राज्य में लगातार भारी बारिश के बीच बचाव और राहत अभियान तेज करने के कारण समग्र स्थिति नियंत्रण में है। यह जानकारी मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने सोमवार को दी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की संयुक्त आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सतीशन ने कहा कि सरकार ने राज्य भर में स्थिति की समीक्षा की है और पाया है कि पथानामथिट्टा के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सभी जिलों में स्थिति नियंत्रण में है।

बांकीपुर सीट पर प्रशांत किशोर जीते

भाजपा कैंडिडेट को 19324 वोट से हराया; एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में भाजपा जीती

पटना/भोपाल/अहमदाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के परिणाम घोषित हो गए हैं। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है।

बिहार के बांकीपुर में नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीत गए हैं। जन सुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 19,324 वोटों से जीते हैं। प्रशांत को 64,151 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले हैं।

बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। काउंटिंग के दौरान चुनाव आयोग की वेबसाइट पर कुछ गड़बड़ देखने को मिली। सुबह से वेबसाइट पर 31 राउंड की काउंटिंग बताई जा रही थी। 31 राउंड पूरे होते ही पहले 32 और फिर 36 राउंड काउंटिंग दिखाई जाने लगी। बाद में फिर 32 राउंड की काउंटिंग दिखा दी गई। एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6,016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।

गुजरात के मांजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

लिव-इन में रहने वाली महिला को भी मिलेगा संरक्षण

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 498A का दायरा बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित यह प्रावधान उन लिव-इन रिलेशनशिप पर भी लागू होगा, जो 'शादी जैसे रिश्ते' की श्रेणी में आते हैं। न्यायालय के अनुसार, ऐसे मामलों में महिला के साथ क्रूरता करने वाले पुरुष के खिलाफ भी धारा 498A के तहत मुकदमा चलाया जा सकेगा।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट किया कि धारा 498A केवल उन्हीं लिव-इन रिलेशनशिप पर लागू होगी, जो वास्तव में 'शादी जैसे रिश्ते' हों। अदालत ने कहा कि ऐसे रिश्तों में विवाह करने का इरादा संबंध का एक महत्वपूर्ण तत्व होना चाहिए।

नीट पीजी-एक ही शिफ्ट में पेपर

* घर के पास सेंटर, पेपर लीक से सबक
* पेपर-एनटीए के दफ्तर की चौबीस घंटे सुरक्षा
* 7.5 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.57 ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से सबक लेते हुए परीक्षा के पूरे इकोसिस्टम की सुरक्षा पुख्ता करना शुरू कर दिया है। इसके लिए 7.5 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसमें एनटीए मुख्यालय समेत संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सिक्योरिटी दी जाएगी। यह टेंडर 25 जुलाई को जारी हुआ है। 17 अगस्त को बोलियां खोली जाएंगी। जो भी एजेंसी नियुक्त होगी, उसे दो साल काम मिलेगा।

फिंगर प्रिंट नहीं मिले तो आंखें स्कैन कर देंगे एंट्री

आधार की जांच: आवेदन और एग्जाम के दिन 'आधार' आधारित वैरिफिकेशन होगा। बायोमीट्रिक जांच होगी। इसके लिए छात्रों को 2-3 घंटे पहले सेंटर पहुंचना होगा। फिंगरप्रिंट न मिलने पर आईरिस (आंखों की पुतली) स्कैन की जाएगी।

एक्स्ट्रा सिक्योरिटी: 60,000 से ज्यादा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी, सिग्नल जैमर और स्वतंत्र पर्यवेक्षक लाइव निगरानी करेंगे।

क्वेश्चन पेपर: परीक्षा के कुल 210 मिनट (3 घंटे 30 मिनट) को अलग-अलग सेक्शन (ए, बी, सी) में बांटा है। हर सेक्शन को हल करने के लिए समय मिलेगा। एक बार सेक्शन सबमिट होने या उसका समय समाप्त होने के बाद अभ्यर्थी उस पर वापस नहीं लौट सकेंगे।

नेगेटिव मार्किंग: प्रत्येक सही उत्तर के लिए +4 नंबर दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक गलत उत्तर पर -1 नंबर (25% नेगेटिव मार्किंग) काटा जाएगा। जिन प्रश्नों का जवाब नहीं दिया, उनके लिए 0 नंबर होगा।

इमरजेंसी: यदि किसी केंद्र पर तकनीकी खराबी या सर्वर समस्या के कारण इमरजेंसी स्थिति बनती है, तो त्वरित बैकअप व्यवस्था की जाएगी।

एनडीए की 'मंगल मिलन' बैठक आज होगी

भाजपा संसदीय दल ने जारी किया पत्र

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' मंगलवार आयोजित की जाएगी। इसको लेकर भाजपा संसदीय दल की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। भाजपा संसदीय दल की ओर से जारी पत्र में कहा गया है, 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक, 'मंगल-मिलन,' 4 अगस्त (मंगलवार) को सुबह 9.30 बजे संसद भवन ग्रन्थालय के जी.एम.सी. बालायोगी सभागृह में आयोजित की जाएगी। राजग के सभी लोकसभा एवं राज्यसभा के माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया समय से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने का कष्ट करें।' 21 जुलाई को 'मंगल मिलन' के तहत पहली बैठक आयोजित की गई थी। परंपरागत रूप से संसद के प्रत्येक सत्र के दौरान एनडीए संसदीय दल की बैठक हर मंगलवार को आयोजित होती रही है। हालांकि इस बार इसे 'मंगल मिलन' नाम दिया गया है। गठबंधन का कहना है कि इस नए नाम के जरिए नियमित संसदीय बैठकों को सांस्कृतिक और संगठनात्मक पहचान देने का प्रयास किया गया।

जंतर-मंतर प्रदर्शन सरकार ने कहा-स्टूडेंट्स पर केस नहीं होगा

> 2700 अपराधियों पर एफआईआर कायम रहेगी > सुप्रीम कोर्ट बोला-सख्ती करने वाले जवानों को न बचाएं

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।'

मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई पुलिस अधिकारी जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल करता है, तो उसे बेवजह बचाया नहीं जाना चाहिए। और ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि छात्र प्रदर्शन की आड़ में किसी कुख्यात अपराधी को बचाया जाए। परीक्षाओं में गड़बड़ी और नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन 36 दिन तक चला था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह प्रदर्शन खत्म कर दिया गया था।

कोर्ट का फोकस 2 मुद्दों पर

बेंच प्रदर्शनकारियों और पैलेट गन से घायलों के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में एक एसआईटी बना सकती है। कोर्ट यह भी पता लगाने की कोशिश कर सकता है कि पुलिसकर्मियों पर हमले छात्रों ने किए थे या छात्रों की भीड़ में घुस आए शरारती तत्वों ने।

दीपम विवाद : सुप्रीम कोर्ट करेगा तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई

> हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई, जिसमें राज्य के तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप प्रज्ज्वलित करने की अनुमति देने वाले मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने मूल याचिकाकर्ता रमा रविकुमार और अन्य को नोटिस जारी किया। हालांकि, अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका को पहले से लंबित मामले के साथ जोड़ते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ के 6 जनवरी के आदेश को चुनौती दी है। मदुरै पीठ ने 1 दिसंबर, 2025 को एकल पीठ द्वारा दिए गए उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें त्योहार के दिन परंपरागत रूप से दीप प्रज्ज्वलित करने का निर्देश दिया गया था।

क्यों नहीं हो रही चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई?

वकील बोले-सरकार चाहे तो मिल सकती है आजादी

ढाका, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू संत और सनातनी समुदाय के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से पैरवी कर रही कानूनी टीम ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। वकीलों का कहना है कि जिस तरह से मामले को लगातार लंबा खींचा जा रहा है, उससे यह संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से उनकी शीघ्र रिहाई को लेकर पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है।

चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और 27 नवंबर 2024 को चटगांव कोर्ट परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं। हालांकि चिन्मय कृष्ण दास को मूल देशद्रोह मामले और उसके बाद दर्ज कुछ

अन्य मामलों में जमानत मिल चुकी है, लेकिन नए मुकदमों की वजह से उनकी रिहाई अब भी नहीं हो सकी है। उनके खिलाफ लगातार नए मामले दर्ज होने से वे अब भी जेल में बंद हैं।

सोमवार को एएनआई से बातचीत में चिन्मय कृष्ण दास के बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य तंत्र लगातार नए मुकदमे जोड़कर उनके मुवक्किल को जेल में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में चाहती, तो बहुत कुछ संभव हो सकता था, लेकिन इस मामले को जानबूझकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।'अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला 24 अक्टूबर 2024 को देशद्रोह का दर्ज हुआ था। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय चिन्मय कृष्ण दास रंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद घरेलू उड़ान से चटगांव जा रहे थे। ढाका में ट्रांजिट के दौरान हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

बचाव पक्ष के अनुसार, देशद्रोह मामले में 4 मई 2025 को हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन जमानत मिलने के महज दो दिन बाद उनके खिलाफ पांच नए मामले दर्ज कर दिए गए और इन्हीं मामलों में उन्हें फिर से गिरफ्तार दिखा दिया गया। वकील ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा करता है कि हर बार जमानत मिलने के बाद नए कानूनी मामले जोड़कर उनकी रिहाई टालने की कोशिश की गई। अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, पांच नए मामलों में अलीफ हत्याकांड, तोड़फोड़, विस्फोटक पदार्थ से जुड़ा मामला और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं।

ट्रम्प बोले-ईरान पर फिर हमला कर सकता हूं

* लेकिन लोगों को मारना नहीं चाहता, आज से फिर होगी बातचीत

वॉशिंगटन डीसी, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर ईरान पर फिर हमला कर सकता है, लेकिन वह सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत के जरिए समाधान चाहते हैं।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, हम जब चाहें कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। अगर समझौता हो जाता है तो बहुत-सी जानें बच जाएंगी। उन्होंने बताया कि सोमवार से अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थों के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वार्ता कहां होगी और इसमें कौन शामिल होगा। उनके मुताबिक, वार्ता में होर्मुज स्ट्रेट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सोमवार को इराक के नजफ शहर पहुंचे हैं।

'100 रुपये दे दो किसी को गोली मारने का मन है'

दुकानदार मजाक समझ हंसा; रिटायर्ड फौजी ने उसे ही गोली मार दी

चंडीगढ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। मोहाली में पूर्व सरपंच के पति रजनीश कुमार को गोली मारने के मामले में बड़ा दिलचस्प ट्विस्ट आया है। सियालबा के रहने वाले आरोपी पूर्व फौजी महिंदर सिंह उर्फ मिंदा ने गोली चलाने से पहले पूर्व सरपंच के पति से ही 100 रुपए शराब पीने के लिए उधार लिए थे। रुपए लेते समय महिंदर ने रजनीश कुमार से कहा था कि आज किसी को गोली मारनी है। उस समय रजनीश को लगा कि शायद महिंदर हंसी-मजाक कर रहा है, लेकिन थोड़ी देर बाद महिंदर शराब पीकर आया तो दुकान के बाहर बैठे रजनीश पर फायरिंग कर दी। सिलायबा के ही रहने वाले विजय कुमार ने बताया कि इस दौरान लोग इकट्ठे हो गए थे। लोगों ने पूर्व फौजी से राइफल छीनी। अगर थोड़ी सी चूक हो जाती तो कई लोगों की जान जा सकती थी। जांच अधिकारी परमिंदर कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

लोकसभा में बैंकर्स बुक्स एविडेंस और इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल पेश

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026' और 'इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल, 2026'को पेश किया।

'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026' को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया, जबकि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह ने 'इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यट बिल, 2026' पेश किया। सरकार इन दोनों बिल के जरिए औपनिवेशिक दौर के एक कानून की जगह एक नया कानून ला रही है। इसका मकसद बैंकिंग रिकॉर्ड तक बिना रोक-टोक पहुंच के बजाय, बेहतर और सटीक न्यायिक निगरानी पर जोर देना है।

साथ ही, यह बैंकों को गैर-जरूरी कानूनी कार्यवाही से बचाते हुए बैंकिंग सबूतों तक पहुँच बनाए रखने की कोशिश करता है। बैंकर बुक्स एविडेंस बिल, 2026 के जरिए सरकार बैंकर बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891 की जगह नया कानून लाना चाहती है। पुराने कानून ने 125 से ज्यादा सालों तक अदालतों में बैंकिंग रिकॉर्ड पेश करने के नियमों को तय किया है। इस प्रस्तावित कानून का मकसद 'बैंकरों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के हिसाब से ढालना' है।

इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यट बिल, 2026 का मकसद संस्थान को 'बॉडी कॉर्पोरेट' के तौर पर शामिल करना है, ताकि इसके कामकाज को बेहतर बनाया जा सके, पढ़ाई-लिखाई और रिसर्च में बेहतरीन काम को बढ़ावा दिया जा सके और इस क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सके। बिल में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति संस्थान के 'विजिटर' होंगे और एक 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' बनाने का प्रावधान होगा, जो इसकी मुख्य नीति-निर्धारक संस्था होगी। बोर्ड की अध्यक्षता एक चेयरपर्सन करेंगे, जो एकेडमिक्स, इंडस्ट्री, शिक्षा, पब्लिक पॉलिसी और स्टैटिस्टिकल साइंस के क्षेत्र से कोई जाने-माने व्यक्ति होंगे। इस बीच, नीट पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर दान में कथित चोरी के मुद्दों पर विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, जिससे सदन में प्रश्नकाल नहीं हो सका।

शशि थरूर ने कहा-कोर्ट के फैसले का सम्मान जरूरी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी किए जाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पर बड़ी सावधानी से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मामला न्यायपालिका से जुड़ा है, इसलिए चल रही न्यायिक प्रक्रिया पर टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

इसी दौरान बृजभूषण मामले पर ज्यादा टिप्पणी न करते हुए शशि थरूर ने संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने और स्थगित होने पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि संसद सिर्फ बिल पास करने की जगह नहीं है, बल्कि देश के अहम मुद्दों पर चर्चा करने का सबसे बड़ा मंच है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संसद में हंगामा

सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पास

> राज्यसभा में एमएसएमई संशोधन बिल को मंजूरी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर गई है। इसके पहले लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या (सीजेआई सहित) 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी बिल बिना चर्चा के पास कर दिया। वहीं राज्यसभा ने एमएसएमई विकास (संशोधन) बिल पास कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्रवाई मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

विपक्षी सांसदों ने प्रश्नकाल शुरू होते ही नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हंगामा शुरू

कर दिया। विपक्ष ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन आने और उनके बयान की मांग करते हुए नारे लगाए।

मानसून सत्र में दो बिल पास

संसद के मौजूदा सत्र में 8 बिल लिस्ट किए गए हैं। इनमें से वंदे मातरम और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) दोनों सदनों में पास हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल लोकसभा में और एमएसएमई विकास (संशोधन) बिल राज्यसभा में पास हुआ है।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, आयकर (संशोधन) बिल, विदेशी अंशदान (एफसीआईए) संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

मेघवाल ने बिल पेश किया, विपक्ष का प्रस्ताव खारिज

लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से वैधानिक प्रस्ताव पर बोलने का आग्रह किया, लेकिन नारेबाजी जारी रहने के कारण बिल को वोटिंग के लिए रखा गया और फिर पास कर दिया गया। विपक्ष के सदस्यों ने अध्यादेश लाने के खिलाफ एक वैधानिक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे वॉइस वोट से खारिज कर दिया गया।

शीर्ष अदालत की केंद्र को हिदायत, सड़क पर न हो कोई कब्जा

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रिम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि देश में जहां भी सड़कें हैं, वहां पैदल चलने वालों के लिए अलग जगह तय होनी चाहिए। इस जगह पर किसी भी तरह का कब्जा नहीं होना चाहिए। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र सरकार के वकील को इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी निर्देश देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस काम के लिए किसी बड़े बजट या निर्माण की जरूरत नहीं है। सरकार रस्सी या किसी अन्य तरीके से भी पैदल चलने वालों के लिए रास्ता अलग कर सकती है। बस यह सुनिश्चित किया जाए कि गाड़ियां उस रास्ते में न आएं। कोर्ट ने केंद्र को इस पर कदम उठाने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव

भैयाजी जोशी भी पालक की जिम्मेदारी से मुक्त, नए संरक्षक की तलाश शुरू

अयोध्या , 3 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बदलावों का दौर लगातार जारी है। महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव के दायित्व से हटने के बाद अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी भैयाजी जोशी को भी राम मंदिर के संगठन संरक्षक (पालक) की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, भैयाजी जोशी अब राम मंदिर के पालक की भूमिका में नहीं रहेंगे। वे अब तक ट्रस्ट की बैठकों में आमंत्रित सदस्य के रूप में भी शामिल होते रहे हैं और संगठन व ट्रस्ट के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। जानकारी के मुताबिक, अब राम मंदिर के नए पालक की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

संभावित दावेदारों में सबसे आगे माना जा रहा

इस जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक वरिष्ठ प्रचारक के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में कार्यरत एक वरिष्ठ प्रचारक का नाम संभावित दावेदारों में सबसे आगे माना जा रहा है, हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

गौरतलब है कि चढ़ावा चोरी मामले के सामने आने के बाद से ट्रस्ट के भीतर लगातार संगठनात्मक बदलाव किए जा रहे हैं। पहले महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव के दायित्वों में परिवर्तन हुआ और अब भैयाजी जोशी को भी पालक की जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने को इसी क्रम की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

कैबिनेट विस्तार : डीके शिवकुमार मंत्रिमंडल में 20 नए मंत्रियों की शपथ

सूची आते ही बगावत शुरू

कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कैबिनेट का विस्तार हो गया है। सोमवार को 20 नए मंत्रियों ने शपथ ले ली है। इसके साथ ही कांग्रेस को आंतरिक तौर पर नेताओं की नाराजगी और असहमतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो कि मुख्यमंत्री के लिए भी एक बड़ी चुनौती ही है। पार्टी के तीन बार के विधायक यशवंत राय गौड़ा पाटिल ने विधानसभा से इस्तीफा देते हुए कहा कि उन्हें पार्टी ने नजरंदाज किया है। उन्हें इस बात का काफी दुख है। इसके अलावा एक अन्य नाराज कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने भी कहा कि वे भी अपना इस्तीफा दे देंगे।

नाराज विधायकों ने क्या कहा?

यशवंत पाटिल ने कहा, "मैं चार दशकों से राजनीति में हूं। मुझे दुख हुआ है।" पाटिल ने कहा कि साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी छोड़ने के बारे में कोई फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर गोपालकृष्ण ने कहा कि वे विधायक पद और राज्य वन उद्योग निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देंगे। गोपालकृष्ण ने कहा, "केवल मुख्यमंत्री या मंत्रियों के बच्चे ही मंत्री बनने का मौका पा सकते हैं। मैं विधायक पद और जिस बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मुझे नियुक्त किया गया है, उसके पद से इस्तीफा देता हूं।"

बीजेपी-जेडीएस के रास्ते कांग्रेस में आए थे गोपालकृष्ण

पार्टी बदल कर चुनाव लड़ने वाले गोपालकृष्ण ने पहली बार 2004 में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव जीता और 2008 में भी सीट बरकरार रखी। 2013 के चुनावों में टिकट न मिलने के बाद उन्होंने जेडीएस में शामिल होकर सागर सीट से चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। 2018 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस विधायकों की नाराजगी ऐसे वक्त में सामने आई है, जब अभी ही पार्टी ने डीके शिवकुमार की कैबिनेट का विस्तार किया है। सीएम डीके शिवकुमार ने 13 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी, जबकि 20 नए मंत्रियों को सोमवार को शपथ दिलाई गई। अहम बात यह है कि डीके शिवकुमार की कैबिनेट में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कैंप का दबदबा होने के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि डीके कैबिनेट के 33 में से 21 मंत्री सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल में सेवा दे चुके हैं। पिछले तीन हफ्तों से मंत्रियों के चयन को लेकर कांग्रेस हाईकमान के साथ विचार-विमर्श के बावजूद एआईसीसी ने रिलीज हुई लिस्ट में आखिरी वक्त में भी बड़े बदलाव भी किए गए। सोमवार दोपहर के आसपास जारी की गई सूची में पूर्व मंत्री मनकला वैद्य का नाम तो था लेकिन जल्द ही इसे वापस ले लिया गया। संशोधित सूची में वैद्य का नाम हटाकर उनकी जगह पूर्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन को शामिल किया गया।

पार्टी आलाकमान को धमकी की खबरें

कांग्रेस पार्टी के सूत्र बताते हैं कि जिन पार्टी नेता मल्लिकार्जुन को कैबिनेट में शामिल किया गया है, उनकी पत्नी प्रभा मल्लिकार्जुन दावणगेरे से सांसद हैं और बेटे समर्थ मल्लिकार्जुन दावणगेरे दक्षिण से विधायक हैं। उनको लेकर दावा ये है कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को धमकी दी थी, कि अगर उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली, तो वह पार्टी छोड़ देंगे। यशवंत पाटिल और गोपालकृष्ण दोनों ने कहा कि पार्टी ने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने का आश्वासन दिया था, इसके बावजूद उन्हें मंत्रीपद नहीं मिला। उनकी नाराजगी ये भी है कि पुरानी सिद्धारमैया कैबिनेट के कई मंत्रियों को मंत्री बरकरार हैं, लेकिन उन्हें जगह नहीं मिली। मंत्रिमंडल में पद पाने की इच्छा रखने वाले विधायकों के समर्थकों द्वारा विरोध प्रदर्शन की खबरें राज्य के कई हिस्सों से भी सामने आईं।

'ई20 से परेशान हैं मैकेनिक और वाहन मालिक'

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में ई20 पेट्रोल यानी 20 फीसदी इथेनॉल मिले ईंधन की बिक्री को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस नीति को लेकर केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि बिना पुख्ता डाटा के यह ईंधन देश की जनता पर थोपा जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि 29 जुलाई को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के संसद में दिए जवाब से जनता का भ्रम दूर नहीं हुआ, बल्कि नए सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार दावा कर रही है कि ई20 पूरी तरह सुरक्षित है, लेकिन जमीन पर उपभोक्ता और मैकेनिक दोनों परेशान हैं, बेबस हैं।

जयराम रमेश ने क्या-क्या कहा?

जयराम रमेश ने आगे कहा कि जून 2026 में 2023 से पहले के 44,000 वाहन चालकों के स्वतंत्र सर्वे में ई20 से गाड़ियों में भारी नुकसान की बात सामने आई। सितंबर 2025 में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने इंजन खराब होने की शिकायतों को 'बकवास' कहकर खारिज कर दिया था।

जयराम रमेश ने कहा कि नीती आयोग की 2021 की रिपोर्ट खुद मानती है कि ई20 से E10 क्षमता वाले वाहनों के रबर पुर्जों को तेजी से नुकसान पहुंचता है। जुलाई 2026 की एआरएआई रिपोर्ट के अनुसार ई20 से वाहनों के फ्यूल टैंक और धातु के अंदरूनी पुर्जों में जंग लगने का खतरा है। ई20 से पुरानी 4-व्हीलर का माइलेज 6-7%, 2-व्हीलर का 3-4% और ई20-कम्पेटीबल नई गाड़ियों का माइलेज भी 1-2% तक गिरता है।

पुलिस कस्टडी में मजदूर की मौत होने पर दो कांस्टेबल गिरफ्तार

विजयनगर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयनगर जिले के हगारीबोम्मनहल्ली पुलिस स्टेशन से जुड़े दो पुलिसकर्मियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

यह गिरफ्तारी 35 वर्षीय निर्माण मजदूर खलील की कथित तौर पर पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में की गई है। बताया जाता है कि पुलिस स्टेशन के अंदर मारपीट के बाद उसकी मौत हो गई थी। गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मियों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल इत्तागी राघवेंद्र और पुलिस कॉन्स्टेबल वेंकटेश के तौर पर हुई है। मृतक की पत्नी शाइनाज की शिकायत पर एफआईआर दर्ज होने के बाद दोनों को हिरासत में लिया गया।

'कोटा नहीं, सीटें बढ़ाएं; फीस पर लगे लगाम'

राजनीति से जनता का भरोसा उठ चुका है। ED-CBI से पार्टियां तोड़ी जा रही हैं। हमें चुनाव नहीं लड़ना, आज देश को नेताओं की नहीं बल्कि एक बड़े जन आंदोलन की जरूरत है।

अभिजीत दीपके, सीजेपी, संस्थापक

संभाजीनगर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राय साफ की है। उन्होंने कहा कि अगर देश के किसी गरीब या वंचित बच्चे को शिक्षा मिल रही है, तो इसमें गलत क्या है? हमारा मुख्य लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों तक शिक्षा पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भी आरक्षण की बात आती है, तो लोग यह क्यों कहते हैं कि सीटें कम हो गईं? लोगों को सरकार से सवाल पूछना चाहिए कि आखिर शिक्षण संस्थानों में सीटें क्यों नहीं बढ़ाई जा रही हैं? दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह लोग आरक्षण का विरोध करते हैं, वैसा विरोध मैनेजमेंट कोटा के खिलाफ क्यों नहीं दिखाई देता? देश में शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण पर दीपके ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज के दौर में आम नागरिक के लिए पढ़ाई बेहद महंगी और पहुंच से बाहर हो चुकी है। सरकार को इसे सस्ता और हर किसी के लिए सुलभ बनाना होगा। उन्होंने मांग की कि निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर तुरंत एक सीमा (कैप) तय की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा के स्तर में व्यापक सुधार करने की जरूरत पर बल दिया। प्रदर्शन के दौरान हुए पथराव और प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह पर सीधे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के रहते इस तरह की घटनाएं कैसे हो सकती हैं? क्या पुलिस केवल 12 साल की छोटी बच्चियों पर लाठियां चलाने के लिए ही मुस्तैद रहती है?

'गोली मारो' टिप्पणी मामला : अनुराग ठाकुर को राहत

> सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 'गोली मारो' टिप्पणी मामले में अनुराग ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने से जुड़े फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर माकपा नेता वृंदा करात की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के कथित गोली मारो भाषण के मामले में एफआईआर दर्ज कराने से इनकार करने वाले 29 अप्रैल के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि पहले दिए गए फैसले पर दोबारा विचार करने का कोई आधार नहीं बनता। 29 जुलाई को पारित आदेश में पीठ ने कहा, हमने पुनर्विचार याचिका और उसके समर्थन में दिए गए आधारों का अध्ययन किया है। हमें आदेश में ऐसी कोई त्रुटि नहीं मिली, विशेष रूप से ऐसी कोई स्पष्ट त्रुटि नहीं, जिसके आधार पर इस पर पुनर्विचार किया जाए।

खुली अदालत में सुनवाई की याचिका भी हुई खारिज

पीठ ने खुली अदालत में मौखिक सुनवाई के लिए पुनर्विचार याचिका सूचीबद्ध करने की मांग वाली अर्जी भी खारिज कर दी। अदालत ने कहा, वर्तमान पुनर्विचार याचिका को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने का आवेदन खारिज किया जाता है। इसके साथ ही पुनर्विचार याचिका और इससे जुड़ी सभी लंबित अर्जियों का भी निस्तारण कर दिया गया। 29 अप्रैल के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वृंदा करात की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार किया था। अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट और निचली अदालत की उस कानूनी दलील से असहमति जताई थी, जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156(3) के तहत एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश देने से पहले पूर्व अनुमति (पूर्व स्वीकृति) को आवश्यक माना गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि पूर्व स्वीकृति केवल उस चरण में जरूरी होती है, जब अदालत किसी मामले का संज्ञान लेती है। एफआईआर दर्ज करने या जांच शुरू करने के लिए इसकी आवश्यकता नहीं होती। अदालत ने कहा था कि सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जांच का निर्देश देना संज्ञान लेने से पहले की प्रक्रिया है और इसे अपराध का संज्ञान लेना नहीं माना जा सकता।

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। पुलिस, दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ते तुरंत मौके पर पहुंचे और गहन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस का कहना है कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है और परिसर की गहन जांच की जा रही है।

अब तक किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार, अलग-अलग स्कूलों को धमकी भरे संदेश मिले, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीमों के साथ दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंच गए और स्कूल परिसरों की गहन तलाशी शुरू की गई। जांच में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

'हमें परेशान करना बंद कर दो'

पीएम मोदी पर टिप्पणी करने वाली लड़की की मां ने की विनती, छोड़ा किराये का मकान

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दो दिन पहले एक विधवा मां ने अपना सामान समेटा और अपनी 15 साल की बेटी के साथ नोएडा स्थित अपने किराये के घर को छोड़ दिया। उसने बताया कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं था। उसकी बेटी (जो कक्षा 10 की छात्रा है) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर विवाद में फंस गई थी। इसके बाद पुलिस और अजनबी लोग उनके घर आने लगे थे। मां ने कहा कि उनकी बेटी ने माफी मांग ली थी और प्रधानमंत्री ने उसे माफ कर दिया था, लेकिन परिवार को अभी भी लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

लड़की की मां ने की विनती

उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "मैं अपनी बेटी का पालन-पोषण अकेले कर रही हूं। मेरे पति की 2019 में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मेरा छोटा बेटा मेरे ससुराल वालों के साथ रहता है। जब लोग और पुलिस लगातार हमारे घर आते रहते हैं तो हम वहां कैसे रह सकते हैं?" इतना ही नहीं उन्होंने अधिकारियों और जनता से अपने परिवार को परेशान करना बंद करने की अपील की। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान लड़की ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। नोएडा पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। 1 अगस्त को एक कथित वीडियो में लड़की ने माफी मांगी और कहा कि यह उसकी पहली और आखिरी गलती थी। साथ ही, उसने कहा कि वह विरोध स्थल पर मौजूद समूहों से प्रभावित हुई थी।

लड़की ने वीडियो में क्या कहा?

वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, "मैं विरोध प्रदर्शन स्थल पर थी और वहां कई समूह प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द कह रहे थे। वे दूसरों को भी ये सब कहने के लिए उकसा रहे थे। मुझे उन बातों को कहने पर इतनी शर्म आ रही है कि मैं आंखें भी नहीं उठा पा रही हूं। मैं इसके लिए पूरे देश से माफी मांगती हूं। यह मेरी पहली और आखिरी गलती है।" मां ने कहा कि वह और उसकी बेटी अब किराए के मकान में नहीं रह सकतीं।

सरकार ने धार्मिक स्थलों के संरक्षण और सुधार के लिए 10.95 करोड़ की मंजूरी दी

जम्मू, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा गया, "जम्मू-कश्मीर सरकार ने अनंतनाग में जरूरी धार्मिक जगहों के बचाव और अपग्रेडेशन के लिए 10.95 करोड़ रुपये के दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। जियारत शरीफ खिरम के रेस्टोरेशन और रिनोवेशन के लिए 5.03 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि शिव मंदिर, थजीवाड़ा, बिजबेहरा की मरम्मत और रिनोवेशन के लिए 5.92 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।" सीएमओ की ओर से कहा गया, ये परियोजना दोनों धार्मिक जगहों की पवित्रता और विरासत को बचाएंगे और भक्तों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाएंगे। जहां मुस्लिम धार्मिक जगहों को अपग्रेड करने की जरूरत है, वहीं घाटी में हिंदू धार्मिक जगहों का बचाव और अपग्रेडेशन अधिकारियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आतंकवाद के कारण कश्मीरी पंडित समुदाय के जबरदस्ती निकाले जाने के बाद 36 साल से ज्यादा समय से हिंदू जगहें बिना देखरेख के पड़ी हैं।

कश्मीर में हिंदू धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बचाव में मंदिरों का रेस्टोरेशन, जमीन पर कब्जे के खिलाफ कानूनी सुरक्षा और समुदाय की अगुवाई में पुनरुत्थान की कोशिशें शामिल हैं। पुनरुत्थान और बचाव की कोशिशों में सरकार के पैसे से नवीनीकरण परियोजना, अनदेखी जगहों के लिए कोर्ट के आदेश पर सुरक्षा उपाय, और ऐतिहासिक पूजा की जगहों को फिर से खोलना शामिल है। जम्मू और कश्मीर सरकार का सोमवार को बिजबेहरा के थजीवाड़ा में शिव मंदिर की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए 5.92 करोड़ रुपये देने का फैसला हिंदू धार्मिक जगहों को बचाने के मकसद की तरफ एक और कदम है।

'अभिषेक बनर्जी की याचिका पर जल्द करें फैसला'

> सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट से किया अनुरोध

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट से तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी की उस लंबित याचिका पर जल्द सुनवाई कर फैसला करने का अनुरोध किया, जिसमें उन्होंने आंख की विशेष चिकित्सा के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा विदेश यात्रा की तत्काल अनुमति नहीं दिए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है।

अभिषेक बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि हाईकोर्ट में दाखिल आवेदन केवल अंतरिम संरक्षण आदेश में संशोधन की मांग से जुड़ा है, ताकि उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मिल सके। उन्होंने कहा, यह एक साधारण आवेदन है, जिसमें केवल चिकित्सा उपचार के लिए विदेश यात्रा की अनुमति देने के उद्देश्य से हाईकोर्ट के संरक्षण आदेश में संशोधन का अनुरोध किया गया है। माननीय न्यायालय इससे कहीं अधिक गंभीर मामलों में भी मुझे यह राहत दे चुका है।

अदालत में किसने दी क्या दलील?

प्रतिवादियों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि यह आवेदन पहले ही कलकत्ता हाईकोर्ट की समेकित मासिक सूची में शामिल किया जा चुका है। उन्होंने सुझाव दिया कि हाईकोर्ट से इसे किसी निश्चित तारीख पर सुनवाई के लिए लेने का अनुरोध किया जा सकता है।

इस पर गौर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट से लंबित आवेदन पर शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया। पीठ ने कहा, चिकित्सा उपचार के लिए विदेश यात्रा की अनुमति संबंधी आवेदन हाईकोर्ट में लंबित है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब तक इसकी कोई तारीख तय नहीं हुई है। इसलिए हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह इस आवेदन पर विचार करे।

अभिषेक बनर्जी के विदेश यात्रा पर लगी रोक एक पुराने आदेश के कारण है, जो लंबित आपराधिक मामले में पारित किया गया था। उस आदेश में कलकत्ता हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देते हुए यह शर्त लगाई थी कि वे अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाएंगे।

यह शर्त हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए कथित भड़काऊ भाषण से जुड़े आपराधिक मामले में गिरफ्तारी पर रोक देते समय लगाई गई थी। विदेश यात्रा की तत्काल अनुमति देने से इनकार करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों से चिकित्सकीय जांच कराने का निर्देश दिया था।

खबरें जरा हटके

करोड़ों की कॉर्पोरेट लाइफ छोड़ पहाड़ों में बस गया कपल, अब प्रकृति के बीच कर रहे बच्चों की परवरिश

तेज रफ्तार कॉर्पोरेट जिंदगी, लंबे ऑफिस घंटे और लगातार बढ़ते काम के दबाव से परेशान लोगों के बीच एक कपल की कहानी सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जा रही है. यह कहानी एक ऐसे कपल की है, जिन्होंने अच्छी-खासी नौकरी, शानदार सैलरी और विदेश में करियर छोड़कर प्रकृति के बीच सुकून भरी जिंदगी जीने का फैसला किया. वायरल पोस्ट के अनुसार, युवक का बचपन हिमाचल प्रदेश के शिमला में बीता. साधारण परिवार से आने के कारण उसके मन में हमेशा बड़ी नौकरी और आर्थिक सफलता हासिल करने का सपना था. फैशन मैनेजमेंट की पढ़ाई के दौरान दिल्ली में उसकी मुलाकात गरिमा से हुई और दोनों धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ गए.

पढ़ाई पूरी होने के बाद गरिमा को अच्छी नौकरी मिली और उन्हें विदेश यात्रा का भी मौका मिला. लेकिन कुछ समय बाद लगातार काम के दबाव और थकान ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया. उन्होंने नौकरी बदलने का फैसला किया, लेकिन उस समय उनके पति को यह फैसला समझ नहीं आया. उनके लिए सफलता का मतलब केवल ऊंचा पद और बड़ी सैलरी था. साल 2015 में शादी के बाद युवक को सिंगापुर में शानदार नौकरी का अवसर मिला. दोनों वहां शिफ्ट हो गए. इसी दौरान गरिमा ने चाइल्ड साइकोलॉजी की पढ़ाई शुरू की और परिवार के साथ बच्चों की परवरिश को लेकर नई सोच विकसित की. धीरे-धीरे दोनों को महसूस हुआ कि भागदौड़ भरी जिंदगी में वे अपने परिवार और खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पा रहे हैं. वायरल पोस्ट के मुताबिक, एक दिन गरिमा ने अपने पति से पूछा, अगर जिंदगी के आखिरी पल हों, तो क्या ज्यादा मायने रखेगा कंपनी का बड़ा पद या अपने परिवार के साथ बिताया समय? यही सवाल उनकी जिंदगी बदलने की वजह बना.

ग्रेजुएशन के बाद पार्टी नहीं, जेल पहुंची बेटी, पिता को दिखाई अपनी डिग्री

वीडियो ने लाखों लोगों को रुला दिया!

पिता और बेटी का रिश्ता दुनिया के सबसे खास रिश्तों में से एक माना जाता है. एक पिता अपनी बेटी की हर छोटी-बड़ी खुशी में शामिल होना चाहता है और बेटी भी अपनी हर कामयाबी सबसे पहले अपने पिता के साथ शेयर करना चाहती है. कई बार जिंदगी ऐसी परिस्थितियां खड़ी कर देती है कि चाहकर भी परिवार के लोग एक-दूसरे के साथ मौजूद नहीं हो पाते. लेकिन अगर रिश्ते में सच्चा प्यार और अपनापन हो, तो दूरियां भी उस रिश्ते को कमजोर नहीं कर पातीं. इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही भावुक कर देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लाखों लोगों की आंखें नम कर दी हैं. इस वीडियो में एक बेटी अपनी बैचलर डिग्री मिलने के बाद दोस्तों के साथ जश्न मनाने की बजाय सीधे जेल पहुंच जाती है, ताकि सबसे पहले अपने पिता को अपनी सफलता दिखा सके.

दरअसल, वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवती ने हाल ही में अपनी बैचलर डिग्री पूरी की है।. आमतौर पर इस मौके पर लोग दोस्तों और परिवार के साथ जश्न मनाते हैं, लेकिन इस बेटी ने कुछ अलग करने का फैसला किया. वह अपनी डिग्री लेकर सीधे जेल पहुंच गई, जहां उसके पिता बंद थे. जेल के विजिटर एरिया में जब पिता अपनी बेटी को ग्रेजुएशन गाउन और हाथ में डिग्री लिए देखते हैं, तो उनकी आंखों में खुशी साफ नजर आती है. बेटी भी बेहद भावुक होकर अपने पिता को अपनी डिग्री दिखाती है. यह पल सिर्फ एक कागज दिखाने का नहीं, बल्कि उन सपनों के पूरे होने का था, जिनमें पिता हमेशा अपनी बेटी के साथ खड़े रहे थे.

भूतों की गंध पहचानता है शख्स, सूंघते हुए पहुंच जाता है उनके इलाके के अंदर, बचपन में ही हो गई थी दोस्ती!

सोशल मीडिया पर आए दिन ऐसी कहानियां वायरल होती रहती हैं जो लोगों को हैरानी में डाल देती हैं. इन दिनों एक 23 वर्षीय युवक अपने असामान्य दावों की वजह से चर्चा में है. युवक का कहना है कि वह बचपन से ही आत्माओं की मौजूदगी महसूस करता रहा है और अब वह कथित तौर पर उनकी "गंध" पहचानकर उनसे संपर्क करने की कोशिश करता है. यह युवक हार्वे मोर है, जो खुद को पैरानॉर्मल कंटेंट क्रिएटर और कथित भूतिया स्थानों की जांच करने वाला व्यक्ति बताता है. उसके दावों ने सोशल मीडिया पर लोगों के बीच जिज्ञासा और बहस दोनों पैदा कर दी है.

हार्वे के अनुसार, जब वह छोटा था, तब उसने पहली बार अपने घर में एक काले कपड़े पहने व्यक्ति जैसी आकृति देखने का दावा किया. उसका कहना है कि वह आकृति घर के ऊपर वाले हिस्से में एक कमरे से दूसरे कमरे की ओर जाती दिखाई देती थी. हार्वे ने यह भी दावा किया कि उसे कई बार ऐसे कदमों की आवाजें सुनाई देती थीं, जिनका कारण वह समझ नहीं पाता था. हार्वे के मुताबिक, जब उसने यह बात अपने माता-पिता को बताई तो उन्होंने कहा कि जिस घर में वे रहते थे, वहां पहले पादरी रहा करते थे. हार्वे का कहना है कि इसके बाद उसने यह मानना शुरू कर दिया कि शायद आत्माओं की दुनिया भी अस्तित्व में हो सकती है. हार्वे बताते हैं कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर पैरानॉर्मल विषयों से जुड़े लाइव वीडियो और कंटेंट देखना शुरू किया. इसके बाद उनकी रुचि इस विषय में और बढ़ गई. उनके अनुसार, उन्होंने आध्यात्मिकता, क्रिस्टल और पैरानॉर्मल मान्यताओं से जुड़ी विभिन्न जानकारियां पढ़ीं और फिर कथित भूतिया स्थानों पर जाकर वीडियो बनाना शुरू किया. हार्वे का सबसे चर्चित दावा यह है कि वह आत्माओं की मौजूदगी को उनकी "गंध" से पहचान सकता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 4 अगस्त, 2026 3

सुविचार: वक्त किसी के लिए नहीं रुकता। वक्त के आगे नहीं वक्त के साथ चलो।

पर्यावरणीय मंजूरियों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनेगी: उत्तम कुमार रेड्डी

चार प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की मंजूरियां जल्द दिलाने के निर्देश

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस), सीतारामा सागर, डिंडी और गौरावेल्ली सहित राज्य की चार प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के लिए लंबित पर्यावरणीय मंजूरियां समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि हाल ही में उच्चतम न्यायालय के फैसले से पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन परियोजनाओं के मामले कानूनी रूप से पात्र हैं, उनकी मंजूरियों के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा अन्य वैधानिक संस्थाओं के समक्ष तेजी से पैरवी की जाए। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर तथा सांसद बलराम नायक भी उपस्थित थे। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि जिन परियोजनाओं को पहले से वैध पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त है, वे सुरक्षित रहेंगी। लंबित आवेदनों पर उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई की जा सकती है, जबकि पहले खारिज हो चुके प्रस्तावों की परियोजना-वार समीक्षा कर तकनीकी एवं प्रक्रियागत कमियां दूर करने के बाद, जहां संभव हो, दोबारा प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला तेलंगाना सरकार के लगातार कानूनी प्रयासों का परिणाम है और इसका देशभर की परियोजनाओं की पर्यावरणीय मंजूरियों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। मंत्री ने विभाग के अंतर्राज्यीय प्रकोष्ठ को तकनीकी, पर्यावरणीय और विधिक विशेषज्ञता से सशक्त बनाने के निर्देश भी दिए, ताकि केंद्र सरकार, राष्ट्रीय हरित अधिकरण, उच्चतम न्यायालय तथा अन्य मंचों पर राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी की जा सके। उन्होंने सात दिन में सभी अभिलेख एकत्र कर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, 30 दिन में पर्यावरणीय अध्ययन, अनुपालन रिपोर्ट और कानूनी दस्तावेज तैयार करने तथा 60 दिन में प्रशासनिक एवं आवेदन संबंधी प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को गोदावरी नदी पर खम्मम जिले में निर्माणाधीन सीतम्मा सागर सिंचाई परियोजना के कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर भी मौजूद रहे।

सीएम ने निम्स मेडिकल टीम को बधाई दी

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एनआईएमएस मेडिकल टीम द्वारा मात्र ढाई वर्षों में 1,000 रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न किए जाने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की है।

सोमवार को एक बयान में, मुख्यमंत्री ने चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि के लिए एनआईएमएस के निदेशक राहुल देवराज, चिकित्सा दल, नर्सिंग स्टाफ और ऑपरेशन थिएटर टीम को बधाई दी। एनआईएमएस के निदेशक के साथ बैठक के दौरान, रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आम लोगों के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं सुलभ बनाने का जन सरकार का संकल्प पूरा हो गया है।

उन्होंने आरोग्य श्री योजना और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के माध्यम से 90 प्रतिशत से अधिक रोबोटिक सर्जरी मुफ्त में करने के लिए एनआईएमएस अस्पताल प्रबंधन की सराहना की। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि एनआईएमएस ने हाल ही में 2,000 गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी पूरी की हैं और बताया कि अस्पताल ने अब 1,000 रोबोटिक सर्जरी का मील का पत्थर हासिल करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एनआईएमएस चिकित्सा क्षेत्र में और भी कई उपलब्धियां हासिल करेगा।

मल्लु रवि ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर संसदीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली/हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद डॉ. मल्लु रवि ने सोमवार को संसद भवन के संलग्न परिसर में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की अध्यक्षता में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में वैश्विक उथल-पुथल के बीच आपूर्ति प्रबंधन विषय पर विचार-विमर्श किया गया , जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा, ईंधन आपूर्ति प्रबंधन, रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, वैश्विक कच्चे तेल बाजार में चुनौतियां और देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मल्ल रवि ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करते हुए तथा सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए भारत की ऊर्जा संबंधी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक और बाजार स्थितियों के बीच स्थिर ईंधन आपूर्ति बनाए रखने की रणनीतियों की भी समीक्षा की गई।

पालमूरु-रंगारेड्डी परियोजना में देरी न हो: बीआरएस

अमेरिका में आयोजित बैठक में उठी मांग

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने तेलंगाना सरकार से पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य बिना किसी देरी के पूरा करने की मांग की है। यह मांग अमेरिका के बाल्टीमोर में आयोजित पालमूरु विकास मंच की बैठक में उठाई गई।

पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि परियोजना पूरी होने से अतिरिक्त पांच से छह लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी और लंबे समय से जल संकट झेल रहे पालमूरु क्षेत्र को राहत मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की ऊपरी धारा की परियोजनाएं तेलंगाना की सिंचाई योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं और राज्य सरकार से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी शेष कार्य शीघ्र पूरा कराएं और इसके लिए वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सहयोग देने को तैयार हैं।

पूर्व मंत्री सी. लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना गठन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पालमूरु क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने बताया कि कानूनी विवादों के कारण परियोजना में विलंब हुआ तथा अमेरिका में रह रहे पालमूरु मूल के लगभग पांच हजार प्रवासी भारतीयों की विशेष बैठक बुलाकर विकास संबंधी सुझाव लेने का प्रस्ताव रखा। पूर्व विधायक अल्ला वेंकटेश्वर रेड्डी ने कहा कि शिक्षा और सिंचाई पालमूरु के विकास के दो प्रमुख आधार हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से परियोजना शीघ्र पूरी कर पलायन रोकने और सिंचाई क्षेत्र का विस्तार करने की अपील की। पूर्व नारायणपेट विधायक एस. राजेंद्र रेड्डी ने मंच से अमेरिका पहुंचने वाले नए विद्यार्थियों को सहयोग देने का आह्वान किया और भविष्य में भी पालमूरु प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रमों में बीआरएस नेताओं की सक्रिय भागीदारी का भरोसा दिलाया।

एनएच-65 पर यातायात व्यवस्था का संयुक्त पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण

जलभराव हटाने, सड़क चौड़ीकरण और फ्लाईओवर कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुनप्रीत सिंह ने सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-65 (एनएच-65) के महत्वपूर्ण चौराहों और यातायात बिंदुओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुथांगी स्थित पिस्ता हाउस के निकट जलभराव वाले स्थान का जायजा लिया तथा पाटनचेरु यातायात थाना क्षेत्र में इस्नापुर से रुद्राराम तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण एवं फ्लाईओवर निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसियों को जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करने, यातायात को निर्बाध बनाए रखने तथा सड़क चौड़ीकरण और फ्लाईओवर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके बाद सुनप्रीत सिंह ने पठानचेरुवु यातायात पुलिस थाने का निरीक्षण कर थाना कार्यप्रणाली, पुलिस बल की उपलब्धता, प्रवर्तन गतिविधियों तथा सड़क दुर्घटना मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने, शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान तेज करने, अभिलेखों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने तथा जनहितैषी पुलिसिंग के माध्यम से प्रभावी यातायात प्रबंधन करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान साइबराबाद यातायात-द्वितीय की पुलिस उपायुक्त शेषाद्रिनी रेड्डी, मियापुर यातायात मंडल के सहायक पुलिस आयुक्त आदि मूर्ति, पठानचेरुलवु यातायात थाना प्रभारी श्याम सुंदर रेड्डी तथा आरक्षित निरीक्षक नरेश भी

बिना टैक्स वाली शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज की

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी और दूर के राज्यों से तेलंगाना में बिना टैक्स वाली शराब की तस्करी, निषेध और आबकारी विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस अवैध कारोबार को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई और विशेष टीमों की तैनाती के बावजूद यह समस्या जारी है।

आबकारी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, तस्करी कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा से सड़क, रेल और हवाई मार्ग जैसे कई रास्तों से राज्य में की जा रही है।

एक अधिकारी ने कहा, "राज्य के आबकारी शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) से बचने के लिए अवैध शराब तेलंगाना लाई जाती है और बाद में इसे ब्लैक मार्केट में - खासकर हैदराबाद और अन्य शहरी केंद्रों में - कानूनी रूप से बिकने वाली शराब की तुलना में कम कीमत पर बेचा जाता है।

तेलंगाना और पड़ोसी राज्यों (खासकर गोवा, जहां शराब काफी सस्ती है) के बीच कीमतों का अंतर संगठित तस्करी नेटवर्क के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बन गया है। अधिकारियों ने बताया कि हालिया कार्रवाई से पता चला है कि हैदराबाद स्थित शराब के कई सिंडिकेट ने तेलंगाना में शराब लाने और उसकी ढुलाई के लिए दूसरे राज्यों में सप्लाई चेन बना रखी है।

गोवा और दिल्ली से शहर में एनडीपीएल की तस्करी करने वाले यात्रियों का पता लगाने के लिए शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियमित जांच की जाती है। गोवा और अन्य राज्यों से आने वाली ट्रेनों और बसों में भी अक्सर निरीक्षण किया जाता है।

विभाग ने अंतर-राज्यीय सीमाओं पर निगरानी मजबूत की है, वाहनों की जांच तेज की है और रेलवे स्टेशनों व हवाई अड्डे पर चेकिंग बढ़ाई है। अधिकारी ने बताया, समर्पित प्रवर्तन टीमें नियमित रूप से निजी वाहनों, यात्रियों के सामान, कमर्शियल सामान और सार्वजनिक परिवहन बसों में छिपाई गई शराब की खेप को पकड़ती हैं। तस्कर अक्सर शक से बचने के लिए कम मात्रा में शराब ले जाते हैं, जबकि कुछ लोग शराब की खेप को निजी सामान या सामान्य कार्गो के रूप में छिपाकर ले जाने की कोशिश करते हैं।

विभाग ने चेतावनी दी है कि एनडीपीएल की ढुलाई में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों को ज़ब्त किया जा सकता है, और शराब की तस्करी व अवैध बिक्री में शामिल लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आदिलाबाद पुलिस ने सीमा पार चोरी करने वाले गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। घर में चोरी की एक बड़ी घटना की जांच में आदिलाबाद पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने सीमा पार चोरी करने वाले एक कथित गिरोह का पर्दाफाश किया है जो भारत के कई राज्यों में सक्रिय था और दो बांग्लादेशी नागरिकों तथा उनके एक भारतीय साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे 8 लाख रुपये की कीमत का सामान ज़ब्त किया है।

सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आदिलाबाद के पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि मावला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कैलाश नगर में एक राजनीतिक नेता के घर हुई चोरी की जांच के दौरान संदिग्धों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहम्मद जॉनी अली उर्फ जानी अली (30) और मोहम्मद रुमान अली (33) के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के रहने वाले हैं और राजस्थान में रह रहे थे। तीसरा व्यक्ति तरुण सिंह (29) है, जो मध्य प्रदेश के भोपाल का रहने वाला है। जानी अली और तरुण सिंह का कई राज्यों में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

पुलिस ने बताया कि जांच से पता चला है कि जॉनी अली कथित तौर पर पिछले कई वर्षों में कई बार अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ था और अपनी पहचान छिपाने के लिए नकली आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था। अखिल महाजन ने कहा, हमें यह भी शक है कि आदिलाबाद पहुंचने से पहले यह गिरोह अलग-अलग राज्यों से होकर गुजरा था, जहां उन्होंने कथित तौर पर हाल ही में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार, यह समूह पहले प्रेशर कुकर और मिक्सर जैसे घरेलू उपकरण बेचने वाले बनकर रिहायशी इलाकों की रेकी करता था। खाली या असुरक्षित दिखने वाले घरों की पहचान करने के बाद, वे कथित तौर पर रात में वापस आते थे और घर में घुसकर कीमती सामान चुरा लेते थे।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME & DOB

I, SHATRUGHAN YADAV Father of DHANANJAY KUMAR YADAV, R/o Vill-Sonbarsha, Po- Jagdishpur, Tehsil- Siswan, Dist- Siwan, Bihar. I have to change my Name from - SHATRUGHAN YADAV (DOB: 12-04-1966) to SHATRUDHAN YADAV(DOB: 01-01-1955) For all purpose vide affidavit dated: 02-08-2026.

I, RAJMOTI DEVI Mother of DHANANJAY KUMAR YADAV, Residing at Vill-Sonbarsha, Po- Jagdishpur, Tehsil- Siswan, Dist- Siwan, Bihar. I have to change my Name from - RAJMOTI DEVI to RAJMATI DEVI For all purpose vide affidavit dated: 02-08-2026.

CHANGE OF NAME

I, Meena Devi, Mother of No. 17003526W, NK, Kapil Kumar, R/o, Vill : Pachgaon, Dist: Meerut, Uttar Pradesh, changed my name from Meena Devi to Meena vide Affidavit No. 467863 dt. 30.07.2026, before Medchal- Malkajgiri Court, Telangana.

I, S Pradeep Kumar, Father of No. 14664256X, Hav, Abhilash PR, R/o, Vill, Athiyannoor, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from S Pradeep Kumar to Pradeepkumar S , vide Affidavit No. 467909 dt. 01.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, R Renuka Devi, Mother of No. 14664256X, Hav, Abhilash PR, R/o, Vill: Athiyannoor, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my name from R Renuka Devi to Renukadevi R, vide Affidavit No. 467907 dt. 01.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, T Raveendran, Father of No. 14684216X, CHM, Ratheesh Kumar R, R/o, Vill & PO : Karakulam, Dist: Trivandrum, Kerala, changed my name from T Raveendran to Raveendran T, vide Affidavit No. 467784 dt. 23.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अंतरराज्यीय एटीएम धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद कमिश्नरेट की अमीनपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एटीएम धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो भोले-भाले एटीएम उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को ठगने में शामिल था। पुलिस ने गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य फरार हैं। राजस्थान और हरियाणा के इस गिरोह ने नकदी निकासी में कठिनाई का सामना कर रहे ग्राहकों के सहायक बनकर सुनसान एटीएम केंद्रों को निशाना बनाया। वे चुपके से पीड़ितों के एटीएम पिन नोट कर लेते थे, उनके डेबिट कार्ड को मिलते-जुलते कार्ड से बदल देते थे और बाद में चोरी किए गए कार्डों का उपयोग करके पीओएस स्वाइप मशीनों से नकदी निकालते और खरीदारी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों में शाहजाद (19), अजरुद्दीन (25), मोहम्मद वसीम (25), साकिब (28), मोहम्मद असफाक खान (25) और मोहम्मद जाफर (20) शामिल हैं, जबकि आरोपी सोहिल और मुबारक फरार हैं। यह मामला तब सामने आया जब किस्टारेड्डीपेट के एक शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 जुलाई को एटीएम पर दो अजनबियों की मदद के बाद उसके एसबीआई खाते से धोखाधड़ी से 65,400 रुपये निकाल लिए गए थे। जांच के दौरान पुलिस ने 130 एटीएम कार्ड, दो भीम यूपीआई पाइन लैब्स पीओएस मशीनें, तीन ऑटो-रिक्शा, पांच मोबाइल फोन और 27,230 रुपये नकद जब्त किए। आरोपियों ने हैदराबाद, साइबरबाद, आसपास के इलाकों और हरियाणा में इसी तरह के अपराध करने की बात कबूल की और चोरी की रकम का इस्तेमाल निजी खर्चों के लिए किया। पुलिस ने हरियाणा के आठ अन्य साथियों की भी पहचान की, जिन्होंने पहले भी इस क्षेत्र में इसी तरह के अपराध किए थे। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर ने मामले को सफलतापूर्वक सुलझाने के लिए अमीनपुर पुलिस टीम की सराहना की। पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया है कि वे एटीएम पर अजनबियों से सहायता न लें, कभी भी अपना एटीएम पिन न बताएं और न ही अपने डेबिट कार्ड किसी को सौंपें।

एनआईपीएफएम और एसईआरपी ने की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) और तेलंगाना स्थित ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी) ने राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (एनएमएनएफ) के तहत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य भर में 326 जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थापित करने के लिए साझेदारी की है । इस पहल के अंतर्गत, एनआईएचपीएचएम ने 10 बैचों में 56 जिला स्तरीय अधिकारियों और 318 महिला उद्यमियों को केंद्र स्थापित करने और संचालित करने का प्रशिक्षण दिया। एसईआरपी ने विभिन्न जिलों से महिला प्रतिभागियों की पहचान की और उन्हें संगठित किया तथा ग्राम स्तरीय बीआरसी स्थापित करने के लिए आवश्यक उपकरण और सहायता प्रदान की।

इन केंद्रों में जीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी अर्क और अगनास्त्र जैसे पर्यावरण के अनुकूल जैविक उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा, जिससे किसानों को रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी एवं पौधों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षित महिला उद्यमी ग्रामीण समुदायों में कम लागत वाली, टिकाऊ कृषि पद्धतियों के बारे में जागरूकता भी फैलाएंगी। डॉ. तारा सत्यवती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के बारे में डॉ. ओपी शर्मा ने कहा कि इस पहल से महिला किसानों को अपने खेतों और आसपास के कृषि समूहों के लिए प्राकृतिक जैविक इनपुट का उत्पादन करने में मदद मिलेगी। तेलंगाना स्थित एसईआरपी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती दिव्या देवराजन और एसईआरपी की मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री राजिता ने प्रशिक्षण की योजना बनाने, प्रतिभागियों को जुटाने और कार्यक्रम को सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसईआरपी के अधिकारी श्रीमती अरुणा श्री (आयोजक) और उनकी टीम, श्री प्रताप और सुश्री दिव्या ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए किसान समूहों और एनआईएचपीएचएम के साथ समन्वय किया। एनआईएचपीएच के रजिस्ट्रार के श्रीनिवास ने इस सहयोग को आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहित करके तेलंगाना के प्राकृतिक कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। महिला प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि यह उनके कृषि पद्धतियों के लिए अत्यंत प्रासंगिक और लाभकारी था।

।। हरि ॐ।। द्वितीय पुण्यतिथि ।। हरि ॐ।।

स्वर्गवास: 04.08.2024
स्व.श्री धनारामजी गेहलोत
सुपुत्र: स्व. श्री लुम्बारामजी गेहलोत - ईसाली
आपकी मधुर स्मृतियां कभी नही मिट पायेंगी।
जीवन के अंतिम क्षण तक हमे आपकी याद आयेगी।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : भुरीबाई (धर्मपत्नी), हेमारामजी (काकोसा), सुकियादेवी (बहन), ताराराम-पोनीबाई (भाई-भाभी), देवराज-स्वपना, विनोद-इन्द्रा (पुत्र-पुत्रवधु), मंजु-रमेशजी, पायल-दिनेशजी, अंजु-कमलेशजी (पुत्री-जँवाई), नीतू (पुत्री), ललित (पौत्र), प्रथम-कुसुम (पौत्र-पौत्रवधु), प्राची (पौत्री), मानसी-किशोरजी (दोहिती-दोहिती जंवाई), उत्कर्ष, उज्जवल, प्रान्श (दोहिता), इशिता (दोहिती)
एवं समस्त गहलोत परिवार, ईसाली
✲ जय भवानी प्लाईवुड, हार्डवेयर एण्ड ग्लास हैदराबाद
✲ टोरोन्टो प्लाई मार्ट तेल्लापुर ✲ मिनाक्षी ज्वैलर्स ठाणे, महाराष्ट्र
9000980980, 9441186691, 9819711736
P.Solankey

'आरोप साबित होता तो फांसी पर लटक जाता'

बरी होने के बाद बृज भूषण शरण का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद लोगों ने बृजभूषण शरण सिंह को फूलों की माला और गुलदस्ते देकर बधाई दी। महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद दिल्ली में भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं सिर्फ़ बरी नहीं हुआ हूं, बल्कि सम्मान के साथ बरी हुआ हूं। संघर्ष से निखार आता है, जो लोग मेरे खिलाफ हैं, उनसे मुझे कुछ नहीं कहना है। महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि 18 जनवरी 2023 को मैंने कहा था कि ये एक षडयंत्र है। अगर मेरे ऊपर कोई आरोप सही पाया जाएगा तो मैं स्वतः फांसी पर लटक जाऊंगा। आज तक मैं उसी बात पर कायम रहा और आज लगभग तीन साल बाद कोर्ट ने मुझे और विनोद तोमर का बरी किया है। मैं 15-16 साल की उम्र से संघर्ष देख रहा हूं। मैं हमेशा जो कमजोर थे, जिनका हक मारा जाता था मैं उनके पक्ष में खड़ा होता था। मुझे अपने आप पर विश्वास था...मुझे पूरा विश्वास था कि मेरे साथ न्याय होगा। मेरे साथ न्याय हुआ। मैंने अपने आप को कभी अपराधी महसूस नहीं किया। आज, कोर्ट ने मुझे सम्मान के साथ बरी कर दिया है। यह मेरे और मेरे समर्थकों के लिए खुशी की बात है... आज खुशी का दिन है।

'कोर्ट से अभी तक आदेश की कॉपी नहीं मिली है'

बृजभूषण शरण सिंह के वकील राजीव मोहन का कहना है, कोर्ट से अभी तक आदेश की कॉपी नहीं मिली है। कॉपी मिलने के बाद ही हम बता पाएंगे कि कोर्ट किस आधार पर इस नतीजे पर पहुंचा है। हमने जो दलीलें दी थीं, उन्हें मान लिया गया है। यह सच्चाई, युवा पहलवानों और कैसरगंज की जीत हैः करण भूषण महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में अपने पिता और डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने पर बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने कहा, मैं कोर्ट का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह सच्चाई, युवा पहलवानों और कैसरगंज की जीत है। आज हम देश के सामने मजबूती से खड़े हैं। जो पार्टियां उस समय मेरे पिता के खिलाफ बोल रही थीं, क्या वे आगे आकर कहेंगी कि उनके साथ जो हुआ, वह गलत था?

अदालत से राहत के बाद 'सियासत' का केंद्र बनेंगे बृजभूषण

तीन साल के राजनीतिक वनवास के बाद बदले समीकरण

गोंडा, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से महिला पहलवानों से जुड़े कथित यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। अदालत के फैसले ने केवल उन्हें कानूनी राहत नहीं दी है, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी संभावित भूमिका को लेकर नई बहस भी शुरू कर दी है। देवीपाटन मंडल से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा बृजभूषण शरण सिंह को फिर सक्रिय राजनीतिक भूमिका देगी या उनकी राजनीतिक विरासत फिलहाल उनके परिवार के माध्यम से ही आगे बढ़ेगी।

करीब साढ़े तीन वर्ष पहले महिला पहलवानों के आरोप सामने आने के बाद बृजभूषण शरण सिंह भाजपा के लिए असहज स्थिति का कारण बने थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने कैसरगंज से उनका टिकट काटकर बेटे करण भूषण सिंह को उम्मीदवार बनाया। यह फैसला स्पष्ट संकेत था कि पार्टी कानूनी विवाद के बीच कोई राजनीतिक जोखिम नहीं लेना चाहती। हालांकि दूसरी ओर भाजपा ने परिवार का राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी बरकरार रखा। करण भूषण सिंह की जीत ने यह भी साबित किया कि क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव और संगठनात्मक पकड़ कमजोर नहीं हुई थी।

सावन के पहले सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

वाराणसी में सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा भक्तों का सैलाब , बाबा विश्वनाथ का

वाराणसी, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सावन के पवित्र महीने के पहले सोमवार पर धर्मनगरी वाराणसी पूरी तरह शिवमय नजर आ रही है। बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए देर रात से ही लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब मंदिर और घाटों पर उमड़ पड़ा। भक्त पहले गंगा में पवित्र स्नान कर रहे हैं और फिर गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ के दरबार में जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और यातायात की व्यवस्था की हैं। सुबह मंगला आरती के साथ बाबा विश्वनाथ के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना की शुरुआत हुई। आरती के बाद मंदिर के सभी प्रवेश द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस खास अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों से भव्य तरीके से सजाया गया है। मंदिर प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं का विशेष स्वागत भी किया गया। वाराणसी मंडल के मंडलायुक्त और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मंदिर पहुंचने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की। फूलों की बारिश के बीच बाबा के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। दर्शन करने पहुंचे एक श्रद्धालु ने बताया कि उन्होंने मंगला आरती में भाग लिया और हर साल सावन के सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि बाहर लंबी कतारें जरूर थीं, लेकिन मंदिर के अंदर व्यवस्था इतनी अच्छी थी कि दर्शन आसानी से हो गए और किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

एक अन्य श्रद्धालु ने बताया कि इस बार भीड़ पिछले वर्षों की तुलना में अधिक दिखाई दे रही है, लेकिन प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के बेहतरीन इंतजाम किए हैं। उन्होंने कहा कि दर्शन शांतिपूर्वक और व्यवस्थित तरीके से हो रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा नहीं हो रही।

'हंगामे की भेंट न चढ़ जाए यूपी का विधानसभा सत्र'

बीएसपी प्रमुख मायावती ने किया सावधान

लखनऊ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती ने आज से शुरू हो रहे उत्तर प्रदेश के विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर कई आशंकाएं जाहिर की हैं और सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस अति अल्पकालीन सत्र को लेकर कहा है कि यह हंगामे की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। विधानसभा सत्र जनकल्याण और देश हित के लिए समर्पित होना चाहिए।

बीएसपी प्रमुख मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि, 'उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज दिनांक 3 अगस्त से शुरू हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल मिलाकर चार कार्य दिवस वाले इस सत्र में अगले दिन 4 अगस्त को सरकारी खर्चे सम्बंधी अनुपूरक बजट राज्य सरकार विधानसभा में पेश करेगी।'

बसपा प्रमुख ने लिखा है कि,' हालांकि यह सत्र अति-अल्पकालीन है, फिर भी लोगों की यही अपेक्षा है कि यूपी विधानमंडल का यह सत्र, संसद के वर्तमान सत्र की तरह ही, देश व जनहित, जनकल्याण एवं ज्वलंत जन समस्याओं के प्रति समर्पित होने के बजाय, संकीर्ण दलगत राजनीति, खींचतान, आरोप-प्रत्यारोप व हंगामा आदि की पूरी तरह से भेंट ना चढ़ जाए।'

मायावती ने लिखा है, 'वैसे इस अल्पकालीन सत्र को लेकर लोगों की यह चिंता भी स्वाभाविक ही है कि अफसरशाही (ब्यूरोक्रेसी) को संविधान की शपथ के प्रति जवाबदेह एवं जनहित, जनकल्याण को लेकर उत्तरदायी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि विधायिका का संवैधानिक प्रभाव किसी भी प्रकार से कम ना होने पाए। इसके लिए यूपी के विधानमंडल का लगातार घटते सत्र के साथ-साथ विधानसभा का इतना संक्षिप्त सत्र क्या अपना वास्तविक उद्देश्य हासिल कर पाएगा या फिर केवल औपचारिकता ही रह जाएगी?' उन्होंने कहा है कि, 'देश के संविधान व यहां लोकतंत्र की मजबूती तथा अफसरशाही पर लगाम के लिए विधायिका की मजबूती अति-महत्वपूर्ण है और इसके लिए सरकार व विपक्ष दोनों का गंभीर संसदीय आचरण जरूरी।'

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। इस चार दिन के संक्षिप्त सत्र में यूपी सरकार अपनी उपलब्धियों और विकास के बारे में विस्तार से जानकारी देना चाहती है।

विपक्ष के संसद के बाहर प्रदर्शन पर ओपी राजभर का हमला, बोले- ड्रामा करने वाली पार्टियां

लखनऊ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने संसद के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष जनता के मुद्दों के बजाय सिर्फ राजनीतिक ड्रामा करने में लगा हुआ है। राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता, चाहे फैजाबाद के सांसद धर्मेंद्र यादव हों या डिंपल यादव, कांग्रेस के साथ मिलकर संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब जब उनके इस प्रदर्शन पर सवाल उठ रहे हैं तो वे लखनऊ आकर भी वही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस तरह का व्यवहार पहले कभी देखने को नहीं मिला। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और ₹पप्पू एंड कंपनी₹ सिर्फ सत्ता में वापसी के लिए नाटक कर रही हैं और जनता के असली मुद्दों से उनका कोई सरोकार नहीं है। दिल्ली में सांसद पप्पू यादव पर हमले के लगाए गए आरोपों को भी राजभर ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह झूठा दावा है और इसे भी उन्होंने विपक्ष का ड्रामा बताया। उनका कहना है कि विपक्ष लगातार ऐसे मुद्दे उठाकर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से बधाई नहीं दिए जाने के सवाल पर भी राजभर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को खेलों से कोई लेना-देना नहीं है, उसे केवल सत्ता की राजनीति की चिंता रहती है।

इस दौरान राजभर ने सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी द्वारा 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके की अमेरिका में पढ़ाई के खर्च को लेकर उठाए गए सवालों का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा, वे सही बात कह रहे हैं। अभिजीत दिपके ने छात्रों का भविष्य खतरे में डाला है। उसकी पढ़ाई के खर्च को लेकर उठाए गए सवालों को लेकर निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए।

यूपी पुलिस के सिपाही ने की खुदकुशी

मोबाइल में गेम, पत्नी से विवाद और डूबी रकम, इस कारण अवसाद में था दीपक

मेरठ, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बाराबंकी में 10वीं वाहिनी पीएसी परिसर स्थित हॉस्टल के कमरे में रविवार सुबह सिपाही दीपक सिंह (34) का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में मोबाइल गेम की लत के चलते पैसा गंवाने से पारिवारिक कलह की बात सामने आई है।

मेरठ के रोहटा निवासी थे दीपक

मेरठ के रोहटा निवासी दीपक वर्ष 2021 बैच के सिपाही थे। उनकी पहली तैनाती बाराबंकी में थी। वर्ष 2022 में उनका विवाह हुआ था। दो वर्ष की बेटी है। बड़े भाई व नोएडा में तैनात उपनिरीक्षक अजय सिंह के अनुसार, दीपक लंबे समय से मोबाइल गेम खेलने के आदी थे और इसमें काफी रुपये गंवा चुके थे। इससे आर्थिक तंगी के कारण पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। छह माह पहले पत्नी बेटी को लेकर मायके चली गई थी। मसौली एसएचओ अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है।

पत्नी से विवाद और रकम डूबने के कारण अवसाद में था दीपक

बाराबंकी में पीएसी में तैनात दीपक (30) की मौत की सूचना मिली मेरठ के रोहटा में तो घर में मातम पसर गया। परिजन शव लेने के लिए बाराबंकी के लिए रवाना हो गए। सिपाही के घर के बाहर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। बताया गया कि पत्नी से विवाद, मोबाइल गेम्स और शेयर बाजार में रकम डूबने से दीपक काफी समय से अवसाद में था।

ट्रक ने पीछे से बाइक में मारी टक्कर, मां-बेटी की मौत

बहराइच, 3 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में सोमवार सुबह श्रावस्ती किसान सहकारी चीनी मिल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, बाइक चला रहा पति गंभीर रूप से घायल हो गया। ये लोग मटेरा के जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर घर लौट रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। नानपारा के चौक बाजार निवासी भोला सरकार (45) अपनी पत्नी सुमित्रा (40) और बेटी गहना (17) के साथ मटेरा स्थित बाबा जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने गए थे।

हाईवे पर दौड़ती कार में हैवानियत

वो चीखती रही, सात घंटे तक घुमाते रहे; 10वीं की छात्रा को अगवा कर दरिंदगी

गाजियाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। 10वीं कक्षा की छात्रा को गाजियाबाद के मसूरी थाने के पास से अगवा कर दो आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को कार में लेकर आरोपी करीब सात घंटे तक शहर की सड़कों पर घूमते रहे। देर रात उसे बदहवास हालत में एनएच-9 के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता अगले दिन घर पहुंची।

मां की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो, सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों मुजाहिद (45) व सलीम अख्तर (48) को गिरफ्तार कर लिया है। पिलखुवा के आजमपुर दहपा गांव निवासी दोनों आरोपी दोस्त हैं और साथ में ईंट भट्ठे का कारोबार करते हैं। मुजाहिद पिलखुवा का हिस्ट्रीशीटर है। मसूरी की कॉलोनी में रहने वाली पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि 27 जुलाई को बेटी (16) किसी काम से घर से निकली थी। शाम करीब साढ़े सात बजे वह मसूरी थाने के पास एनएच-9 की सर्विस रोड के किनारे वाहन का इंतजार कर रही थी। तभी कार सवारों ने उसे अकेला देखकर अगवा कर लिया।

डराया... मारने की धमकी

पीड़िता ने पुलिस को बताया, आरोपियों ने विरोध करने पर उसे डराया और जान से मारने की धमकी दी। कार में वह चीखती रही और छोड़ने की गुहार लगाती रही, पर आरोपियों ने उसकी एक नहीं सुनी। । कार के शीशों पर सन शेड लगी हुई थी, जिससे बाहर से अंदर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने बताया कि जब शिकायत करने की बात कही तो आरोपी देर रात ढाई बजे उसे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पास फेंककर भाग गए। 28 जुलाई की सुबह किसी राहगीर की मदद से वह घर पहुंची।

वारदात के बाद घर जाकर सो गए

एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कार नंबर व मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर दोनों आरोपियों को पिलखुवा से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने वारदात कबूल कर ली है। दोनों शादीशुदा हैं। वारदात के बाद दोनों घर जाकर आराम से सो गए। कार भी बरामद कर ली गई है।

मां बोलीं-मिले सख्त सजा

पीड़िता की मां ने बताया कि उन्होंने बेटी को गोद लिया था। उन्होंने आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। सात घंटे, एक कार और मदद की आस में गुजरता हर पल। 27 जुलाई की रात दरिंदगी की शिकार हुई 10वीं की छात्रा को उम्मीद थी कि कहीं न कहीं पुलिस दिखेगी, कोई उसकी चीख सुन लेगा और कार रुकवा देगा। कार दो बार थाने के सामने से गुजरी भी, रास्ते में पुलिस चौकियां मिलीं और पुलिसकर्मी भी दिखे, लेकिन किसी ने उसकी बेबस चीखें नहीं सुनीं। चौंकाने वाली बात यह है कि दिन में चार पहिया वाहनों के शीशों से काली फिल्म उतरवाने वाली पुलिस रात में आरोपियों की कार के शीशे पर सन शेड लगा होने के बाद भी नहीं चेती।

इतना ही नहीं, पीड़िता के पुलिस की चौखट पर पहुंचने के बाद एफआईआर दर्ज होने में भी चार दिन लग गए।

बदायूं में कासगंज-बरेली पैसेंजर ट्रेन के इंजन में लगी आग

चालक ने कूदकर बचाई जान, यात्रियों में हड़कंप

बदायूं, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बदायूं के बिनावर क्षेत्र में सोमवार सुबह कासगंज-बरेली पैसेंजर ट्रेन के इंजन में अचानक आग लग गई। मालगांव हाल्ट स्टेशन के पास हुई इस घटना से ट्रेन में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हालांकि, लोको पायलट की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से बड़ा रेल हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इंजन से धुआं निकलता देख लोको पायलट ने तुरंत स्थिति को भांप लिया। उसने बिना देर किए ट्रेन को रोक दिया और अपनी जान बचाने के लिए इंजन से नीचे कूद गया। देखते ही देखते इंजन से आग की लपटें उठने लगीं, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। बोगियों से यात्री नीचे उतर आए। लोको पायलट ने तत्काल रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी टीम और संबंधित अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए। प्रारंभिक स्तर पर आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। इस दौरान ट्रेन में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। यात्रियों को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है।

आग के कारणों की जांच

रेलवे अधिकारियों ने इंजन में आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग तकनीकी खराबी से लगी। या फिर किसी अन्य कारण से यह हादसा हुआ है। जांच दल सभी पहलुओं पर गौर कर रहा है। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने की सही वजह सामने आएगी।

आईआईटियन बाबा दुष्कर्म मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

25 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज, 3 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अभिषेक मिश्रा उर्फ आईआईटियन बाबा के दुष्कर्म मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। आईआईटियन बाबा ने जमानत के लिए अर्जी दाखिल की है। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मामले की सनवाई न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ कर रही है।

मथुरा के गोवर्धन थाने में एक छात्रा ने 25 मई 2026 को ओडिशा के भुवनेश्वर व हाल राधाकुंड निवासी अभिषेक मिश्रा उर्फ आदिकर्ता नारायण उर्फ आईआईटियन बाबा के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि उसकी बहन मथुरा के एक संस्थान में इंटर्नशिप करती है। साथ ही आरोपी बाबा की भजन मंडली में भजन-कीर्तन करती थी। वह अपने बहन से मिलने मथुरा गई थी। वहां बहन के कमरे में थी। इसी दौरान आरोपी बाबा आया और भगवान का प्रसाद बोलकर नशीला दूध पिला दिया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को दो जून को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया था। जेल में बंद बाबा ने एडीजे/विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट के यहां जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की है।

पांचवीं मंजिल के अपार्टमेंट से गिरने के बाद मनोचिकित्सक की मौत

गाज़ियाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन इलाके में रहने वाली 40 साल की एक साइकियाट्रिस्ट (मनोचिकित्सक) की अपने अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि करीब डेढ़ साल पहले हुए तलाक के बाद से ही वह गंभीर भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। मृतक की पहचान डॉ. हेमिका अग्रवाल के तौर पर हुई है, जो ऑफिसर्स सिटी-2 सोसाइटी में रहती थी।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना रविवार को हुई। हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के रहने वाले लोग और आसपास के लोग तुरंत युवती मदद के लिए पहुंचे और उन्हें पास के अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवारवालों ने बताया कि शादी टूटने से उनकी मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा था। उनके पिता डॉ. आर. चंद्रा गाजियाबाद के जाने-माने मनोचिकित्सक हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी लगभग 18 महीने पहले अलग होने के बाद से डिप्रेशन और भारी मानसिक तनाव से जूझ रही थी।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

शस्त्र लाइसेंस दुरुयोग के मामले गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक

प्रयागराज, 3 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को राहत दी है। एफआईआर को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई के

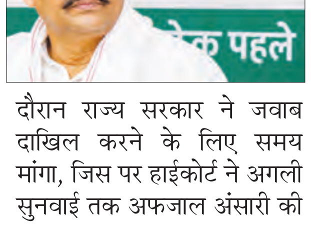

दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। गाजीपुर के थाना कोतवाली में 22 जुलाई 2026 को अफजाल अंसारी के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने संबंधित शस्त्र लिपिक के साथ मिलीभगत कर शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराई।

बीजेपी के गढ़ में प्रशांत किशोर ने लगाई सेंध

नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते

'जनता का संदेश किसी अच्छे व्यक्ति को बिहार का सीएम बनाएं'

बांकीपुर , 3 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बांकीपुर में हुए विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। प्रशांत किशोर जीत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं निर्णायक बढ़त हासिल करने के बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह नतीजा बीजेपी के लिए संदेश है। प्रशांत किशोर ने कहा, "यह बांकीपुर की जनता की जीत है। जैसा कि हमने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, यह सिर्फ़ विधायक चुनने का चुनाव नहीं था। यह बिहार की जनता की ओर से बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व को यह संदेश देने की कोशिश थी कि उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर किसी अच्छे व्यक्ति को नियुक्त करना चाहिए। वे नहीं चाहते कि बिहार का नेतृत्व कोई ऐसा व्यक्ति करे जिसका आपराधिक बैकग्राउंड हो या जिसका आचरण, चरित्र या छवि संदिग्ध हो।

बांकीपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत दर्ज कर ली है। प्रशांत किशोर ने शुरुआत में ही बीजेपी प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा पर बढ़त बना ली, जो अंत तक जारी रही। आइए आपको बताते हैं प्रशांत किशोर के पहले चुनाव में शानदार प्रदर्शन के पांच फैक्टर्स ये हैं।

पीके फैक्टर : पहला फैक्टर खुद चुनावी विश्लेषक से राजनेता बने प्रशांत किशोर हैं। 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों के उलट जब उनकी नई जेएसपी राज्य की 243 सीटों में से 238 पर चुनाव लड़ने के बावजूद अपना खाता नहीं खोल पाई थी, तो प्रशांत किशोर ने इस बार पटना की बांकीपुर सीट से किसी और पार्टी नेता को चुनाव लड़ाने के बजाय खुद चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। प्रशांत किशोर की उम्मीदवारी बीजेपी के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के मुकाबले भारी पड़ी। नीरज को बीजेपी ने उस सीट पर उतारा था, जो उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने खाली की थी। नितिन नवीन ने 2006 से 2026 तक बांकीपुर का पांच बार प्रतिनिधित्व किया था।

बदलाव का मूड

दूसरी बात जो प्रशांत किशोर के पक्ष में गई है, वह है बीजेपी के गढ़ में बदलाव के लिए लोगों का माना जा रहा मूड, जिसमें कई लोग प्रशांत किशोर को बेहतर और अच्छे इरादे वाले उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं। प्रशांत किशोर ने इस चुनाव को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर एक रेफरेंडम कहा और बांकीपुर को अपना गढ़ कहने के लिए बीजेपी के घमंड पर हमला किया। प्रशांत किशोर ने कहा था कि किला लोग बनाते हैं, कोई राजनीतिक पार्टी नहीं।

बीजेपी और आरजेडी के बेस वोट में दरार

प्रशांत किशोर की बढ़त का एक बड़ा कारण बीजेपी और मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी दोनों के सपोर्ट बेस में सामने आई बड़ी दरार हो सकती हैं। जहां सिर्फ़ ऊंची जाति कायस्थ समुदाय बीजेपी के लिए एकजुट हुआ, वहीं दूसरी ऊंची जाति और ओबीसी वोटर ग्रुप के कुछ हिस्से प्रशांत किशोर की तरफ गए। ऐसा लगा कि आरजेडी के मुस्लिम-यादव वोटर भी प्रशांत किशोर की तरफ झुके। मुसलमानों का एक हिस्सा आरजेडी छोड़कर प्रशांत किशोर के साथ चला गया क्योंकि उन्हें बीजेपी के खिलाफ़ प्रशांत किशोर में जीतने की क्षमता दिखी।

पीके का मुद्दों पर प्रचार

अपने प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर जाति और धर्म के पुराने मुद्दों से ऊपर उठकर, शिक्षा, नौकरी और सिविल मामलों जैसे अपने मुख्य मुद्दों पर ही टिके रहे। अपने प्रचार में नितिन नवीन ने बांकीपुर के लोगों के साथ अपने इमोशनल जुड़ाव को दिखाया, न कि इस हाई-प्रोफाइल चुनाव क्षेत्र के लिए बीजेपी का रोडमैप बताया। प्रशांत किशोर ने अपने विरोधियों की तुलना में बेहतर पोल स्ट्रैटेजी बनाई।

'प्रदर्शन पर चुप रहने वाले अब भाषा पर ज्ञान दे रहे हैं'

पूर्व सांसद ने किन स्पोर्टस-बॉलीवुड सेलिब्रेटीज को सुना दिया

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से कुछ लोगों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया था, इन वीडियोज पर बॉलीवुड के कई एक्टर्स और स्पोर्टस सेलिब्रेटीज की टिप्पणियां आई हैं। अब शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इन सेलिब्रेटीज को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, फिल्मी, स्पोर्ट्स हस्तियां जो आंदोलन में अभी तक चुप रहीं। वह अब प्रदर्शनकारियों को नसीहत दे रहे हैं।'

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ऐसे स्पोर्ट्स मैन और अभिनेताओं को देखकर हैरानी होती है, जो पूरे आंदोलन के दौरान खामोश रहे, लेकिन अब खराब भाषा पर ज्ञान दे रहे हैं।' उन्होंने कहा कि वह लैंगिक आधार पर की जाने वाली गाली-गलौज से सहमत नहीं हैं, लेकिन जिन सेलिब्रिटी इन्फ्लुएंसर्स ने अचानक अपनी आवाज पाई है, उनका यह रवैया भी सवालों के घेरे में है। प्रियंका चतुर्वेदी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब एक्टर जिमी शेरगिल, भूमि पेडनेकर, कंगना रनौत समेत कई कुछ हस्तियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक भाषा के बारे में कमेंट किया था।

कंगना रनौत ने कुछ युवा पीढ़ी जेन-जी और छात्र प्रदर्शनों द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित रूप से अभद्र भाषा या रील्स बनाने और विरोध प्रदर्शनों के तौर-तरीकों पर कड़ा ऐतराज जताया था। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया यूजर्स और युवा वर्ग ने उन्हें घेर लिया और उनके पुराने वीडियो भी वायरल होने लगे थे। विरोध बढ़ने के बाद कंगना ने एक और वीडियो जारी कर सफाई दी कि उनका उद्देश्य पूरी पीढ़ी का अपमान करना नहीं था बल्कि केवल सड़क पर अशोभनीय व्यवहार करने वालों की आलोचना करना था। वेब सीरीज ऑपेशन सफेद सागर के प्रमोशन के दौरान जिमी शेरगिल ने कहा, 'हमारे जमाने में 99 प्रतिशत बच्चे आर्म्ड फोर्सेस में जाना चाहते थे। मैंने भी फौज में जाने के लिए अप्लाई किया था, लेकिन मैं क्वालीफाई नहीं आ पाया था। मैं नहीं कर पाया था। उन्होंने आगे कहा, आज युवा फौज में आज युवा उसमें उतनी रुचि नहीं रखते, क्योंकि उनका ध्यान मोबाइल फोन और रील्स पर है।'

सीएम की जासूसी, हनीट्रैप की साजिश

अब एसटीएफ के हत्थे चढ़ा हमीम का दूसरा साथी, क्या बंगाल में पैर फैला रहा जैश?

कोलकाता, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक खौफनाक साजिश का पर्दाफाश हुआ है। स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने आतंकी और आपराधिक नेटवर्क के एक ऐसे बड़े जाल को ध्वस्त किया है, जो राज्य के बड़े नेताओं को ब्लैकमेल करने और अपहरण करने की तैयारी में था। पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध सहयोगी हमीम मंडल के दूसरे सबसे करीबी मददगार आदित्य सिंह उर्फ राज को हावड़ा के बेलिलियस रोड स्थित उसके ठिकाने से धर दबोचा है। क्राइम की इस पूरी पटकथा में आदित्य सिंह उर्फ राज की भूमिका एक 'लोकल खबरी' और 'जासूस' की थी। हावड़ा के बेलिलियस रोड का रहने वाला आदित्य लगातार भाजपा विधायक और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली कैबिनेट में राज्य मंत्री उमेश राय की रेकी कर रहा था। वह मंत्री और उनके परिजनों की पल-पल की मूवमेंट की जानकारी मुख्य आरोपी हमीम मंडल तक पहुंचाता था। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद मंत्री उमेश राय को जो धमकी भरा कॉल आया था, उसके पीछे भी इसी आदित्य सिंह का हाथ होने की बात सामने आई है। इस गैंग का मकसद बेहद खतरनाक था।

पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर यह सिंडिकेट बड़े नेताओं और प्रभावशाली लोगों के बच्चों व रिश्तेदारों को सोशल मीडिया के जरिए अपने जाल में फंसाता था। मॉडल और रील बनाने की शौकीन अर्पिता सरकार जैसी सहयोगियों के जरिए टारगेट को प्यार के जाल में फंसाकर (हनीट्रैप) ब्लैकमेल किया जाता था। अगर ब्लैकमेलिंग से बात नहीं बनती, तो अपहरण (किडनैपिंग) करके मोटी रकम वसूलने की पूरी योजना तैयार थी।

गिरफ्तार आठ उग्रवादियों में दो महिलाएं शामिल

हथियार और ड्रग्स जब्त

इंफाल, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले 24 घंटों में मणिपुर में सुरक्षा बलों के अलग-अलग संयुक्त अभियानों में प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े आठ उग्रवादियों (जिनमें दो महिला कैडर भी शामिल हैं) को गिरफ्तार किया गया और उनसे हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व और बिष्णुपुर जिलों से आठ उग्रवादियों को पकड़ा गया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके राजनीतिक विंग, रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) से जुड़े हैं।

'1 लाख करोड़ का मुआवजा दें'

> कर्नाटक पर भड़के तमिलनाडु के किसान नेता

चेन्नई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कावेरी नदी के पानी को लेकर दक्षिण भारत को दो राज्यों तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच, तमिलनाडु के किसान संगठन के नेता अय्या कन्नू ने सोमवार को कर्नाटक से पानी छोड़ने और किसानों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को हर महीने तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश दिया था।

अय्या कन्नू ने कहा, अभी भी कर्नाटक में 80 टीएमसी से ज्यादा पानी मौजूद है। लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तमिलनाडु के लिए 3500 क्यूसेक पानी छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले केरल में हुई भारी बारिश के बाद पानी तमिलनाडु पहुंचा है। इस पानी को भवानीसागर बांध की ओर भेजा जा सकता है। लेकिन राज्य के नेताओं ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। किसान नेता ने कहा कि अगर कर्नाटक पानी नहीं छोड़ेगा तो वहां नुकसान हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अब कर्नाटक अपने लोगों और राज्य को बचाने के लिए 25 हजार क्यूसेक पानी छोड़ रहा है। अय्या कन्नू ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से अपील की कि वह सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक के खिलाफ मुकदमा दायर करें और एक लाख करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग करें। उन्होंने कहा कि यह रकम किसानों को दी जानी चाहिए।

क्या है कावेरी जल विवाद?

कावेरी नदी कर्नाटक से निकलकर तमिलनाडु होते हुए बंगाली की खाड़ी में मिलती है। दोनों राज्यों के बीच दशकों से इस बात को लेकर विवाद रहा है कि नदी का पानी किस अनुपात में बांटा जाए। इस विवाद के समाधान के लिए कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था। बाद में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया गया, जो जरूरत के अनुसार पानी छोड़ने के निर्देश देता है। हालांकि, कम बारिश या जलाशयों में पानी कम होने की स्थिति में यह मुद्दा अक्सर विवाद का कारण बन जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी तमिलनाडु सरकार?

इससे पहले बीते शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार ने साफ किया कि वह अपने हिस्से के पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। राज्य के कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने कहा कि कर्नाटक की ओर से पानी छोड़ने से इनकार किए जाने के बाद अब कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा।

रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के आधिकारिक आवास पर सर्वदलीय बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व मुख्यमंत्री और सरकार में मंत्री शामिल हुए।

अध्ययन : चुनाव में पसंदीदा पार्टी की हार पर दोस्त भी बन जाते हैं दुश्मन

शोध में सामने आई चौंकाने वाली बात

टोरंटो, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कहीं चुनाव चल रहे हों और नुक्कड़-चौराहों पर लोगों की आपसी चर्चा में राजनीतिक मुद्दों पर गर्मागर्म बहस न हो, ऐसा हो नहीं सकता। जब नतीजे आते हैं तो यही राजनीतिक आक्रामकता कई बार आपसी संबंध तक बिगाड़ देती है। एक हालिया शोध रिपोर्ट से पता चलता है कि पसंदीदा पार्टी की हार पर मतदाताओं का मन कई बार इतना खिन्न हो जाता है कि उन्हें अपने रिश्तेदार और दोस्त भी दुश्मन की तरह लगने लगते हैं।

इलेक्टोरल स्टडीज नामक अकादमिक जर्नल में प्रकाशित यह व्यापक शोध बताता है कि सियासी प्रतिस्पर्धा केवल चुनावी मंचों या राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका सीधा असर सामान्य सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ने लगा है। दरअसल, पसंदीदा राजनीतिक दल की हार से ध्रुवीकृत मतदाताओं के मन में समाज और आसपास के लोगों के प्रति भरोसा काफी हद तक कम हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक भरोसा किसी भी स्वस्थ, प्रगतिशील और मजबूत लोकतंत्र की बुनियादी नींव है। यह नागरिकों के आपसी जुड़ाव, पारस्परिक सहभागिता को बढ़ाने के साथ समुदायों को सामूहिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है। आमतौर पर यही माना जाता रहा है कि सामाजिक भरोसे का स्तर काफी हद तक स्थिर होता है और राजनीतिक उथल-पुथल या चुनावों के अल्पकालिक परिणामों से अप्रभावित रहता है।

राष्ट्रीय चुनाव का सबसे ज्यादा पड़ता है असर

आमतौर पर यही माना जाता देश का चुनाव परिणाम एक सूचनात्मक संकेत होता है। परिणाम मतदाताओं को यह एक मोटा अनुमान देते हैं कि देश के कितने साथी नागरिक उनके राजनीतिक विचारों से सहमत हैं। लेकिन शोध में पाया गया कि हार-जीत को लेकर आक्रामकता का असर प्रांतीय या स्थानीय चुनावों के बजाय राष्ट्रीय स्तर के चुनावों में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मैकगिल यूनिवर्सिटी, टोरंटो यूनिवर्सिटी, ज्यूरिख यूनिवर्सिटी और टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के जरिये यह जानने की कोशिश की कि क्या चुनाव परिणाम वास्तव में नागरिकों के सामान्य दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। इसमें पाया गया कि हारने वाले समर्थकों में आम लोगों पर भरोसा जताने की संभावना जीतने वाले समर्थकों की तुलना में औसतन 3.8% कम पाई गई।

बृजभूषण के बरी होने पर विपक्ष ने सरकार पर कसा तंज

सरकार के कथनी और करनी में दिखा अंतर : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा महिला पहलवानों की ओर से दर्ज यौन उत्पीड़न मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बरी किए जाने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है।

सत्ता पक्ष ने इसे सच और न्याय की जीत बताया जबकि विपक्षी नेताओं ने फैसले पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए न्यायिक प्रक्रिया और महिला खिलाड़ियों की भावनाओं का मुद्दा उठाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस फैसले के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार युवा पीढ़ी, महिला सशक्तीकरण और महिला आरक्षण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे मामलों में जो संदेश जाता है, वह चिंताजनक है। सरकार के दावों और वास्तविकता के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अदालत के फैसले पर संयमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह न्यायालय के निर्णय पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया को अपना काम करने देना चाहिए और यदि इस फैसले के खिलाफ अपील दायर होती है तो आगे की कानूनी प्रक्रिया का इंतजार किया जाना चाहिए।

क्या भविष्य के युद्ध अंतरिक्ष में लड़े जाएंगे?

> साइबर, लेजर और उपग्रह बनेंगे सबसे बड़े हथियार

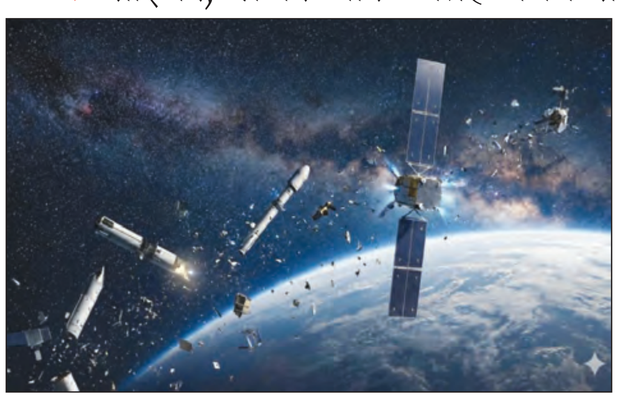

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब लड़ाई केवल जमीन, समुद्र और आसमान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अंतरिक्ष भी संभावित युद्ध क्षेत्र बनता जा रहा है। पृथ्वी की कक्षा में मौजूद संचार, नेविगेशन और सैन्य उपग्रह किसी भी आधुनिक देश की रणनीतिक ताकत हैं।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य के बड़े सैन्य संघर्षों में पहला हमला बंदूकों या मिसाइलों से नहीं, बल्कि उपग्रहों को निष्क्रिय करने वाले साइबर, लेजर और इलेक्ट्रॉनिक हथियारों से किया जा सकता है। साल 2022 में पूर्वी यूरोप में सैन्य संघर्ष शुरू होने से पहले हजारों उपग्रह मॉडम साइबर हमले का शिकार हो गए थे।

इस हमले का उद्देश्य विरोधी पक्ष की संचार व्यवस्था को बाधित करना था। विशेषज्ञों के अनुसार, आज उपग्रहों को निशाना बनाने के लिए जामिंग, फर्जी सिग्नल भेजना, नियंत्रण प्रणाली में सेंध लगाना और लेजर किरणों से सेंसरों को निष्क्रिय करने जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मिसाइल हमले से बढ़ेगा अंतरिक्ष कचरे का संकट

उपग्रहों को मार गिराने वाली मिसाइलों का कई देश सफल परीक्षण कर चुके हैं। हालांकि ऐसे हमलों से अंतरिक्ष में हजारों मलबे के टुकड़े फैल जाते हैं। यह मलबा अन्य उपग्रहों से टकराकर श्रृंखलाबद्ध दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है, जिससे भविष्य में नए उपग्रह प्रक्षेपण और अंतरिक्ष अभियानों पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े उपग्रह नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए भविष्य में परमाणु विस्फोट या शक्तिशाली विद्युत-चुंबकीय तरंग (ईएमपी) का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। ऐसा कदम हमलावर देश के अपने उपग्रहों के लिए भी बेहद नुकसानदेह साबित होगा।

नौ साल में नहीं बना एनटीए का एक भी परीक्षा केंद्र

किराये के भरोसे व्यवस्था; कैबिनेट का फैसला अब भी अधूरा

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक के बाद प्रधानमंत्री के दबाव, छात्रों के प्रदर्शन और विपक्ष के सवालों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सुधारों के नए-नए दावे कर रही है, पर यह जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एनटीए ने हाल में टेस्ट सेंटर नेटवर्क एंड ऑपरेशन अधिकारी (जीएम-टीसीएनओ) का विज्ञापन निकाला है। इस अधिकारी का काम मानक परीक्षा केंद्र की तलाश करना होगा।

चौंकाने वाली बात यह है कि केंद्रीय कैबिनेट ने 2017 में एनटीए गठन की मंजूरी देते समय परीक्षार्थियों की संख्या के अनुरूप खुद के परीक्षा केंद्र बनाने का प्रस्ताव पास किया था। तब 500 सेंटर की जरूरत महसूस की गई थी। करीब नौ साल बीतने के बाद भी एनटीए खुद का केंद्र नहीं बना सका और उन्हें किराये पर ले रहा है। शिक्षा मंत्रालय व एनटीए की लापरवाही इसी से समझी जा सकती है कि कैबिनेट के कई फैसले अभी लागू नहीं हो सके हैं।

सरकारी दस्तावेज के मुताबिक, तहसील व जिला स्तर पर ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में कंप्यूटर आधारित एनटीए केंद्र बनने थे। यदि कैबिनेट के ये फैसले लागू होते, तो नीट-यूजी 2024 में गड़बड़ी और नीट 2026 में पेपर लीक शायद नहीं होता, क्योंकि पेपर परीक्षा केंद्र से ही खुलकर आगे बंटा था। इसके बाद इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन समिति ने भी केंद्रों के निर्माण की सिफारिश की थी, जो दो साल से फाइलों में है।

अधूरेपन की लंबी फेहरिस्त

एनटीए डीजी की सहायता के लिए नौ वर्टिकल, एक शासी मंडल और शिक्षाविद अध्यक्ष की नियुक्ति का प्रावधान भी अधूरा पड़ा है। एनटीए को उम्मीदवारों की फीस से 250 छात्रों की क्षमता वाले अपने परीक्षा भवन या सरकारी स्कूल-कॉलेज तैयार करने थे, जिन्हें अन्य परीक्षाओं के लिए किराये पर देकर खर्च जुटाया जाना था। इसमें कंप्यूटर, सीसीटीवी, डेस्क, पानी, शौचालय जैसी व्यवस्थाएं एनटीए को ही करनी थीं। यह भी अधूरा है।

जेईई मेन के अलावा कोई परीक्षा दो बार नहीं

ग्रामीण छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षाओं से पहले व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव भी कैबिनेट दस्तावेजों तक सीमित रह गया है। हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के लिए सिफारिश किए गए मोबाइल टेस्ट सेंटर भी अधर में लटके हैं। दस्तावेज के मुताबिक सभी परीक्षाएं साल में दो बार ऑनलाइन मोड में होनी थीं, ताकि छात्रों को तनाव से दूर रखा जा सके। 2018 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री ने लागू कर दिया, पर एनटीए स्तर पर यह व्यवस्था जेईई मेन में ही लागू हो पाई।

सीबीआई जांच का हाल

भर्ती परीक्षा से जुड़े 158 मामलों में सीबीआई अपनी जांच कब की पूरी कर चुकी है, पर देश की विभिन्न अदालतों में अब तक सुनवाई शुरू नहीं हो पाई है। इनमें से कुछ मामले दो दशक से भी ज्यादा पुराने हैं। जांच एजेंसी अब इन्हें फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजने की तैयारी कर रही है। ये फास्ट ट्रैक कोर्ट नए पेपर लीक रोधी कानून के तहत अलग-अलग राज्यों में बनाए जा रहे हैं।

दिल्ली में 25, यूपी में 10 मामले

दिल्ली में वर्ष 2000 से अब तक 25 मामलों की सीबीआई जांच पूरी हो चुकी है। इनमें 2010-11 की एम्स पीजी भर्ती परीक्षा, दिल्ली यूनिवर्सिटी मेडिकल एवं डेंटल प्रवेश परीक्षा, 2004 में कैट और 2013 की एसएससी भर्ती व शिक्षकों की भर्ती से जुड़े मामले शामिल हैं। यूपी व प. बंगाल में 10-10 मामले हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 3-3 मामले हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 4 अगस्त - 2026

बढ़ती चोरी से डगमगाती आस्था

रघु ठाकुर

राम मंदिर के चढ़ावा की चोरी की जांच उप्र के मुख्यमंत्री योगी जी ने एसआईटी को सौंपी थी और कहा था कि 15 दिन में रपट आ जायेगी तथा दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। हालांकि अब तो लगभग 21 दिन से अधिक हो चुके हैं और अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं आई है। कुछ दिन पूर्व अखबारों में योगी आदित्यनाथ की गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में भेंट हुई थी जिसके चित्र अखबारों में प्रकाशित हुये थे। इस भेंट का कोई बयान अधिकृत रूप से नहीं आया है और देश के प्रबुद्धजनों के एक धड़े का मत है कि जितना उत्साह मुख्यमंत्री श्री योगी को इस मामले के पूर्व था (जाँच कराने का) वह कुछ ढीला पड़ा है।

अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के खुलासे के बाद देश के अनेकों प्रतिष्ठित मंदिरों से इसी प्रकार के चढ़ावे में गड़बड़ी की सूचनायें अखबारों में प्रकाशित हुई हैं। देश के बद्रीनाथ के बारे में भी इस प्रकार की शिकायतें अखबारों में आई हैं, और भी कई मंदिरों के बारे में जैसे सिद्धि विनायक आदि के बारे में भी मीडिया में ऐसी खबरें आ चुकी हैं। हिन्दू जनजागरण समिति ने आर.टी.आई. लगाकर पता लगाया था कि इस मंदिर के ट्रस्ट जिसकी नियुक्ति महाराष्ट्र सरकार करती है, के दान से ग्रैंड सेंट्रल शेरेटन होटल मुम्बई जो सात सितारा होटल है, में एक समिट आयोजित की गई थी जिसके माध्यम से करोड़ों रुपया मंदिरों की कंपनियों में लगाये गये थे। हालांकि यह भी जानकारी मिली है कि अनेक मंदिरों में मंदिर प्रबंधन ने कुछ परिवर्तन भी किये हैं। तिरुपति बालाजी के मंदिर में एक सामान्य से बाबू ने 100 करोड़ से अधिक रुपया रियल स्टेट में लगा दिया था। परंतु उसके बाद मंदिर प्रबंधन ने परिवर्तन किये और अब मंदिर की संपत्ति सुरक्षित है। मप्र के उज्जैन के महाकाल लोक को लेकर भी कई खबरें अखबारों में आईं, परंतु ताजी रपट के अनुसार मंदिर के दर्शनार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है और लगभग 472 करोड़ रुपया जमा है तथा मंदिर के प्रशासक ने कहा है कि इस पैसे से मंदिर की आधारभूत संरचना का विकास करायेंगे। अगर चढ़ावे की राशि को मंदिर क्षेत्रों के विकास पर लगाया जाये तो यह अच्छा ही कदम है। हालांकि उज्जैन के महाकाल लोक में दर्शनार्थियों से निर्धारित से अधिक राशि वसूलने की खबरें मिली हैं। अभी हाल ही में उज्जैन से समाचार आया था कि भस्म आरती के समय दर्शनार्थियों का शुल्क 500 रुपये निर्धारित है परंतु दर्शनार्थियों से 2500-3000 रुपये लिये गये। उन्होंने इसकी शिकायत प्रशासक से की, वे आये भी, पैसे देने वालों ने अपने बयान भी दिये परंतु वसूलीकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसी खबरें पहले कभी इलाहाबाद व बनारस के पंडों के बारे में मिलती थी, जो सार्वदेशिक तो नहीं परंतु उत्तर भारत के प्रसिद्ध मंदिरों से अमूमन मिलती है। पिछले दिनों रेल यात्रा में मुझे एक दक्षिण भारतीय परिवार मिला था जिसने वृन्दावन में सात दिन के लिये कमरा आरक्षित कराया और उनके रुकने व दर्शन करने के अनुभव ठीक नहीं थे, इस परिवार ने अपनी शिकायत जब मंदिर के पुजारी से दर्ज की तो उन्होंने उलटे उन्हीं को गालियाँ सुनाई। उन्होंने मुझसे कहा कि अब वह उत्तर भारत नहीं आयेंगे, क्योंकि हम लोग श्रद्धा से आते हैं और यहाँ गालियां मिलती हैं, यहां तक की उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम के दर्शन के लिये वह गये थे, वहां कमरा आरक्षित कराया और उसमें ताला लगाया था। जब वह लौटकर आये तो दो लाख रुपये चोरी हो गये। मतलब साफ है कि जिन्होंने कमरा दिया उसकी डुप्लीकेट चाबी उनके पास होगी। अगर दूसरा चोर कोई और होता तो ताला टूटता।

श्रद्धालुओं से छीनाझपटी की घटनायें तो उत्तर भारत में आम हैं। न केवल हिंदू मंदिरों में बल्कि अजमेर शरीफ के दरगाह में भी, वहां के कर्मचारी श्रद्धालुओं से पैसे मांगने की बजाय छीनते हैं। मेरे एक मित्र जो बैंक अधिकारी थे, अजमेर गये थे और वहाँ के व्यवस्था बनाने वाले कर्मचारियों ने उन लोगों से पैसे की छीनाझपटी की तथा एक दो लोगों की जेब से पैसे निकाल भी लिये। हालांकि अजमेर के दरगाह शरीफ की दानपेटी के हिसाब किताब को लेकर कोई प्रतिकूल सूचना अभी तक नहीं मिली।

जब राम मंदिर के चढ़ावा चोरी की खबरें अखबारों व सोशल मीडिया में छपीं तो संस्थागत रूप से जो चिंता या त्वरित कार्यवाही होनी चाहिये थी वह नहीं हुई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंदिर के लिये खरीदी गई जमीन में हुई गड़बड़ी को तब भी उठाया था जब जमीन की रजिस्ट्री हुई थी। एक जमीन शाम को 2 करोड़ में खरीदी जाती है और उसकी रजिस्ट्री होती है और कुछ ही समय में मंदिर का ट्रस्ट 17-18 करोड़ रुपयों में खरीद लेता है। परंतु उस समय देश व उप्र के लोगों ने, मीडिया ने भी इस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। शायद ध्यान दिया होता तो बाद में जो चंदा चोरी हुई है यह नहीं हो पाती। अब तो स्थिति यह है कि आये दिन दानदाता सामने आ रहे हैं जो अपने द्वारा दिये गये दान या सामान को बता रहे हैं, जिसकी रसीद भी उन्हें नहीं दी गई। सामान्य व्यक्ति तो छोड़ो, गृह सचिव रहे आईएएस एस. लक्ष्मी नारायण ने सार्वजनिक रूप से बताया कि उनकी माताजी ने उन्हें बताया कि एक स्वर्ण जड़ित पन्नों वाली रामायण जो लगभग 1 करोड़ रुपये की थी उन्होंने उसे राम मंदिर में जाकर भेंट की थी, उन्होंने कई बार उसकी रसीद मांगी परंतु उन्हें रसीद नहीं मिली। उलटे अब कुछ लोग कह रहे हैं कि उनके पास 1 करोड़ रुपया कहां से आया। एस लक्ष्मी नारायण के बारे में यह आमधारणा है कि वे एक ईमानदार अधिकारी थे, जिन पर कभी कोई आरोप नहीं लगा। हमारे देश में ग्रामीण समाज में सोना संग्रहित करने की परंपरा है। दक्षिण भारत में यह परंपरा कुछ अधिक है। हो सकता है कि उनकी माताजी के पास पैतृक सोना हो, जिससे उन्होंने रामायण जड़वाई हो या लक्ष्मी नारायण जी के जीवन का वेतन भी करोड़ों रुपया रहा हो, परंतु बजाय इसके कि प्रबंधन इसकी जांच करता, उलटे उन पर ही इल्जाम लगाकर अपनी गलती को दबाने का प्रयास किया। जब चढ़ावा चोरी के अपराध की चर्चा काफी व्यापक हो गई और यहाँ तक कि प्रधानमंत्री कार्यालय में सचिव रहे आईएएस नृपेन्द्र मिश्र जो मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने सार्वजनिक रूप से बयान दिया कि यह चोरी नहीं बल्कि डाका है। तब कुछ हलचल हुई। चूंकि नृपेन्द्र मिश्र उप्र के हैं, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष हैं, प्रधानमंत्री मोदी के विश्वस्त रहे हैं और उनके आरोप लगाने के बाद उनके बारे में कुछ कहना अपराधियों के लिये संभव नहीं था।

मई 2026 के अंत से चढ़ावा चोरी के समाचार, लोगों का विरोध सारे देश के मीडिया में प्रमुखता से चल रहा था। आठ लोग गिरफ्तार भी हुए।चंपतराय का इस्तीफा भी हुआ, परंतु इसके बाद भी देश के एक हिन्दूवादी संगठन जो देश में हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहता है, जागृत नहीं हुआ। लगभग एक माह के बाद 4 जुलाई 2026 को आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने एक सार्वजनिक बयान दिया जिसमें कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना ने पूरे समाज की भावना व आस्था को बहुत गहरी ठेस पहुंचाई है, उन्होंने आगे कहा कि हिन्दु समाज इस कठिन समय में धैर्य व संयम बनाये रखे, ताकि इस तरह की सभी साजिशों को विफल किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि हिन्दु विरोधी ताकतें इस घटना का फायदा उठा कर धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। दो दिन बाद संघ के सरसंचालक मोहन भागवत ने होसबोले का समर्थन किया कि मैं उनके बयान से सहमत हूँ। इस बयान के बाद बहुत तेजी और कुछ बेशर्मी से कट्टरपंथी और संघ निष्ठ लोगों ने यह कानों कान प्रचार शुरू किया कि यह चढ़ावा चोरी का प्रकरण सनातन विरोधी है। आश्चर्य की बात है कि इस चढ़ावा चोरी के प्रकरण को उजागर करने वाले सभी लोग हिन्दु हैं।

स्वर्णिम बेटियां- सशक्त भारत

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल पदकों की उपलब्धि भर नहीं, बल्कि बदलते भारत की नई खेल-संस्कृति का प्रमाण है। भारत पदक तालिका में चौथे नंबर पर रहा। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कुछ पारंपरिक शक्तिशाली देशों की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और संघर्ष से 140 करोड़ देशवासियों का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया। इस सफलता की सबसे मजबूत आधारशिला देश की बेटियां बनीं। मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, कुश्ती और एथलेटिक्स जैसे कठिन खेलों में भारतीय बेटियों ने जिस आत्मविश्वास के साथ स्वर्ण पदक जीते, उसने स्पष्ट कर दिया कि अब सबसे बड़ी ताकत हमारी बेटियाँ हैं। प्रीति पवार, साक्षी चौधरी, प्रियंका ध्यानी, अर्चना चौधरी, ज्योत्सना और अनेक महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं। इनमें से अधिकांश साधारण परिवारों से निकलकर विश्व के फलक तक पहुंची हैं। सीमित संसाधन, आर्थिक कठिनाइयां और सामाजिक चुनौतियां भी उनके हौसलों को नहीं रोक सकीं। उनकी सफलता लाखों बेटियों के लिए यह संदेश है कि यदि अवसर और समर्थन मिले तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं रहती। इन खिलाड़ियों की जीत सामाजिक बदलाव की कहानी बन गई है। पिछले कुछ वर्षों में खेलों के विकास के लिए योजनाबद्ध प्रयास हुए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की खेलों में रुचि, 'खेलो इंडिया' जैसी योजनाएं, खेल अवसंरचना का विस्तार, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता ने नई पीढ़ी को खेलों की ओर आकर्षित किया है। आईपीएल और क्रिकेट ने भी खेलों के प्रति समाज का दृष्टिकोण बदला है। छोटे-छोटे शहरों और गाँवों में भी अब खेल को सम्मानजनक करियर माना जाने लगा है। सबसे बड़ा बदलाव परिवारों की सोच में आया है, जहां बेटियों को रोकने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हिंदी भाषी राज्यों, विशेषकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों से एथलेटिक्स सहित कई खेलों में अपेक्षित प्रदर्शन अभी सामने नहीं आ रहा है, जबकि प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बिहार के शॉटपुट खिलाड़ी सोमन राणा का स्वर्ण पदक इस बात का प्रमाण है कि यदि सही प्रतिभा खोजी जाए और उसे आधुनिक प्रशिक्षण, सुविधाएं तथा निष्पक्ष अवसर मिले तो ये राज्य भी देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय सितारे दे सकते हैं। भारत को अब राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता से आगे बढ़कर ओलंपिक और विश्व प्रतियोगिताओं में शीर्ष देशों की श्रेणी में पहुँचने का लक्ष्य तय करना होगा। वर्ष 2030 में अहमदाबाद में प्रस्तावित राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारियां भी इसी दिशा में एक बड़ा अवसर हैं। देश को आज से ही उन खिलाड़ियों के स्वागत और तैयारी में जुट जाना चाहिए, जो आने वाले वर्षों में विश्व मंच पर भारत का तिरंगा और ऊँचा करेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय बेटियों की प्रतिभा, जिजीविषा और संकल्प के सामने अब कोई बाधा टिक नहीं सकती। यदि यह खेल-संस्कृति लगातार मजबूत होती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व खेल महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

जन शासन में श्रमिकों की विजय गाथा

बिल्ला अजय कुमार

आदिम समाज से लेकर आधुनिक सभ्यता तक मानव प्रगति की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति श्रम रही है। मानव विकास के प्रारंभिक चरणों में श्रम की क्षमता सीमित थी, इसलिए सभ्यता का विकास भी अत्यंत धीमी गति से हुआ। आदिम अवस्था से आधुनिक मानव बनने तक की यात्रा में मानव जाति को लाखों वर्षों का समय लगा। विकास की प्रक्रिया में जब मनुष्य ने चार पैरों के स्थान पर दो पैरों पर सीधा चलना सीखा, तब उसके हाथ केवल शरीर का सहारा भर नहीं रहे, बल्कि सृजन और श्रम के प्रभावी साधन बन गए। हाथों की दक्षता, अनुभव और कौशल के निरंतर विकास ने मानव जीवन की दिशा ही बदल दी। हजारों वर्षों की सतत मेहनत, अनुभव और ज्ञानार्जन के परिणामस्वरूप मानव शैलयुग से धातुयुग तक तथा वहाँ से विकसित सभ्यता के निर्माण तक पहुँच सका। प्रत्येक चरण में उसकी कार्यकुशलता, उत्पादक क्षमता और सृजनशीलता का विस्तार होता गया। आदिम मानव से आधुनिक सभ्य मानव बनने की इस दीर्घ यात्रा का वास्तविक आधार श्रम ही रहा है।

मानव के श्रम ने प्रकृति पर उसकी पकड़ को निरंतर सशक्त बनाया। हाथ और मस्तिष्क के समन्वय ने श्रम को नई दिशा दी। प्रकृति से प्राप्त संसाधनों को उपयोगी साधनों, उपकरणों और उत्पादों में परिवर्तित करने का कार्य मानव के श्रम ने ही संभव बनाया। श्रम और ज्ञान के समन्वय ने विश्व की महान सभ्यताओं की नींव रखी। उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई और मानव समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार हुई। जैसे-जैसे श्रम की दक्षता बढ़ती गई, वैसे-वैसे मानव प्रगति के मार्ग में उपस्थित बाधाएँ भी दूर होती गईं। इसी कारण उत्पादन के सभी साधनों में श्रम का स्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना गया है। भूमि, मशीनें, पूंजी और कच्चा माल उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें उपयोगी वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने का कार्य मानव श्रम ही करता है। प्राकृतिक संसाधनों को वास्तविक मूल्य भी श्रम ही प्रदान करता है। विख्यात अर्थशास्त्री कार्ल मार्क्स ने ठीक ही कहा था कि श्रम ही समस्त संपदा का मूल स्रोत है। श्रम के बिना कोई भी उत्पादन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती इसीलिए संविधान निर्माता तथा श्रमिक अधिकारों के प्रबल समर्थक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि राष्ट्र का वास्तविक निर्माण उन हाथों से होता है जो अपने श्रम और पसीने से विकास की इमारत खड़ी करते हैं। उनका स्पष्ट मत था कि श्रमिक के श्रम का सम्मान किए बिना किसी भी समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस समाज में श्रम का सम्मान नहीं होता, वह कभी स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। डॉ. अंबेडकर की इसी सोच को साकार करने तथा श्रमिक सम्मान और श्रमिक कल्याण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की आवश्यकता को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस ने गंभीरता से स्वीकार किया। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र में न्यूनतम वेतन में वृद्धि का स्पष्ट वादा करते हुए श्रमिकों और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। पार्टी का मानना था कि श्रमिकों को उनके परिश्रम का न्यायोचित प्रतिफल मिलना ही चाहिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का स्पष्ट दृष्टिकोण रहा कि श्रमिक संतुष्ट होंगे तभी उत्पादकता बढ़ेगी और उत्पादकता बढ़ने पर ही राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

इसलिए न्यूनतम वेतन में वृद्धि को उन्होंने व्यय नहीं, बल्कि मानव संसाधन में निवेश माना। कांग्रेस सरकार के गठन के तुरंत बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने न्यूनतम वेतन संशोधन के लिए उपमुख्यमंत्री श्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन कर सरकार की प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उपसमिति की अनुशंसाओं को स्वीकार करते हुए तेलंगाना सरकार ने 21 मई 2026 को श्रमिक हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। बढ़ती महंगाई, पारिवारिक आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम वेतन में व्यापक वृद्धि को मंजूरी दी गई। राज्य के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर 1 जून 2026 से संशोधित वेतन लागू कर दिए गए, जिससे राज्य के 1.11 करोड़ से अधिक श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो रहा है। तेलंगाना की जनहितैषी सरकार ने श्रमिक कल्याण को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए न्यूनतम वेतन व्यवस्था में अनेक महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। न्यूनतम वेतन अधिनियम के अंतर्गत दस नए रोजगार क्षेत्रों को शामिल किए जाने से अब राज्य में इस कानून के दायरे में आने वाले क्षेत्रों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है। इससे बड़ी संख्या में श्रमिकों को वैधानिक वेतन संरक्षण का लाभ मिलेगा। अब तक विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग न्यूनतम वेतन निर्धारित थे, किंतु तेलंगाना सरकार ने सभी श्रमिकों के लिए समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एकीकृत न्यूनतम वेतन प्रणाली लागू की है। इस निर्णय से वेतन निर्धारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने के साथ-साथ श्रमिकों को न्यायसंगत पारिश्रमिक प्राप्त करने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। राज्य में क्षेत्रीय विकास तथा जीवन-यापन की लागत को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना को तीन जोनों में विभाजित किया गया है। नगर निगम क्षेत्रों को जोन–1, नगरपालिकाओं को जोन–2 तथा ग्रामीण एवं अन्य क्षेत्रों को जोन–3 के रूप में वर्गीकृत कर प्रत्येक क्षेत्र में श्रमिकों के कौशल स्तर के आधार पर न्यूनतम वेतन निर्धारित किए गए हैं। अकुशल, अर्द्धकुशल , कुशल तथा उच्च कुशल श्रेणियों के अनुसार वेतन में वृद्धि कर सरकार ने न केवल श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया है, बल्कि उन्हें कौशल उन्नयन के लिए भी प्रोत्साहित किया है।

वेतन संशोधन के अंतर्गत प्रतिदिन आठ घंटे से अधिक कार्य करने वाले श्रमिकों को अतिरिक्त समय के लिए विधिसम्मत ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। साप्ताहिक अवकाश तथा राजपत्रित अवकाश के दिनों में कार्य करने वाले श्रमिकों को उस दिन के सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान किए जाने का भी प्रावधान किया गया है। यह व्यवस्था श्रमिकों के श्रम के सम्मान और उनके अधिकारों की प्रभावी रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार ने ठेकेदारों अथवा सेवा एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत श्रमिकों के हितों का भी विशेष ध्यान रखा है। न्यूनतम वेतन के भुगतान की कानूनी जिम्मेदारी सीधे प्रधान नियोजक पर निर्धारित कर यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी परिस्थिति में श्रमिक मध्यस्थों के कारण अपने वैधानिक अधिकारों से वंचित न रहें। हाल ही में राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त गिग वर्कर्स कल्याण अधिनियम भी श्रमिक कल्याण के प्रति तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

जर्सी का रंग बदलने से क्या भारतीय हॉकी की तस्वीर बदलेगी?

योगेश कुमार गोयल

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीले रंग के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्ले, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियां, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए, ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया में शामिल करती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे 'खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए, किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए, जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं।

ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं।

एक कलाकार से कहीं बड़ा बन गया था किशोर कुमार का नाम

कृति जैन

समय बहुत कुछ छीन लेता है, लेकिन कुछ स्वर उसकी पकड़ से बाहर रह जाते हैं। वे उम्र नहीं गिनते, पीढ़ियाँ जोड़ते हैं। जब भी वे सुनाई देते हैं, मन के बंद दरवाजे बिना आहट खुलने लगते हैं। किशोर कुमार उसी विरल परंपरा के कलाकार हैं। 4 अगस्त 1929 को खंडवा में जन्मे आभास कुमार गांगुली ने संगीत को केवल मनोरंजन नहीं रहने दिया; उसे मनुष्य की निजी स्मृतियों का सबसे विश्वसनीय साथी बना दिया। उनकी जयंती इसलिए याद रहती है क्योंकि यह उस आवाज़ का दिन है जिसने हँसी को भी सुर दिया और पीड़ा को भी गरिमा। उनके स्वर में जीवन के लगभग सभी रंग बसते थे। इसलिए उनका हर गीत सुनते ही बीता हुआ समय अनायास वर्तमान में लौट आता है। बड़े कलाकार जन्म से नहीं, साधना से पहचान पाते हैं। खंडवा के आभास कुमार गांगुली की यात्रा भी ऐसी ही थी। पिता कुंजीलाल गांगुली वकील थे, बड़े भाई अशोक कुमार सिनेमा में स्थापित। उनके बुलावे पर वे मुंबई पहुँचे। 'शिकारी' से अभिनय शुरू हुआ, पर मन गायकी में रमा। संगीत की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिली; सुनना, आत्मसात करना और स्वर देना ही उनकी साधना थी। आरंभ में के.एल. सहगल का प्रभाव रहा, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली। 'ज़िद्दी' का "मरने की दुआएँ क्यों माँगूँ" पहली बड़ी पहचान बना। फिर 1969 में 'आराधना' ने इतिहास रच दिया। 'मेरे सपनों की रानी' और 'रूप तेरा मस्ताना' ने सिद्ध किया कि कई बार नायक से पहले उसकी आवाज़ लोगों के दिलों पर राज करती है। जब कोई कलाकार भावनाओं की भाषा बन जाता है, तब उसके गीत समय की सीमा नहीं मानते। किशोर कुमार के लिए सत्तर का दशक ऐसा ही स्वर्णकाल था। 'चिंगारी कोई भड़के' में विरह की आँच है, 'ये शाम मस्तानी' में जीवन की खुली मुस्कान, 'ये जो चिलमन है' में चंचल शरारत और 'ज़िंदगी के सफर में' में समय का निर्विकार सत्य। 'मेरे सामने वाली खिड़की में' यह साबित करता है कि हँसी भी उतनी ही गहरी कलात्मक अभिव्यक्ति हो सकती है जितनी करुणा। लगभग सत्ताईस सौ गीतों का उनका संसार केवल उपलब्धि नहीं, भारतीय संवेदनाओं का जीवित अभिलेख है। प्रेम, पीड़ा, मस्ती, दर्शन, आशा और निराशा-मानवीय अनुभव का शायद ही कोई रंग हो जिसे उनकी आवाज़ ने स्पर्श न किया हो।

बहुत कम आवाज़ें चेहरों नहीं, व्यक्तित्वों की पहचान बनती हैं। किशोर कुमार का स्वर किसी एक नायक तक सीमित नहीं रहा। राजेश खन्ना की रोमानी आभा, अमिताभ बच्चन का तेज, देव आनंद की चपलता और धर्मेंद्र की देसी सहजता-हर रूप में सहज ढल गया। आर.डी. बर्मन के साथ उनकी जुगलबंदी ने हिंदी फिल्म संगीत को नई ऊँचाइयाँ दीं। 'दम मारो दम', 'जाने जाँ ढूँढ़ता फिर रहा' और 'चुरा लिया है तुमने' ने युवाओं की धड़कनों को नई लय दी। एस.डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और कल्याणजी-आनंदजी के साथ उन्होंने अनगिनत कालजयी गीत रचे। 'हमें तुमसे प्यार कितना', 'हाय रे वो दिन क्यों न आए' और 'खइके पान बनारस वाला' बताते हैं कि उनकी आवाज़ हर भाव की स्वाभाविक अभिव्यक्ति थी।

कुछ लोग अपनी कला से पहचाने जाते हैं, कुछ अपनी कला की सीमाएँ तोड़कर। किशोर कुमार दूसरी श्रेणी के कलाकार थे। गायकी उनकी पहचान अवश्य बनी, पर अभिनेता, संगीतकार, गीतकार और फिल्मकार के रूप में भी उन्होंने 'झुमरू', 'दूर गगन की छाँव में' और 'दूर का राही' जैसी फिल्मों से गहरी मानवीय संवेदनाओं को अभिव्यक्ति दी। 'दूर गगन की छाँव में' आज भी एक सैनिक के मन की सबसे मार्मिक सिनेमाई अभिव्यक्तियों में गिनी जाती है। कला के सम्मान पर समझौता उन्हें स्वीकार नहीं था।

स्कूल की दीवार का काला फ्रेम

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

कसबा शिवपुरी के प्राथमिक विद्यालय की तीसरी मंजिल के गलियारे में टँगा वह लकड़ी का काला फ्रेम पूरे गाँव के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ था। चमचमाते काँच के पीछे सफेद पन्ने पर सुनहरे अक्षरों में एक नाम उकेरा गया था जिसके नीचे हर महीने की पहली तारीख को बड़े साहब आकर लाल फूल की ताज़ा माला चढ़ा जाते थे। स्कूल में नए आए मास्टर जी जब भी उस फ्रेम के पास से गुजरते तो उन्हें एक अजीब सा सुकून और गर्व महसूस होता था कि इस दूर-दराज के छोटे से स्कूल ने देश को इतना बड़ा नाम दिया है। मास्टर जी अक्सर बरामदे में बच्चों को इकट्ठा करके उस काले फ्रेम की तरफ उँगली उठाकर कहते बच्चों देखो और सीखो कि गरीबी और अभाव में भी जब कोई बच्चा हिम्मत नहीं हारता तो इतिहास के पन्नों पर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवा लेता है। बच्चे अपनी बालसुलभ आँखों से उस सुनहरे नाम को ताकते और तालियाँ बजाने लगते थे।

स्कूल के पुराने चपरासी भवानी काका उस दीवार के पास एक पुरानी चटाई बिछाकर दिन भर बैठे रहते थे। भवानी काका का काम सिर्फ उस काँच को अपने गमछे से पोंछकर शीशे की तरह चमकाए रखना था। जब भी कोई आगंतुक उस फ्रेम के बारे में पूछता तो भवानी काका अपनी सूखी आँखों से उस चमचमाती पट्टी को देखते और एक लंबी साँस भरकर खामोश हो जाते थे। महीने का पहला दिन स्कूल के लिए किसी उत्सव की तरह होता था जब जिले के शिक्षा अधिकारी अपनी चमचमाती लाल बत्ती वाली गाड़ी से उतरकर सीधे उस काले फ्रेम के सामने खड़े हो जाते थे। गाँव के सरपंच और मास्टर जी साहब की खातिरदारी में कोई कसर नहीं छोड़ते थे और चाय का दौर शुरू हो जाता था। अधिकारी साहब हर बार अपने भाषण में उस सुनहरे नाम का जिक्र करते हुए कहते यह काला फ्रेम हमारे पूरे जिले के लिए एक मिसाल है जिसने एक मामूली मजदूर के घर जन्म लेकर पूरी दुनिया में इस देश का डंका बजा दिया।

सरपंच जी तुरंत अपनी बात जोड़ते हुए कहते साहब यह हमारे शिवपुरी की माटी का प्रताप है कि यहाँ का हर बच्चा उस महान आत्मा को अपना आदर्श मानकर पढ़ाई में जी-जान लगा देता है। मास्टर जी भी सिर हिलाकर सहमत होते और कहते जी साहब बिल्कुल सही कहा आपने, जब बच्चे उस दीवार के पास से गुजरते हैं तो उनके अंदर एक अलग ही ऊर्जा भर जाती है। लेकिन इस पूरे तमाशे के बीच भवानी काका चुपचाप एक कोने में खड़े होकर चाय की खाली प्यालियाँ समेटते रहते थे और उनकी नजरें बार-बार उस काले फ्रेम के पीछे जमी धूल पर जाकर अटक जाती थीं जिसे किसी ने सालों से पोंछने की जहमत नहीं उठाई थी। एक दिन दोपहर की कड़कती धूप में जब पूरा स्कूल शांत था और बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे थे तब मास्टर जी ने भवानी काका को उस दीवार को साफ करते हुए देखा।

मास्टर जी के मन में काफी दिनों से एक सवाल उमड़ रहा था इसलिए वे धीरे से काका के पास पहुँचे और आत्मीयता से उनके कंधे पर हाथ रखकर बोले काका आप इस काले फ्रेम की सेवा इतने जतन से करते हैं जैसे इसमें कोई साक्षात ईश्वर वास करता हो, आखिर इस महान नाम से आपका क्या नाता है जो आप दिन-रात इसकी हिफाजत में लगे रहते हैं? भवानी काका ने अपने झाड़ को दीवार से टिकाया और अपनी झुर्रियों से भरे चेहरे को मास्टर जी की तरफ घुमाया।

सावन का पहला मंगला गौरी व्रत आज सुहागिनें जरूर करें ये काम

हिंदू धर्म में सावन का महीना जितना शिव जी की पूजा के लिए खास माना गया है, उतना ही यह माता पार्वती की कृपा पाने के लिए भी अच्छा है। सावन में जहां हर सोमवार को भगवान भोलेनाथ की उपासना की जाती है, वहीं हर मंगलवार को मां पार्वती के मंगला गौरी स्वरूप का व्रत और पूजन करने का विधान है।

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए बेहद खास माना जाता है। सावन में जहां सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है, वहीं मंगलवार का दिन माता पार्वती के मंगला गौरी स्वरूप की पूजा के लिए विशेष माना गया है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से मंगला गौरी व्रत रखती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के मंगलवार को विधि-विधान से माता गौरी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस साल सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 4 अगस्त 2026, मंगलवार को रखा जाएगा। इस व्रत में पूजा के दौरान कुछ खास चीजें माता को अर्पित करने की परंपरा है, जिन्हें सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।

मंगला गौरी व्रत पर जरूर करें ये काम

मंगला गौरी व्रत के दिन सुहागिन महिलाओं को माता पार्वती को सुहाग की सामग्री अर्पित करनी चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता गौरी को 16 की संख्या में सुहाग की वस्तुएं चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसमें चूड़ियां, सिंदूर, कुमकुम, मेहंदी, बिछिया, साड़ी और अन्य सुहाग सामग्री शामिल की जा सकती हैं। माना जाता है कि माता को सुहाग सामग्री अर्पित करने से मां गौरी की कृपा प्राप्त होती है और पति की लंबी आयु की कामना पूरी होती है। पूजा के दौरान माता मंगला गौरी को 16 पूरी, 16 लड्डू या 16 फल अर्पित करने की भी परंपरा है। इसके साथ ही 16 पान और सुपारी भी चढ़ाई जाती है। इनमें से महिलाएं अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार माता को ये भोग अर्पित कर सकती हैं।

पूजा के बाद जरूर करें मंगला गौरी व्रत कथा का पाठ

माता मंगला गौरी की पूजा पूरी करने के बाद व्रत कथा का पाठ जरूर करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, किसी भी व्रत की पूजा कथा के बिना अधूरी मानी जाती है। इसलिए पूजा के बाद श्रद्धापूर्वक मंगला गौरी व्रत की कथा सुनें या पढ़ें। इसके बाद माता पार्वती से अपने परिवार की सुख-समृद्धि, पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की प्रार्थना करें। पूजा के पूरी होने के बाद माता को अर्पित की गई सुहाग सामग्री और मिठाई किसी सुहागिन महिला को भेंट करने की परंपरा भी बताई गई है। महिलाएं चाहें तो यह सामग्री अपनी सास को देकर उनका आशीर्वाद ले सकती हैं। ऐसा करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को भी श्रद्धा के साथ सुहाग सामग्री भेंट की जा सकती है।

क्यों खास माना जाता है मंगला गौरी व्रत?

सावन का मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी वजह से माता पार्वती को अखंड सौभाग्य और दांपत्य सुख की देवी के रूप में भी पूजा जाता है। सावन के मंगलवार को मंगला गौरी की पूजा करने से महिलाओं को वैवाहिक जीवन में सुख और समृद्धि का आशीर्वाद मिलने की मान्यता है।

सावन में मंगला गौरी व्रत 2026 की तिथियां

सावन के महीने में इस बार कुल चार मंगलवार पड़ रहे हैं। इन सभी मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा।

पहला मंगला गौरी व्रत – 4 अगस्त 2026, मंगलवार

दूसरा मंगला गौरी व्रत – 11 अगस्त 2026, मंगलवार

तीसरा मंगला गौरी व्रत – 18 अगस्त 2026, मंगलवार

चौथा मंगला गौरी व्रत – 25 अगस्त 2026, मंगलवार

शिवलिंग पर भूलकर भी न चढ़ाएं ये पुष्प-पत्र, हो सकता है नुकसान

सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है, जो सरल श्रद्धा और बिना किसी स्वार्थ के भक्ति से जल्दी प्रसन्न हो जाने वाले देवता हैं। यही कारण है की शिवजी को आशुतोष कहा गया है। ऐसे में इस सावन जल के साथ श्रद्धापूर्वक केवल बेलपत्र भी चढ़ा देने से शिवजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। हालांकि, शिवपूजन में शिवलिंग पर पत्र-पुष्प चढ़ाते समय कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए क्योंकि, धार्मिक मान्यताओं और शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पर कुछ चीजों को चढ़ाना वर्जित माना गया है। वहीं, कुछ पुष्प और पत्र को अर्पित करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि शिवलिंग पर कौन-से पुष्प-पत्र चढ़ाने चाहिए और कौन-कौन से नहीं चढ़ाने चाहिए।

शिवलिंग पर क्या नहीं चढ़ाना चाहिए ?

शास्त्रों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग पर कुछ पुष्प और पत्रों को चढ़ाना वर्जित माना जाता है। ऐसा करने से प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं कि शिवलिंग पर कौन-कौन से पुष्प-पत्र नहीं चढ़ाने चाहिए-

तुलसीदल : हिंदू धर्म और शास्त्रों में तुलसी दल को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। ऐसे में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा में इनका अत्यंत महत्व बताया गया है। लेकिन शिव पूजा में इन्हें शामिल करना वर्जित माना जाता है। ऐसे में भूलकर भी शिवलिंग पर तुलसी के पत्ते अर्पित न करें।

केतकी के फूल : पौराणिक कथा है कि ब्रह्माजी और भगवान विष्णु के बीच श्रेष्ठता के विवाद के दौरान केतकी पुष्प ब्रह्मा जी के असत्य में साथ दिया। इसी कारण शिवजी केतकी को अपनी पूजा में वर्जित कर दिया। इसी कारण शिवलिंग पर केतकी का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए।

गंदे व टूटे, मुरझाए पुष्प-पत्र : भूलकर भी शिवलिंग पर सूखे, मुरझाए, गंदे या कटे-फटे फूल-पत्ते नहीं चढ़ाने चाहिए। शास्त्रों में ऐसा करना वरना उचित नहीं माना जाता है।

चंपा के फूल : कुछ ग्रंथों में शिवलिंग पर चंपा का फूल चढ़ाना वर्जित माना गया है। ऐसे में सावन के दौरान शिवपूजन में चंपा के फूलों को शामिल करने से भी बचना चाहिए।

शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए ?

आक के फूल : माना जाता है कि भोलेनाथ को आक के फूल भी बेहद प्रिय है। ऐसे में शिवपूजन में इन्हें शामिल करना शुभ फलदायी माना जाता है। विधिपूर्वक शिवजी को जल चढ़ाने और पूजा करने का साथ-साथ इन आक के फूल अर्पित करने से जीवन में खुशहाली आती है।

बेलपत्र : भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। सावन के महीने में तीन पत्तियों वाला बेलपत्र करना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि तीन पत्तियां शिवजी के त्रिनेत्र, त्रिगुण और त्रिशूल का प्रतीक है। ऐसे में सावन के दौरान शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से पापों का क्षय हो सकता है और शिवजी की कृपा प्राप्त होती है। जिसके प्रभाव से जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं।

धतूरा के फल और पुष्प : ऐसा कहा जाता है कि समुद्र मंथन में निकले विष को शिवजी ने धारण किया था और धतूरा विषैला और उग्र प्रकृति का होता है। यही कारण है कि इसका संबंध शिवपूजन से माना गया है और इसे शिवलिंग पर चढ़ाया जाता है।

कल है सावन की कालाष्टमी

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कालाष्टमी का पावन पर्व मनाया जाता है, जो भगवान शिव के रौद्र और रक्षक स्वरूप काल भैरव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना और व्रत करने से भय, संकट, नकारात्मक ऊर्जा तथा शत्रु बाधाओं से मुक्ति मिलती है। तंत्र साधना और भैरव उपासना करने वालों के लिए यह तिथि विशेष महत्व रखती है। मान्यता है कि विधि-विधान से पूजा के साथ विशेष मंत्रों का जाप करने पर आर्थिक परेशानियां, मानसिक तनाव और जीवन की अनेक बाधाएं दूर होने लगती हैं। उज्जैन के प्रसिद्ध आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं सावन मास की कालाष्टमी की सही तिथि, व्रत की महिमा और प्रभावशाली मंत्र।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन कृष्ण अष्टमी तिथि पांच अगस्त को शाम 8 बजकर 42 मिनट से शुरू होगी जबकि इस तिथि का समापन 06 अगस्त को शाम 6 बजकर 52 मिनट पर होगा। ऐसे में मान्यता के अनुसार, इस साल सावन की कालाष्टमी पांच अगस्त को मनाई जाएगी।

कालाष्टमी व्रत की महिमा

काल भैरव को भगवान शिव का उग्र, न्यायप्रिय और रक्षक स्वरूप माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कालाष्टमी पर विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से जीवन की अनेक बाधाएं दूर होने लगती हैं। भक्तों को पापों से मुक्ति, कष्टों से राहत और शिव कृपा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, इस दिन की गई उपासना राहु दोष के प्रभाव को कम करने में भी सहायक मानी जाती है, जिससे जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता का संचार होता है।

महाकाल की नगरी में विशेष महत्व

उज्जैन के भैरवगढ़ क्षेत्र में क्षिप्रा नदी किनारे स्थित भगवान काल भैरव का मंदिर अपनी अनोखी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। यहां काल भैरव भगवान को प्रसाद के रूप में शराब अर्पित की जाती है। खास बात यह है कि पुजारी जब शराब का प्याला भगवान के मुख से लगाते हैं, तो वह देखते ही देखते गायब हो जाती है। इस अद्भुत चमत्कार को देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं और आस्था से नतमस्तक होते हैं।

जरूर करें इन मंत्रों का जाप

– ॐ शिवगणाय विद्महे गौरीसुताय धीमहि तन्नो भैरव प्रचोदयात।।

– ॐ कालभैरवाय नमः

– ॐ भ्रां कालभैरवाय फट्

– धर्मध्वजं शङ्कररूपमेकं शरण्यमित्थं भुवनेषु सिद्धम ।द्विजेन्द्र पूज्यं विमलं त्रिनेत्रं श्री भैरवं तं शरणं प्रपद्ये।।

रसोईघर और पूजाघर के महत्व को भी समझें

मुझे अनेक घरों में जाने का अवसर मिलता है। लोग प्रेम से, सम्मान से घर दिखाते हैं। कुछ अवसरों पर मैं जेन-जी के शानदार फ्लैटों में भी जाता हूं। यहां मैं उनकी निंदा नहीं कर रहा, लेकिन जेन-जी को भी अन्य पीढ़ियों की तरह शांति की तलाश है।

घर वो अजीब ढंग से सजाते हैं। लेकिन उनके घरों में मंदिर और रसोईघर या तो होते नहीं और जो होते हैं वो वैसे नहीं होते, जैसे होने चाहिए। जबकि जीवन में जिस शांति की तलाश इस युवा पीढ़ी को है, उसका उद्गम घर में भी इन दो घरों में है।

इस समय सबके जीवन में अतिमानवी बुद्धिमत्ता से मुकाबले का दौर चल रहा है। एक कृत्रिम जीवन-रचना आसपास बस गई है। हमारे विरुद्ध एक जैविक युद्ध चल रहा है। उसका परिणाम कोरोना के रूप में हम देख चुके हैं।

ऐसे में किसी भी निवास स्थान में ये जो दो घर हैं, रसोई घर और पूजा घर, इनके महत्त्व को समझा जाए। जब भी हम इनमें जाएं, पूरी तरह से स्वीकृति अपने भीतर उतारें। यहां विचार शून्य हो जाएं तो मंत्र और अन्न जीवन में पॉजिटिविटी उतार देंगे।

राजस्थान के सिरोही का शिव मंदिर, जहां शिवलिंग नहीं, महादेव के अंगूठे की होती है पूजा

मंदिरों में भगवान शिव की पूजा आमतौर पर शिवलिंग या शिव प्रतिमा के रूप में की जाती है, लेकिन राजस्थान के सिरोही जिले में एक ऐसा अनोखा शिव मंदिर है, जहां भगवान शिव के पूरे स्वरूप की नहीं, बल्कि उनके दाहिने पैर के अंगूठे की पूजा होती है। यही वजह है कि यह मंदिर देशभर में अपनी अनूठी धार्मिक मान्यता और रहस्यमयी इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वतमाला की गोद में बसे माउंट आबू से करीब 11 किलोमीटर दूर अचलगढ़ की पहाड़ियों पर स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता है।

सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। स्थानीय मान्यता है कि भगवान शिव के अंगूठे ने ही पूरे माउंट आबू पर्वत को थाम रखा है और यही इस धाम की सबसे बड़ी विशेषता मानी जाती है। मंदिर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं का स्वागत करीब 4 टन वजनी पंचधातु से बनी विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा करती है। इसके बाद जब भक्त गर्भगृह में पहुंचते हैं तो यहां उन्हें सामान्य शिव मंदिरों की तरह शिवलिंग दिखाई नहीं देता। गर्भगृह में करीब 8 फीट गहरा पाताल खंड है, जिसके ऊपर एक प्राकृतिक चट्टान मौजूद है। इसी चट्टान पर उभरा हुआ निशान भगवान शिव के दाहिने पैर के अंगूठे का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु इसी अंगूठे पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर पूजा-अर्चना करते हैं।

भगवान शिव के दाहिने पैर के अंगूठे की होती है पूजा

इस मंदिर से जुड़ी एक बेहद रोचक मान्यता भी प्रचलित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने अपने दाहिने पैर के अंगूठे से पूरे आबू पर्वत को स्थिर कर रखा है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि यदि कभी यह दिव्य निशान समाप्त हो गया, तो माउंट आबू का अस्तित्व भी खत्म हो जाएगा। इसी वजह से भगवान शिव यहां 'अचल' स्वरूप में पूजे जाते हैं और मंदिर का नाम अचलेश्वर महादेव पड़ा। अचलेश्वर महादेव मंदिर का संबंध एक प्राचीन पौराणिक कथा से भी जोड़ा जाता है।

मंदिर से जुड़ी है ये खास पौराणिक मान्यताएं

मंदिर के पुजारियों के अनुसार, प्राचीन काल में आबू पर्वत के नीचे एक विशाल ब्रह्म खाई थी, जिसमें महर्षि वशिष्ठ की कामधेनु गाय गिर गई थी। गाय को बचाने के लिए वशिष्ठ मुनि ने गंगा और सरस्वती का आह्वान किया, जिससे खाई जल से भर गई और गाय सुरक्षित बाहर निकल आई। इसके बाद खाई को स्थायी रूप से भरने के लिए वशिष्ठ मुनि ने हिमालय से सहायता मांगी। हिमालय ने अपने पुत्र नंदी वर्धन को भेजा और अर्बुद नाग उन्हें यहां लेकर आया। मान्यता है कि नंदी वर्धन खाई को भरते हुए धीरे-धीरे उसमें धंसते चले गए और केवल उनका ऊपरी भाग बाहर रह गया, जो आगे चलकर आबू पर्वत के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसी स्थान पर भगवान शिव ने अपना अंगूठा रखकर पर्वत को स्थिर किया और यह स्थान अचलेश्वर धाम कहलाया।

यहां भगवान शिव अचल रूप में विराजमान हैं

सिरोही महाराजा देवत सिंह ने बताया कि यहां भगवान शिव अचल रूप में विराजमान हैं और अंगूठे पर जल अर्पित करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश-विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, पौराणिक मान्यताओं और अनोखी पूजा परंपरा का संगम अचलेश्वर महादेव मंदिर को भारत के सबसे विशेष शिवधामों में शामिल करता है। यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि राजस्थान की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी एक अद्भुत प्रतीक है।

सावन में पारद शिवलिंग घर लाने की बना रहे हैं योजना

तो वास्तु गुरु से जरूर जान लें नियम

माना जाता है की पारद शिवलिंग को रखने के लिए हमेशा मिट्टी के छोटे बर्तन या साफ थाली का प्रयोग करना चाहिए। इसे आप स्टील, तांबे या चांदी की थाली में भी स्थापित कर सकते हैं। साथ ही, इसके नीचे एक साफ वस्त्र या केले का पत्ता अवश्य रखें।

वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि पारद शिवलिंग को सही दिशा में रखना अत्यंत आवश्यक होता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, पारद शिवलिंग को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है।

घर में पूजा के समय शिवलिंग के ठीक सामने बैठकर पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें की कभी भी शिवलिंग को सीधा फर्श पर नहीं रखना चाहिए।

पारद शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं, क्या नहीं?

आटा चढ़ाएं : पारद शिवलिंग को आटा अर्पित किया जा सकता है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, यह धरती से संबंधित होता है जिसके चलते इसे शिवजी पर अर्पित किया जा सकता है।

न चढ़ाएं दही और चीनी : माना जाता है कि ये दोनों चीजें धरती से जुड़ी से नहीं होती हैं और इन्हें एक प्रोसेस द्वारा बनाया जाता है। ऐसे में पारद शिवलिंग पर दही और चीनी नहीं अर्पित करना चाहिए।

पारद शिवलिंग सरल पूजा विधि

मान्यता है की घर में पारद शिवलिंग की पूजा के समय उन्हें जल, दूध और गंगाजल अर्पित करना चाहिए।

संभव हो तो बेलपत्र और सफेद रंग के ताजे पुष्प शिवलिंग पर जरूर अर्पित करें क्योंकि, बेलपत्र शिवजी को अत्यंत प्रिय है।

पूजा के दौरान शिवलिंग पर चंदन अर्पित करना भी शुभ फलदायी माना जाता है।

जल, पुष्प आदि अर्पित करने के बाद शिवलिंग के सामने एक दीपक अवश्य जलाएं।

भगवान शिव के मंत्र 'ओम नमः शिवाय' का जप करें। ऐसा करने से शिवजी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

पूजा के बाद इन बातों का रखें ध्यान

शिवजी की विधिपूर्वक पूजा करने के बाद कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। शिवलिंग पर जल हमेशा धीरे और श्रद्धापूर्वक चढ़ाना चाहिए। बाद में इस जल को किसी पौधे की मिट्टी में डाल देना चाहिए। कभी भी किसी दूषित जगह पर जल न डालें। अगर आप पारद शिवलिंग इस सावन घर ला रहे हैं, तो इन नियमों का ध्यान जरूर रखें और साथ ही, नियमित शिवलिंग की विधि पूर्वक पूजा करें।

माना जाता है कि ऐसा करने से शिवजी की कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है।

विजय के सीएम बनने पर बेटे जेसन ने दिया रिएक्शन बताया डेब्यू से पहले पिता ने क्या दी थी सलाह

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय और संगीता के बेटे जेसन संजय निर्देशित फिल्म 'सिग्मा' जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच एक इंटरव्यू में जेसन ने अपने माता-पिता से मिली सीख और उसके प्रभाव पर बात की।

'उनका सीएम बनना महत्वपूर्ण क्षण'

जब अभिनेता थलापति विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थे तब सभी को उनके बच्चों की प्रतिक्रिया का इंतजार था। अब महीनों बाद अपने पहले इंटरव्यू में विजय के बेटे जेसन ने मामले पर भावनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'अप्पा को मुख्यमंत्री बनते देखना एक महत्वपूर्ण क्षण था। यह मेरे, मेरी बहन और हमारे परिवार के हर सदस्य के लिए एक अतिरिक्त

जिम्मेदारी है। यह वह विरासत है जिसे हमें आगे बढ़ाना और सुरक्षित रखना है।'

'अप्पा बोले रास्ता खुद बनाना होगा'

इसके साथ ही जेसन ने बताया कि पिता ने उन्हें फिल्मी दुनिया में कदम रखने के पहले क्या सलाह दी थी? जेसन ने कहा, 'अप्पा ने मुझसे कहा कि मुझे अपनी पहचान और नाम खुद बनाना होगा। मुझे कभी किसी मदद की जरूरत हो तो मैं उनसे संपर्क करूं, लेकिन वह चाहते थे कि मैं अपना रास्ता खुद बनाऊं।'

मां संगीता रखती हैं कड़ी नजर

जेसन संजय जल्द ही फिल्मी दुनिया में बतौर निर्देशक डेब्यू करने जा रहे हैं। इंटरव्यू में आगे मां के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं जब भी रात को बाहर घूमने का प्लान करता हूं। अक्सर पकड़ा जाता हूं क्योंकि मेरी मां संगीता मुझपर कड़ी नजर रखती हैं।' जेसन ने आगे बताया, 'एक रात मैंने बिना किसी को बताए कार ले ली और अगली सुबह ही वापस लौटा। मेरा फोन बंद था और परिवार वाले गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने ही वाले थे। जब मैं घर लौटा तो सचमुच बड़ी मुसीबत में फंस गया था।'

कब रिलीज होगी 'सिग्मा'?

संदीप किशन और जेसन संजय की फिल्म 'सिग्मा' की रिलीज डेट पहले 31 जुलाई 2026 थी। मगर इसे स्थगित कर दिया गया। फिल्म अब अगस्त 2026 में रिलीज होगी। फिल्म में संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला ने अहम किरदार निभाया है। वहीं फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले हुआ है।

'जब तक मैं जिंदा हूं, हम चारों एक नहीं होंगे'
रवि मोहन ने खारिज की आरती और बेटों के साथ रियूनियन की संभावना

अभिनेता रवि मोहन और पत्नी आरती के रिश्ते में दरार आ गई है। दोनों अलग रह रहे हैं। इस बीच रवि मोहन ने आरती और अपने दोनों बेटों के साथ फिर से एक होने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह स्पष्ट किया है कि उनके जिंदा रहते तो ऐसा संभव नहीं है।

क्या आरती की मां की टिप्पणी पर दी रवि ने प्रतिक्रिया?

एक्टर रवि मोहन ने अपनी अलग हो चुकी पत्नी आरती रवि और अपने दोनों बेटों, आरव और अयान के साथ फिर से एक होने की किसी भी संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसके जरिए उन्होंने कहा कि जब तक वे जिंदा हैं चारों कभी भी एक कमरे में साथ नहीं होंगे। रवि मोहन और आरती के तलाक की कार्यवाही के बीच आरती की मां

सुजाता विजयकुमार की हालिया टिप्पणी से एक्टर के इस पोस्ट को जोड़कर देखा जा रहा है।

रवि मोहन ने क्या लिखा?

रवि मोहन ने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट बीते दिन फ्रेंडशिप डे के मौके पर किया था। अभिनेता ने लिखा है, 'मेरे सबसे प्यारे दोस्तों, आपको फ्रेंडशिप डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सच्चे दोस्तों की तरह मेरा साथ देने के लिए आपका शुक्रिया। यह दुख की बात है कि कुछ लोग अभी भी ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, जो कोर्ट की अवमानना के बराबर है। जहां तक मेरी बात है, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जब तक मैं जिंदा हूं, हम चारों कभी भी एक ही कमरे में साथ नहीं होंगे। हमेशा खुश रहें और अपने दोस्त सोच-समझकर चुनें'।

आरती की मां ने क्या कहा था?

रवि की ये बातें आरती रवि की मां सुजाता विजयकुमार के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने रवि के उन दावों पर सार्वजनिक रूप से बात की थी कि वे अंतरिम गुजारा-भत्ते के तौर पर हर महीने 40 लाख रुपये की मांग कर रही हैं। सुजाता ने रवि के इस आरोप का भी खंडन किया कि उन्हें अपने बेटों से मिलने से रोका गया था। उन्होंने कहा, 'कोर्ट ने आपको पहले ही अपने बच्चों से मिलने की इजाजज दे दी है। कम से कम अब तो आपको उनसे मिलना चाहिए'। उन्होंने कहा कि न तो आरती और न ही उसके परिवार ने कभी रवि को बच्चों से मिलने से रोका था।

बता दें कि रवि मोहन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सितंबर 2024 में पत्नी आरती से अलग होने का एलान किया था।

तभी रवि मोहन ने चेन्नई फैमिली वेलफेयर कोर्ट में कानूनी तौर पर तलाक की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने कहा था कि सुलह की गुंजाइश नहीं है। वहीं, आरती ने रवि मोहन पर चीटिंग के आरोप लगाए।

पीएम मोदी के पक्ष में दी गई प्रतिक्रिया पर हुईं ट्रोल यूजर्स बोले- 'आप सोचना बंद कर दें'

बीते दिनों कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस बात पर भूमि पेडनेकर ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें कहा कि युवाओं को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसे में कुछ यूजर्स को उनकी बात पसंद नहीं आई और अब वह खूब ट्रोल हो रही हैं।

भूमि पर क्यों नाराज हुए सोशल मीडिया यूजर्स?

कई यूजर्स को लगता है कि अगर बच्चों ने प्रोटेस्ट में गाली तो वहीं सरकार ने भी उन पर पुलिस द्वारा लाठियां चलवाईं। इस बात को सोशल मीडिया यूजर्स बिल्कुल गलत मानते हैं।

एक यूजर ने भूमि की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में ही लिखा, 'लाठियां, आंसू गैस, पेलेट गन। हम ऐसे बात नहीं करते यार।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अगर आप बोलने के लिए इतनी ही उत्सुक हैं, तो आप पुलिस की क्रूरता पर बात क्यों नहीं करती हैं? खासकर महिलाओं के खिलाफ। इसे कैसे सही ठहराया जा सकता है?'एक यूजर्स ने तो कटाक्ष करते हुए लिखा, 'मेरा सुझाव है कि आप सोचना बंद कर दें।' इसी तरह एक यूजर ने कमेंट किया, 'जब हमारे मंत्री ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं तो आपको बोलते हुए देखना अच्छा लगेगा।' वहीं एक यूजर ने तो कमेंट में लिखा, 'अच्छी स्क्रिप्ट है।'

भूमि ने पीएम मोदी को सपोर्ट करते हुए क्या कहा?

भूमि पेडनेकर ने शनिवार को एक वीडियो इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया था। इसमें वह कहती हैं, 'अभी जो वीडियो सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत खराब भाषा का इस्तेमाल हो रहा है। हमारे देश के युवा या हम ऐसे बात नहीं करते हैं। हम उस व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो आज देश के सबसे ऊंचे पद पर है। बात सिर्फ पद की नहीं है, क्या हम अपने घर के बुजुर्गों से कभी ऐसे बात करते हैं? क्या हम सच में गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं?'

भूमि पेडनेकर आगे युवाओं को सलाह देते हुए कहा था, 'हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार ही हमारी रीढ़ की हड्डी हैं। हमें उनसे भटकना नहीं चाहिए वरना हम सही बातें सही तरीके से नहीं कह पाएंगे और न ही उन पर कभी अमल हो पाएगा या कोई बदलाव आ पाएगा। हमें एकजुट होकर आगे बढ़ने की जरूरत है।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं भूमि पेडनेकर?

भूमि पेडनेकर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' का हिस्सा बनी हैं। इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल

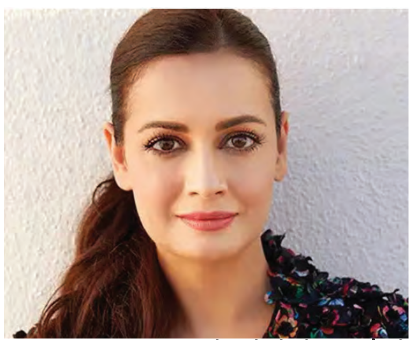

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा।एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं।

भूमिका की लंबाई नहीं, आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। न्यूज 18 से बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए।

कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा ही होगा किरदार

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।'बताते चलें कि दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं।

कब रिलीज होगी 'ऑपरेशन सफेद सागर'?

यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

मृणाल ठाकुर का डांस वीडियो फिर हुआ वायरल, फैंस बोले- 'क्या एनर्जी है'

मृणाल ठाकुर अक्सर फिल्मों में अपनी एक्टिंग के लिए चर्चाओं में रहती हैं। लेकिन अब उनका एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अपनी दोस्त की शादी में शानदार डांस करती नजर आ रही हैं।

यह वायरल वीडियो फ्रेंडशिप डे के मौके पर उनकी दोस्त विदुषी पराशर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसके बाद मृणाल ने भी इसे रीपोस्ट किया। देखते ही देखते यह क्लिप तेजी से वायरल हो गई।

वीडियो में मृणाल, दिलजीत दोसांझ के हिट गाने 'लवर' पर डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने साड़ी पहनी हुई है और अपनी दोस्त विदुषी के साथ रेड और ऑरेंज शेड्स में ट्विनिंग करती दिख रही हैं। दोनों की जोड़ी और उनकी एनर्जी लोगों को खूब पसंद आ रही है।

यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और फैंस मृणाल के डांस और उनकी एनर्जी की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी मृणाल

मृणाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स अक्सर वायरल होती हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' में नजर आ सकती हैं, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इसके अलावा, वह कुछ तेलुगु फिल्मों के लिए भी चर्चा में थीं, लेकिन वे प्रोजेक्ट्स आगे नहीं बढ़ पाए। मृणाल आखिरी बार अदिवी शेष की फिल्म 'डाकू' में दिखी थीं, जिसे मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। वहीं उनकी हिंदी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

खतरनाक स्टंट के बाद गौरव खन्ना की पीठ पर पड़े रबर बुलेट के निशान, तस्वीरें देख परेशान हुए फैंस

शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लेटेस्ट एपिसोड में किए गए एक स्टंट के बाद गौरव खन्ना की पीठ पर रबर बुलेट के निशान और चोटें साफ दिखाई दीं, जिसे देखकर लोगों ने कंटेस्टेंट्स की सेफ्टी को लेकर चिंता जताई है।

खतरनाक स्टंट से लगी चोट

'खतरों के खिलाड़ी 15' के नए एपिसोड में गौरव खन्ना, विशाल आदित्य सिंह, शगुन शर्मा और करण वाही ने एक बेहद खतरनाक स्टंट किया, जिसमें चारों को चोटें आईं। गौरव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी पीठ पर पड़े निशान साफ नजर आ रहे हैं।

उन्होंने यह वीडियो शेयर करते हुए ओरहान अवत्रामणि यानी ओरी का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस मूमेंट को रिकॉर्ड किया। गौरव ने लिखा, 'टीवी पर देखकर भी मुझे ये दर्द महसूस हो रहा है। ये अब तक का सबसे दर्दनाक अनुभव था। हम चारों इस दौर से गुजरे हैं और अभी भी ये निशान मौजूद हैं।'

क्या था खतरनाक स्टंट?

एपिसोड में होस्ट रोहित शेट्टी ने 'फियर फंडा' स्टंट का ऐलान किया, जो उन कंटेस्टेंट्स को दिया जाता है जिन पर एलिमिनेशन का खतरा होता है। इस टास्क के लिए हर टीम से दो-दो कंटेस्टेंट चुने गए। नई टीम से गौरव खन्ना और शगुन शर्मा को चुना गया, जबकि पुरानी टीम से करण वाही और विशाल आदित्य सिंह ने हिस्सा लिया।

स्टंट में सभी कंटेस्टेंट्स को एक लाइन में खड़ा होना था, उनकी पीठ शूटर की तरफ होती है। इसके बाद उन पर रबर बुलेट्स चलाई जाती हैं और उन्हें तब तक सहना होता है, जब तक दो लोग हार मानकर टास्क छोड़ नहीं देते। स्टंट से पहले गौरव ने कहा था कि ये बहुत दर्दनाक होगा, लेकिन डर का सामना करना ही इस शो की असली पहचान है। उन्होंने कहा, 'पीठ पर ये गोलियां बहुत दर्द देंगी, लेकिन अगर आप केकेके में हैं और खतरे से नहीं खेलते, तो फिर आप किस तरह के खिलाड़ी हैं?'

करण वाही ने भी कहा, 'ये कुछ बिल्कुल नया है, लेकिन अच्छी बात ये है कि हमें स्पाइन प्रोटेक्टर दिए गए हैं।' स्टंट के दौरान सबसे पहले शगुन शर्मा और फिर गौरव खन्ना ने टास्क छोड़ने का फैसला किया।

'खतरों के खिलाड़ी 15' के बारे में

बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में इस बार अविनाश मिश्रा, फरहाना भाट, शगुन शर्मा, अविका गोर, ओरहान अवत्रामणि (ओरी), हर्ष गुर्जराल, जैस्मिन भसीन, रुबीना दिलैक, करण वाही, रित्विक धनजानी और विशाल आदित्य सिंह जैसे कंटेस्टेंट्स नजर आ रहे हैं।

1 साल में काजोल की रिलीज हुईं 4 फिल्में, 1 ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर दूसरी सुपरहिट, तीसरी फ्लॉप होकर भी नहीं भूले लोग

यूं तो काजोल आज उम्र के इस पड़ाव पर आकर भी हिट एक्ट्रेस कहलाती हैं. लेकिन उनके कुछ किरदार लोगों के जहन में बसे हैं. इन्ही में से एक हैं, उनकी वो रोल जिसमें वह डबल रोल निभाती नजर आई थीं. ये फिल्म भले ही उनकी फ्लॉप हो गईं हो, लेकिन फिल्म का गाना आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं और न ही उस फिल्म को.

हम बात कर रहे हैं, साल 1998 में आई काजोल की चार फिल्मों की इनमें, एक है, प्यार किया तो डरना क्या, दूसरी है, कुछ कुछ होता है, तीसरी है प्यार तो होना ही था और चौथी है. दुश्मन.

फिल्म प्यार किया तो डरना क्या में काजोल ने अरबाज खान की बहन का रोल निभाया था. अपनी सादगी से काजोल ने फैंस का दिल जीत लिया था. फिल्म में उनकी और सलमान की जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया था.

फिल्म की कहानी और इसके गाने भी काफी हिट हुए थे. फिल्म में काजोल की एक्टिंग की भी बहुत तारीफ हुई थी. ये फिल्म

सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म में धर्मेंद्र भी अहम रोल में नजर आए थे.दूसरी है उनकी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है. इस फिल्म में काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी की लोग आज भी मिसाल देते हैं. फिल्म के लव ट्रायंगल ने लोगों को दीवाना बना दिया था.

फिल्म के गाने तो काफी हिट हुए थे.इस फिल्म से लोगों ने दोस्ती को प्यार का नाम देना शुरू कर दिया था. फिल्म में काजोल ने अंजली का रोल निभाकर इतिहास रच दिया था. फिल्म में सलमान खान का कैमियो है. लेकिन वह भी फिल्म में छा गए थे.

तीसरी है, साल 1998 में ही काजोल की फिल्म प्यार तो होना ही था. इस फिल्म में प्यार की तलाश में हद पार करने वाली लड़की का रोल निभाकर काजोल ने फैंस को अपना मुरीद बना लिया था. फिल्म में उनके रोल की लोगों ने और समीक्षकों ने काफी तारीफ की थी. उनकी ये फिल्म हिट साबित हुई थी.

चौथी है, साल 1998 में ही आई उनकी फिल्म दुश्मन. इस फिल्म में संजय दत्त लीड रोल में नजर आए थे. काजोल ने फिल्म में नैना और सोनिया नाम की दो बहनों का डबल रोल निभाया था. फिल्म में अपने बहन की मौत के बदले की कहानी लोगों का दिल नहीं जीत पाई थी. फिर भी लोग आज भी उनकी इस फ्लॉप फिल्म को भूल नहीं पाए हैं. इसकी वजह है फिल्म का दर्दभरा गाना 'चिट्ठी ना कोई संदेश'.. इस गाने को गजल सम्राट जगजीत सिंह ने अपनी आवाज दी थी. गीत के बोल मशहूर गीतकार आनंद बख्शी ने लिखे थे, जबकि इसका संगीत उत्तम सिंह ने तैयार किया था. इस गाने की सबसे बड़ी ताकत इसकी सादगी है.

डीपफेक, फर्जी विज्ञापनों और एआई से बने कंटेंट के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचीं श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपने नाम, चेहरे और पहचान के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अदालत से एआई से तैयार किए गए फर्जी वीडियो, डीपफेक कंटेंट, मॉर्फ की गई तस्वीरों, भ्रामक विज्ञापनों और उनकी अनुमति के बिना उनके नाम व तस्वीर का इस्तेमाल कर बेचे जा रहे सामान पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की शुरुआती सुनवाई के बाद जस्टिस अभय आहूजा ने उनकी पहचान और उससे जुड़े व्यावसायिक अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित इस कारोबारी मुकदमे को दर्ज करने की अनुमति दे दी। इसके बाद अब हाईकोर्ट इस मामले की विस्तार से सुनवाई करेगा।

श्रुति ने किसके खिलाफ किया मुकदमा?

श्रुति हासन ने यह मुकदमा कई भारतीय और विदेशी कंपनियों, सोशल मीडिया मंचों तथा कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ दायर किया है। याचिका में महालक्ष्मी आर्ट्स एंड क्राफ्ट वर्क का भी नाम

शामिल है। आरोप है कि यह संस्था फ्लिपकार्ट के जरिए उनकी अनुमति के बिना उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर बेच रही थी। इसके अलावा गूगल, यूट्यूब, मेटा, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और पिनटेरेस्ट जैसे डिजिटल मंचों को भी पक्षकार बनाया गया है।

अभिनेत्री ने क्या कहा?

याचिका में कहा गया है कि इन मंचों पर बड़ी संख्या में ऐसा कंटेंट मौजूद है, जो उनकी पहचान और लोकप्रियता का गलत फायदा उठा रहा है। इसमें एआई से तैयार किए गए फर्जी वीडियो शामिल हैं, जिनमें उन्हें दूसरे कलाकारों के साथ भ्रामक तरीके से दिखाया गया है। इसके अलावा डीपफेक तकनीक से बनाई गई फर्जी, आपत्तिजनक और अश्लील तस्वीरों का भी जिक्र किया गया है। अर्जी के मुताबिक कुछ लोग एआई और डीपफेक तकनीक की मदद से उनका चेहरा लगाकर आपत्तिजनक तस्वीरें तैयार कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने अदालत से उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी किसी भी सामग्री के बिना अनुमति इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश देने की मांग की है।

बोलीं- 'छवि को नुकसान पहुंचा रहा है'

याचिका में यह भी कहा गया है कि हिंदी, तमिल और तेलुगु फिल्मों के साथ-साथ संगीत की दुनिया में लंबे समय तक काम करने से 'श्रुति हासन' नाम की अपनी अलग पहचान और साख बनी है। ऐसे में उनकी अनुमति के बिना उनके नाम या चेहरे का इस्तेमाल उनकी प्रतिष्ठा और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा रहा है।

अभिनेत्री ने अदालत से इंटरनेट पर मौजूद ऐसे सभी कंटेंट को हटाने, अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने और उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल करके कमाई गई रकम का पूरा हिसाब देने का आदेश जारी करने की मांग की है।

कम उम्र के युवा हाई ब्लड शुगर की चपेट में सबसे ज्यादा

अब शुगर और हाई ब्लड प्रेशर सिर्फ बढ़ती उम्र की बीमारी नहीं रह गई है. कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एलएलआर अस्पताल के मेडिसिन विभाग की स्टडी में एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है. अध्ययन में पता चला है कि 25 से 30 साल की उम्र के युवाओं में बढ़ा हुआ ब्लड शुगर और हाई ब्लड प्रेशर हार्टअटैक समेत कई गंभीर बीमारियों की वजह बन रहा है. डॉक्टरों का कहना है कि पहले जिन बीमारियों को 50 साल या उससे अधिक उम्र से जोड़ा जाता था, अब वही समस्याएं युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं. समय पर जांच और सही जीवनशैली अपनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

6 महीने में 500 युवाओं में बढ़ा ब्लड प्रेशर

एलएलआर अस्पताल के मेडिसिन विभाग की ओर से किए गए अध्ययन में पिछले छह महीनों के दौरान करीब 500 ऐसे युवा सामने आए, जिनका ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक मिला. इनमें कई मरीजों को हार्ट से जुड़ी दिक्कतें, फैटी लीवर और दूसरी गंभीर बीमारियां भी थीं. गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया, जबकि अन्य मरीजों को दवा, खानपान और जीवनशैली में बदलाव की सलाह दी गई. मेडिसिन विभाग के सीनियर डॉक्टर डॉ. एसके गौतम ने बताया कि 15 से 20 साल पहले लोग 50 साल की उम्र के बाद शुगर और बीपी की जांच कराते थे. कुछ वर्षों बाद यह उम्र घटकर 40 साल तक पहुंची और अब हालात ऐसे हैं कि 25 से 30 साल के युवाओं में भी ये बीमारियां तेजी से देखने को मिल रही हैं.

जंक फूड, तनाव और कम नींद बना रहे बड़ी वजह

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में युवा लगातार तनाव में रह रहे हैं. घर का पौष्टिक भोजन छोड़कर जंक फूड और बाहर के खाने पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं. इसके अलावा देर रात तक जागना, पर्याप्त नींद न लेना और शारीरिक गतिविधियां कम होना भी बड़ी वजह है. इन आदतों के कारण कम उम्र में ही शुगर, हाई बीपी, मोटापा, फैटी लीवर और हार्ट की बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है.

साल में एक बार जरूर कराएं जांच

हर युवा को साल में कम से कम एक बार ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की जांच जरूर करानी चाहिए. यदि रिपोर्ट में थोड़ी भी गड़बड़ी मिले तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. नियमित जांच से बीमारी का शुरुआती चरण में ही पता चल जाता है और समय पर इलाज शुरू होने से हार्टअटैक जैसी गंभीर स्थिति से बचाव संभव है. उन्होंने सलाह दी कि रोजाना व्यायाम करें, घर का संतुलित भोजन खाएं, जंक फूड से दूरी बनाएं और कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें. स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से शुगर और बीपी को नियंत्रित रखने के साथ कई गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है.

रात में 2-3 बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है? कहीं आपमें इन बीमारियों का खतरा तो नहीं

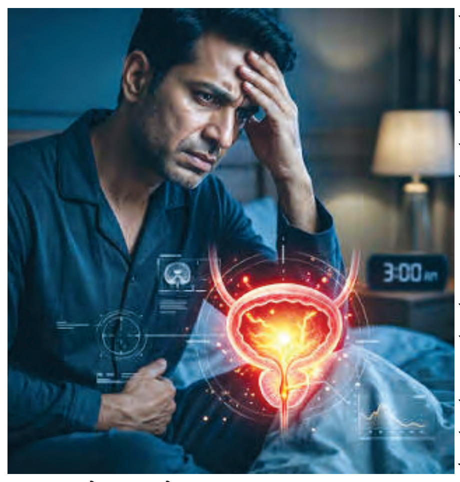

रात में एक-दो बार उठकर पेशाब जाना कई लोगों के लिए सामान्य बात होती है। लेकिन हर रात अगर आपको तीन-चार बार पेशाब के लिए उठना पड़े तो सावधान हो जाइए। ये आदत कई बार शरीर में बढ़ रही गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकती है। रात में बार-बार उठने और पेशाब जाने की स्थिति को मेडिकल का भाषा में नॉक्ट्यूरिया कहा जाता है। यह कोई बीमारी नहीं, बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं का एक महत्वपूर्ण लक्षण हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं, बार-बार रात में पेशाब आने से केवल नींद ही खराब नहीं होती, बल्कि अगले दिन थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान और कार्यक्षमता में कमी जैसी समस्याएं होने लगती है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि नॉक्ट्यूरिया के पीछे कई बार ज्यादा कैफीन लेना या रात में ज्यादा पानी पीना भी कारण हो सकता है। वहीं कई बार ये डायबिटीज, प्रोस्टेट, किडनी या हार्ट की समस्याओं का भी संकेत हो सकता है, इसलिए यदि यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

पहले नॉक्ट्यूरिया के बारे में जानिए

रात में नींद से उठकर बार-बार पेशाब जाने की आवश्यकता महसूस होने को नॉक्ट्यूरिया कहा जाता है। उम्र बढ़ने के साथ अधिक बार पेशाब के लिए उठना कुछ स्थितियों में सामान्य माना जा सकता है, लेकिन यदि हर रात दो या उससे अधिक बार उठना पड़े तो इसकी जांच करानी चाहिए। कई बार ये मूत्राशय-किडनी, हार्मोन्स या हृदय से जुड़ी कई समस्याओं का संकेत हो सकता है।

क्या होते हैं इसके कारण?

हर बार रात में पेशाब आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। सोने से पहले अधिक पानी, चाय-कॉफी, शराब पीने से भी रात में बार-बार पेशाब आ सकती है। कुछ दवाएं भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था, बढ़ती उम्र और नींद संबंधी विकार भी नॉक्ट्यूरिया से जुड़े हो सकते हैं।

किन बीमारियों का हो सकता है संकेत

डायबिटीज की स्थिति में यदि खून में शुगर का स्तर लंबे समय तक बढ़ा रहता है, तो शरीर अतिरिक्त ग्लूकोज को पेशाब के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसके कारण पेशाब की मात्रा बढ़ जाती है और व्यक्ति को दिन के साथ-साथ रात में भी कई बार पेशाब के लिए उठना पड़ सकता है।

प्रोस्टेट की समस्या में भी ये दिक्कत देखी जाती है। प्रोस्टेट ग्रंथि के बढ़ने से मूत्रमार्ग पर दबाव पड़ता है, जिससे मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं हो पाता। इससे व्यक्ति को बार-बार पेशाब की इच्छा होती है।

यूटीआई होने पर बार-बार पेशाब लगने, पेशाब में जलन और बुखार जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। संक्रमण के कारण मूत्राशय में सूजन आ जाती है, जिससे बार-बार पेशाब की इच्छा महसूस होती है। यदि रात में पेशाब आने के साथ दर्द या जलन भी हो, तो यूरिन टेस्ट कराना जरूरी है।

कब जाएं डॉक्टर के पास

डॉक्टर कहते हैं, यदि रात में बार-बार पेशाब के साथ पेशाब में खून, तेज दर्द, बुखार, अत्यधिक प्यास या पैरों में सूजन जैसी समस्याएं भी हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। इसी तरह यदि यह समस्या कई सप्ताह तक लगातार बनी रहे और दैनिक जीवन प्रभावित होने लगे तो जांच कराना जरूरी है। यदि इसका कारण कोई गंभीर बीमारी नहीं है, तो कुछ आदतों में बदलाव से काफी राहत मिल सकती है।

सोने से 2-3 घंटे पहले ज्यादा पानी और अन्य तरल पदार्थ लेने से बचें। शाम के समय चाय, कॉफी और शराब का सेवन सीमित करें। नियमित व्यायाम, वजन और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखना भी मददगार हो सकता है।

आर्थराइटिस अब सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी नहीं बच्चे भी हो रहे शिकार; क्यों होती है ये दिक्कत

आर्थराइटिस का नाम सुनते ही सबसे पहले हमारे दिमाग में बुजुर्गों की घुटनों में दर्द वाली तस्वीर सामने आ जाती है। आमतौर पर यही माना जाता रहा कि गठिया केवल बुजुर्गों की बीमारी है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में 40 से कम उम्र के लोगों में भी आर्थराइटिस के बढ़ते मामले देखे गए हैं। इतना ही नहीं बच्चे भी इस समस्या का शिकार हो सकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, कई बार माता-पिता बच्चे के घुटने, टखने या कलाई में दर्द को खेल-कूद की सामान्य चोट समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, यही लापरवाही बीमारी को गंभीर बना सकती है।

बच्चों में होने वाले आर्थराइटिस को जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस (जेआईए) कहा जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में हर 1000 में से एक बच्चा इसका शिकार हो सकता है। ये 16 साल से कम उम्र के बच्चों में होने वाले आर्थराइटिस का सबसे आम प्रकार है। बच्चों में ये दिक्कत तब होती है जब इम्यून सिस्टम बहुत ज्यादा सक्रिय हो जाता है और शरीर में सूजन पैदा करने लगता है। कुछ बच्चों में ये लक्षण सिर्फ कुछ वर्षों तक रहते हैं, जबकि कुछ में ये लंबे समय तक बना रह सकता है।

कही आपका बच्चा भी तो गठिया का शिकार नहीं है?

बच्चों में क्यों होती है ये दिक्कत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ मामलों में जेआईए का असर केवल जोड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आंखों, हड्डियों और बच्चे के शारीरिक विकास पर भी पड़ सकता है। इसका अगर समय पर पहचान और इलाज न हो पाए तो इससे जोड़ों में स्थाई नुकसान, चलने-फिरने में कठिनाई और जीवनभर की विकलांगता तक का खतरा हो सकता है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस का कारण शरीर के इम्यून सिस्टम के अपने ही स्वस्थ कोशिकाओं पर अटैक करने की वजह से होता है।

हालांकि ऐसी स्थिति क्यों होती है विशेषज्ञों का इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। कुछ मामलों में इसके लिए आनुवंशिकता और पर्यावरण की समस्याओं को जिम्मेदार माना जाता है।

कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं है शिकार?

बच्चों में आर्थराइटिस के लक्षण हमेशा तेज दर्द के रूप में नहीं आते।

कई बार बच्चा सुबह उठने के बाद जोड़ों में अकड़न महसूस करता है, लंगड़ाकर चलता है या किसी एक हाथ-पैर का कम इस्तेमाल करता है।

घुटने, टखने, कलाई या उंगलियों में सूजन दिखाई दे सकती है।

कुछ बच्चों को हल्का बुखार, थकान या भूख कम लगने की समस्या भी होती है।

यदि ये लक्षण छह सप्ताह या उससे अधिक समय तक बने रहें तो जांच करानी चाहिए।

जोड़ों के साथ दूसरे अंगों पर भी हो सकता है असर

जुवेनाइल आर्थराइटिस को केवल जोड़ों तक सीमित नहीं माना जाता। इसके कारण कुछ बच्चों में आंखों की अंदरूनी परत में सूजन हो सकती है समय पर जांच न होने पर इससे दृष्टि प्रभावित हो सकती है। कुछ प्रकार के जेआईए में बुखार, त्वचा पर चकत्ते, लिम्फ नोड्स की सूजन या अन्य अंगों पर भी असर देखा जा सकता है।

बच्चे को आर्थराइटिस हो जाए तो क्या करें?

आर्थराइटिस के शिकार बच्चों में इलाज के माध्यम से दर्द और सूजन को कम करने और जोड़ों को होने वाले नुकसान से बचाने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए सूजन कम करने वाली दवाएं दी जा सकती हैं। इस समस्या के शिकार ज्यादातर बच्चों को दवाओं के साथ लाइफस्टाइल और डाइट में सुधार की भी सलाह दी जाती है।

कम बीपी में नमक की मात्रा बढ़ाना कितना फायदेमंद? कहीं पड़ न जाए भारी

लो ब्लड प्रेशर यानी हाइपोटेंशन की समस्या में अक्सर लोग तुरंत नमक बढ़ाने की सलाह देते हैं। आपने भी कई बार सुना होगा कि चक्कर आ रहे हों या कमजोरी महसूस हो रही हो तो नमक वाला पानी पी लेना चाहिए।

दरअसल, सोडियम शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति को लो बीपी होने पर ज्यादा मात्रा में नमक खाना शुरू कर देना चाहिए। जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है और इससे कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

लो बीपी के कारण, लक्षण और व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर ही सही उपाय तय किया जाता है। आइए जानते हैं लो ब्लड प्रेशर में नमक का सेवन कितना फायदेमंद है और किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

नमक और ब्लड प्रेशर का क्या संबंध है?

नमक में मौजूद सोडियम शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। सोडियम की मात्रा बढ़ने से शरीर में पानी रुक सकता है, जिससे कुछ लोगों में ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसी वजह से कुछ मामलों में लो बीपी के दौरान नमक की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जा सकती है। हालांकि, हर व्यक्ति के लिए यह तरीका सही नहीं होता। लो बीपी की वजह जाने बिना ज्यादा नमक खाना नुकसान पहुंचा सकता है।

लो बीपी में कब मदद कर सकता है नमक?

अगर किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर कम होने की वजह शरीर में पानी या सोडियम की कमी है, तो डॉक्टर की सलाह से नमक और तरल पदार्थों की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। ज्यादा पसीना आने, डिहाइड्रेशन या लंबे समय तक कमजोरी जैसी स्थिति में शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है। ऐसे समय पर सिर्फ नमक बढ़ाने के बजाय शरीर में पानी और जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति भी जरूरी होती है।

ज्यादा नमक खाने के नुकसान

बिना जरूरत ज्यादा नमक खाने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अधिक सोडियम लेने से:

हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है
किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है
शरीर में पानी जमा हो सकता है
दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है

इसलिए लो बीपी के नाम पर रोजाना ज्यादा नमक खाना सही आदत नहीं है।

लो बीपी में क्या करें?
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं
अचानक खड़े होने से बचें
संतुलित और पौष्टिक भोजन लें
लंबे समय तक खाली पेट न रहें
कमजोरी, बेहोशी या लगातार चक्कर आने पर डॉक्टर से सलाह लें

किन लोगों को ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए?

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की बीमारी, हार्ट से जुड़ी समस्या या शरीर में सूजन की शिकायत रहती है, उन्हें नमक बढ़ाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

संतान के लिए आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 64 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से हृदय की धड़कन बड गई है, ऐसा लगता है। क्या आप इस सामान्य बनाने के उपाय बता सकते हैं?

- दीनानाथ वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : 'धड़कन' या 'पाल्पीटेशन' एक गैर चिकित्सकीय शब्द है। जब कभी हृदय का स्पंदन असामान्य प्रतीत होता है -उसे पाल्पीटेशन की श्रेणी में रखा जाता है। इसमें हृदय स्पंदन के ज्यादा होने, कुछ बीट्स छूट जाने, कुछ तेजी से धड़कने, शक्ति के साथ धड़कने या कुछ असामान्य रुप से धडकने वाले हृदय के बीट्स शामिल है। इसे आप आसानी से ई .सी .जी में पकड़ सकते है। हृत्कंप तनाव से, थायराइड ग्रंथि की अति सक्रियता से, कुछ अंग्रेजी दवा के पार्श्व प्रभाव से, हृदय की धमनियों के रोग से, हृदय की मांसपेशियों में आए खिंचाव से, हृदय के वाल्व की विकृति से या किसी अज्ञात कारण से भी बढ़ सकता है। कई बार हृत्कंप कॉफी, चाय, कोको, चाकलेट और सोड़ा से भी बढ़ता देखा गया है। इसी कारण हृत्कंप में वैद्य सभी प्रकार के ठंडे पेय और चाय, कॉफी पीने से मना करते हैं ।

आयुर्वेद में बढ़ी हृदय की धड़कन की चिकित्सा है। सद्वैद्य पूरे कारणों की जांच कर, निदान पर पहुंचता है और निदान के अनुसार ही चिकित्सा तय करता है। जवाहर मोहरा हृदय को बल देने वाला एक श्रेष्ठ योग है। किसी भी प्रकार के हृत्कंप इसके प्रयोग से शांत होते हैं। ऊंझा प्रवाल पिष्टी, ऊंझा अकीक पिष्टी , ऊंझा अर्जुनारिष्ट का भी प्रयोग किया जा सकता है। चिकित्साकाल में उत्तेजना पैदा करने वाले आहार -विहार से बचें।

प्रश्न : मुझे ड्योडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- अनिरुद्ध रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल ड्योडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 -4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में ज ग ना , धूप,

वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 34 वर्ष है। शादी होकर 6 वर्ष हो गए हैं, अभी तक कोई संतान नहीं हुई है। मासिक बहुत कष्ट से और थोड़ा थोड़ा ही आता है। हमेशा मासिक आने के पहले से ही तनाव रहता है। बहुत इलाज करवाया, बेनतीजा। आपसे प्रार्थना है कि आयुर्वेद में कोई उपचार बताएं।

- श्रीमती कमला राव, करीमनगर हैदराबाद

उत्तर : माहवारी पूर्व का तनाव (प्रीमेंस्ट्रूअल टेंशन), दर्द, आर्तव स्राव की अनियमिता , कष्टार्तव,अल्पार्तव और बंध्यत्व जैसी स्थितियों का आयुर्वेद में उपचार है। आयुर्वेद में ऐसी कई औषधियां और जड़ी बूटियां है जो स्त्री शरीर को बिना हानी पहुंचाएं, हारमोंस की प्रक्रिया को बिना छेड़े, गर्भाशय से जुड़ी समस्याओं का हल करती है । बबूल की छाल, शिलाजीत, शाल्मली, मुस्ता, लोध, बला, कुमारी, शतावरी, अशोक आदि कुछ ऐसी जड़ी बूटियां है, जो स्त्री के प्रजनन संस्थान को बल प्रदान करती है, दुरुस्त करती है। यह सभी बूटियां औरा फेमीब्लेझ सिरप में उपलब्ध है। इसको 10 से 15 मिलीलीटर, दोगुने पानी के साथ, दिन में दो बार, तीन माह तक सेवन करने से पी एम यस , कष्टार्तव, अल्पार्तव व बंध्यत्व समाप्त होता है। रोज सुबह -शाम शतावरी चूर्ण के साथ ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस टिकिया गाय के दूध से सेवन करें ।

भोजन के बाद ऊंझा अशोकारिष्ट का प्रयोग करने से भी कष्टार्तव दूर होकर गर्भाशय को बल मिलता है। रक्ताल्पता की स्थिति में ऊंझा ताप्यादि लोह टिकिया लेना गुणकारी होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

रातभर नहीं आई अच्छी नींद? अगले दिन की थकान और ब्रेन फॉग दूर करने के आसान तरीके

अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन(CDC) के अनुसार, वयस्कों को हर रात कम से कम 7 घंटे की नींद लेनी चाहिए. इससे कम नींद लेने पर ध्यान लगाने में परेशानी, याददाश्त कमजोर होना, मूड खराब होना, निर्णय लेने की क्षमता पर असर और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है.

ऐसे में अगर किसी रात आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती, तो अगला दिन काफी मुश्किल लग सकता है. आंखों में भारीपन, सिरदर्द, सुस्ती, चिड़चिड़ापन और ब्रेन फॉग जैसी समस्याएं काम और मूड दोनों पर असर डालती हैं. हालांकि, एक रात की खराब नींद का मतलब यह नहीं कि पूरा दिन भी खराब ही जाएगा.

वहीं, स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, अगर किसी एक रात नींद पूरी नहीं हो पाई हो तो अगले दिन 20–30 मिनट की पावर नैप, मॉर्निंग में धूप में बैठना जैसी गतिविधियां शरीर की सतर्कता बढ़ाने और थकान कम करने में मदद कर सकती है.

ऐसे कुछ आसान आदतें अपनाकर आप अपने शरीर और दिमाग को जल्दी रिकवर कर सकते हैं. नींद और मानसिक

स्वास्थ्य पर काम करने वाले विशेषज्ञ भी मानते हैं कि सही रूटीन अपनाने से शरीर दोबारा एनर्जी हासिल कर सकता है.

रात भर नींद न आने की परेशानी से खुद को ऐसे करें रीकवर –

सुबह धूप में जरूर निकलें-

अगर रात में अच्छी नींद नहीं आई है तो सुबह या दिन में कुछ समय बाहर धूप में बिताएं. हल्की वॉक करने से शरीर को नेचुरल एनर्जी मिलती है. सूरज की रोशनी शरीर में सेरोटोनिन का स्तर बढ़ाने में मदद करती है. यह एक ऐसा न्यूरोट्रांसमीटर है जो मूड बेहतर करता है और थकान कम महसूस होने में मदद करता है. साथ ही धूप शरीर की बॉडी क्लॉक को भी रीसेट करने में मदद करती है.

20 मिनट की पावर नैप लें-

अगर मौका मिले तो दिन में करीब 20 मिनट की छोटी नींद लें. इसे पावर नैप कहा जाता है. इससे ब्रेन फॉग, थकान और नींद की कमी से होने वाली सुस्ती कम हो सकती है. ध्यान रखें कि यह नैप बहुत लंबी न हो और शाम या रात के बहुत करीब न लें, वरना अगली रात की नींद प्रभावित हो सकती है.

हल्की एक्सरसाइज करें-

नींद पूरी न होने पर कई लोग एक्सरसाइज छोड़ देते हैं, लेकिन हल्की फिजिकल एक्टिविटी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है. तेज वॉक, स्ट्रेचिंग, योग या हल्का वर्कआउट शरीर में मेलाटोनिन के प्राकृतिक उत्पादन को सपोर्ट करता है. यही हार्मोन रात में अच्छी नींद लाने में अहम भूमिका निभाता है.

कैफीन पर पूरी तरह निर्भर न रहें-

नींद की कमी होने पर कई लोग बार-बार चाय या कॉफी पीने लगते हैं. थोड़ी मात्रा में कैफीन आपको सतर्क महसूस करा सकती है, लेकिन ज्यादा कैफीन लेने से रात की नींद फिर से खराब हो सकती है. इसलिए दोपहर के बाद कैफीन कम लेने की कोशिश करें और इसकी जगह पर्याप्त पानी पीते रहें.

रात के लिए बेहतर माहौल तैयार करें-

अगर पिछली रात नींद खराब रही है तो अगली रात अच्छी नींद लेना सबसे जरूरी है. इसके लिए साफ बेडशीट बिछाएं, कमरे का तापमान ठंडा और आरामदायक रखें, मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल सोने से पहले कम करें और रोज एक ही समय पर सोने की आदत बनाएं. इससे शरीर को जल्दी आराम मिलेगा और अगली सुबह आप ज्यादा फ्रेश महसूस करेंगे.

एक रात की खराब नींद को आदत न बनने दें

विशेषज्ञों का कहना है कि कभी-कभार नींद खराब होना सामान्य बात है, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, खर्राटे, सांस रुकने या दिनभर अत्यधिक नींद आने जैसी दिक्कतें भी हों, तो डॉक्टर या स्लीप स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें. अच्छी नींद बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बुनियाद है.

50 साल का बिना ब्याज वाला लोन... किस स्कीम के तहत किसे बांटे गए 31005 करोड़?

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की एक योजना है- स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेन्ट । इसके तहत केंद्र सरकार राज्य सरकारों को 50 साल के लिए बिना किसी ब्याज के लोन देती है। इस योजना का मुख्य मकसद राज्यों को अपने यहां बड़े विकास कार्य- जैसे सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल या इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स बनाने के लिए पैसे की कमी न होने देना है।

इसे लेकर संसद में सवाल पूछा गया। लोकसभा में वाईएसआरसीपी सांसद पीवी मिधुन रेड्डी ने सरकार से पूछा कि आंध्र प्रदेश को एसएएससीआई के तहत अब तक कितना पैसा मिला है, क्या केंद्र की शर्तों की वजह से फंड जारी होने में देरी हुई, क्या अमरावती की राजधानी परियोजना के लिए कोई अलग राशि तय की गई है और राज्य के 2014 के विभाजन के बाद पैदा हुए बुनियादी ढांचे के नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र क्या अतिरिक्त मदद देने पर विचार कर रहा है।

निर्मला सीतारमण ने क्या दिया जवाब?

इस सवाल का जवाब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया। उन्होंने सोमवार को लोकसभा में बताया कि आंध्र प्रदेश को केंद्र सरकार की एसएएससीआई योजना के तहत अब तक 50 साल की अवधि वाले ब्याज मुक्त पूंजीगत ऋण के रूप में 31,005.47 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि वर्ष 2020-21 से 1 अगस्त 2026 तक आंध्र प्रदेश को कुल 31,005.47 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 8,289.61 करोड़ रुपए 2025-26 में और 7,901.56 करोड़ रुपये 2024-25 में दिए गए। वहीं 2026-27 में 1 अगस्त तक 3,428.14 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। देरी के सवाल पर वित्त मंत्री ने साफ कहा कि एसएएससीआई योजना के तहत ऋण राज्य सरकार के प्रस्ताव मिलने के बाद जारी किया जाता है। यदि प्रस्ताव सभी दिशा-निर्देशों के अनुरूप और पूरी तरह सही होता है तो फंड बिना अनावश्यक देरी के जारी कर दिया जाता है।

अमरावती के सवाल पर क्या बोलीं निर्मला सीतारमण?

अमरावती के लिए अलग फंड तय करने के सवाल पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस योजना में अमरावती राजधानी निर्माण के लिए कोई अलग राशि निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि राज्य सरकार चाहे तो उसे मिले आवंटन के भीतर अमरावती समेत किसी भी पूंजीगत परियोजना का प्रस्ताव भेज सकती है। राज्य के विभाजन के बाद हुए वित्तीय नुकसान पर सरकार ने बताया कि 2014-15 का पूरा ऑडिटेड राजस्व घाटा 16,078.76 करोड़ रुपए पहले ही आंध्र प्रदेश को जारी किया जा चुका है। इसके अलावा 14वें वित्त आयोग की सिफारिश पर 22,112 करोड़ रुपए और 15वें वित्त आयोग की सिफारिश पर 36,394 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुदान भी राज्य को पूरी तरह जारी किया जा चुका है।

प्राइवेट कंपनियों ने खोला खजाना

अडानी, टाटा, जेएसडब्ल्यू सहित 6 बड़े ग्रुप के लाखों करोड़ के निवेश से इकोनॉमी पकड़ेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी ही पॉजिटिव खबर सामने आ रही है। लंबे इंतजार के बाद देश में प्राइवेट सेक्टर का पूंजीगत व्यय चक्र पूरी रफ्तार पकड़ चुका है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल और डिजिटल जैसे क्षेत्रों में कंपनियां लाखों करोड़ रुपये के निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं।

आरबीआई के आंकड़ों ने दी गवाही

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 में औद्योगिक ऋण यानी कॉर्पोरेट क्रेडिट में 19.2% की शानदार सालाना बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले साल इसी अवधि में यह बढ़ोतरी महज 6.3% थी। यह उछाल बताता है कि कंपनियां अब बड़े विस्तार प्रोजेक्ट्स के लिए कर्ज लेने से पीछे नहीं हट रही हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ कल्याण कुमार के अनुसार, अब कंपनियां केवल पुराने एसेट्स के रखरखाव के लिए नहीं, बल्कि 'ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स' (नए सिरे से शुरू होने वाले प्रोजेक्ट्स) के लिए कर्ज मांग रही हैं। विशेष रूप से रिन्यूएबल एनर्जी, डेटा सेंटर और वेयरहाउसिंग जैसे क्षेत्रों में भारी मांग देखी जा रही है।

अदाणी और टाटा जैसे दिग्गजों की बड़ी योजनाएं

निवेश की इस रेस में अदाणी ग्रुप सबसे आगे नजर आ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी ग्रुप ने पावर, एयरपोर्ट और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की रूपरेखा तैयार की है। इसमें ओडिशा में 1.08 लाख करोड़ रुपये का एल्युमीनियम प्रोजेक्ट और मध्य प्रदेश में मिसाइल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शामिल है। ऑटो सेक्टर में भी निवेश की लहर है। टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2030 तक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 35,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा अगले तीन वर्षों में 27,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

क्यों अलग है यह निवेश चक्र?

बाजार विशेषज्ञों और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान निवेश चक्र 2001-04 के दौर की याद दिलाता है, जिसके बाद भारत ने कई वर्षों तक तेज विकास देखा था। इस बार खास बात यह है कि कंपनियों की बैलेंस शीट पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है।वैलम कैपिटल के मनीष भंडारी के अनुसार, 'केपेक्स-टू-डेप्रिसिएशन' रेशियो 2एक्स को पार कर गया है, जो यह बताता है कि निवेश अब केवल मशीनों की मरम्मत के लिए नहीं, बल्कि व्यापार के बड़े विस्तार के लिए हो रहा है।

शेयर बाजार में उछाल; सेंसेक्स 544 अंक चढ़ा,निफ्टी 24,700 के पार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भू-राजनीतिक तनाव में कमी के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के चलते सोमवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी देखी गई। विदेशी निधियों के प्रवाह ने भी बाजारों के आशावाद को बढ़ावा दिया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक या 0.70 प्रतिशत बढ़कर 78,639.03 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसमें 800.46 अंक या एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 78,895.10 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 390.70 अंक या 1.60 प्रतिशत चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का क्या हाल?

सेंसेक्स समूह से इंटरग्लोब एविएशन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, इटरनल, आईटीसी और एक्सिस बैंक प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। सन फार्मा, भारती एयरटेल, मारुति और टाटा स्टील पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। लगातार चार महीनों की बिकवाली के बाद, विदेशी निवेशकों ने जुलाई में भारतीय शेयरों में शुद्ध खरीदारी शुरू कर दी और आकर्षक मूल्यांकन, बेहतर कॉर्पोरेट आय और वैश्विक प्रतिकूलताओं में कमी के चलते 20,200 करोड़ रुपये का निवेश किया।डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई। रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 95.31 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने मुद्रास्फीति और कंपनियों की आय को लेकर चिंताओं को कम करके बाजारों को राहत प्रदान की। विदेशी निवेशकों के निवेश में उछाल और रुपये के मजबूत होने से बाजार की भावना को और मजबूती मिली, हालांकि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि उभरते बाजारों में विदेशी निवेश की स्थिरता के लिए एक प्रमुख जोखिम बनी हुई है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 5.12 प्रतिशत गिर गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक भी नीचे बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक ऊपर चढ़कर बंद हुआ। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.62 प्रतिशत गिरकर 83.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

कमजोर डॉलर से सोने और चांदी में तेजी

कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,511 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,002 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10:20 पर यह 403 रुपए या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,41,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,550 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,42,002 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,198 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,17,995 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी 2,149 रुपए या 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,347 रुपए प्रति किलो पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,683 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,399 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,120 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.51 डॉलर प्रति औंस पर थी। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना है। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध रुकने से कच्चे तेल की कीमत नीचे आई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की मांग घट गई है और डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है। डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल में भी कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक, कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 5.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83.20 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.06 डॉलर प्रति बैरल पर था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क----	04-42 बजे
चंद्र	मीन	मे	सिंह----	06-58 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या---	09-04 बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला-----	11-10 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक---	13-20 बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु-----	15-34 बजे
शनि	मीन	मे	मकर---	17-40 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ----	19-30 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन----	21-08 बजे
			मेष-----	22-44 बजे
			वृष------	00-30 बजे
			मिथुन---	02-30 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त 18-48
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष मंगलवार 04 August 2026
तिथि - षष्ठी 22-03 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - रेवती 21-54 तक उप अश्विनी
योग - धृति 19-33 रात्रि तक उप शूल
करण - गर 10-32 तक उप वणिज

विशेष: रेवती नक्षत्र शांति, पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-35 से 17-11 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-56 - 07-34	अशुभ	काल	18-48 - 20-11	अशुभ
उत्पात	07-34 - 09-10	अशुभ	लाभ	20-11 - 21-35	शुभ
चंचल	09-10 - 10-46	शुभ	उत्पात	21-35 - 22-58	अशुभ
लाभ	10-46 - 12-22	शुभ	शुभ.	22-58 - 00-22	शुभ
अमृत.	12-22 - 13-58	शुभ	अमृत	00-22 - 01-46	शुभ
काल	13-58 - 15-35	अशुभ	चंचल	01-46 - 03-10	शुभ
शुभ	15-35 - 17-11	शुभ	रोग	03-10 - 04-34	अशुभ
रोग	17-11 - 18-48	अशुभ	काल	04-34 - 05-56	अशुभ

इनकम टैक्स रिफंड में देरी? आपने तो नहीं कर दी ये गलतियां, अभी समझ लें

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। हर टैक्सपेयर ने 31 जुलाई 2026 तक आईटीआर दाखिल कर दिया होगा, क्योंकि यही इसकी लास्ट डेट थी. अब रिटर्न फाइल करने के बाद हर टैक्सपेयर अपने रिफंड का इंतजार कर रहा होगा. कई लोगों के अकाउंट में रिफंड आ भी गया होगा, लेकिन हो सकता है अभी कई टैक्सपेयर अपने रिटर्न का इंतजार कर रहे हो. अगर आपका रिफंड अब तक नहीं आया है, तो इसे नजरअंदाज न करें. कई बार कुछ गलतियों की वजह से भी रिफंड आने में देरी हो सकती है. इसलिए बेहतर है कि रिफंड न आने के पीछे के कुछ कारण को जान लीजिए.

गलत डिटेल्स मिलने पर भी नहीं आएगा रिफंड

अगर सैलरी, टीडीएस या फिर अन्य आय की जानकारी में किसी भी तरह का अंतर मिलता है तो रिटर्न की जांच की जा सकती है, जिसकी वजह से भी रिफंड आने में समय लगता है. इसके अलावा अगर आईएफएस कोड गलत होने पर या फिर बैंक अकाउंट नंबर गलत मिलने पर भी रिफंड ट्रांसफर फेल हो सकता है.

पैन कार्ड का बैंक अकाउंट से लिंक न होना

अगर आपने अपने बैंक अकाउंट को पैन कार्ड के साथ लिंक नहीं करवाया हुआ है तो यह भी रिंफड न आने का एक कारण हो सकता है. इसके लिए सबसे पहले आप पैन कार्ड को अपने बैंक अकाउंट से लिंक करवाएं.

क्या आपने आईटीआर वेरिफाई किया था या नहीं?

अगर आप यह सोच रहे हैं कि आईटीआर दाखिल करने के बाद रिटर्न आ जाएगा तो आप गलत हैं.इसके लिए रिटर्न को ई-वेरिफाई करना भी जरूरी होता है.अगर आप इस प्रोसेस को पूरा नहीं करते हैं तब तक इनकम टैक्स विभाग रिटर्न का प्रोसेस शुरू नहीं करता है.ई-वेरिफिकेशन करने के बाद ही रिफंड मिलता है.

कहीं आपके पैन कार्ड में गलती तो नहीं?

अगर आपके बैंक अकाउंट के नाम में और पैन कार्ड के नाम में कोई अंतर है तो बैंक रिफंड ट्रांसफर रिजेक्ट कर सकता है. रिफंड केवल उसी अकाउंट में भेजा जाता है, जिसमें सभी जानकारी सही हो.

सरकार ने बैन की ओल्ड मॉन्क लेकर मैकडॉवेल्स समेत ये शराब, फ्लेवर और ऐज के भ्रामक दावों का आरोप

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने कहा है कि फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ने कुछ शराब कंपनियों के ख़िलाफ़ जो कार्रवाई शुरू की है, वह फ़्लेवरिंग एजेंट के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर उम्र से जुड़े उन दावों से संबंधित है जो कथित तौर पर गुमराह करने वाले हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि शराब बनाने वाली कुछ कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। इन कंपनियों पर आरोप है कि वे खाद्य सुरक्षा से जुड़े मौजूदा नियमों का पालन नहीं कर रही हैं; इनमें ऐसे फ्लेवर का इस्तेमाल भी शामिल है जो रम और व्हिस्की जैसे आम अल्कोहलिक ड्रिंक्स की असली खुशबू और स्वाद की नकल करते हैं। मंत्रालय ने बताया कि जांच में पता चला है कि कुछ निर्माता मुख्य रूप से स्पिरिट या एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल से शराब बना रहे थे और फिर उसमें बाहरी फ्लेवर मिला रहे थे, ताकि रम और व्हिस्की जैसे उत्पादों जैसी खुशबू और स्वाद मिल सके। मंत्रालय ने कहा, ऐसे उत्पाद न केवल घटिया क्वालिटी के होते हैं, बल्कि स्टैंडर्ड कैटेगरी के नामों का इस्तेमाल करके उन्हें गलत तरीके से पेश भी किया जाता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ग्राहकों को पैकेजिंग के सामने वाले हिस्से पर उत्पाद की असलियत के बारे में ठीक से जानकारी नहीं दी गई थी। मंत्रालय ने बताया कि कई मैन्युफैक्चरर्स की रम और व्हिस्की के सैंपल की लैब टेस्टिंग में बाहरी आर्टिफिशियल या नेचर-आइडेंटिकल फ्लेवर पाए गए। एक लैब रिपोर्ट का हवाला देते हुए, मंत्रालय ने कहा कि ऐसे फ्लेवर मिलाने से प्रोडक्ट का नैचुरल स्वाद छिप जाता है, जिससे मौजूदा नियमों के तहत इसकी क्वालिटी खराब हो जाती है। सरकार ने 'ओल्ड मोंक एक्सएक्सएक्स रम' के एक वेरिएंट पर 7-साल पुरानी ब्लेंडेड होने के दावे को भी गलत बताया और इसे गुमराह करने वाला करार दिया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (अल्कोहलिक बेवरेजेज) रेगुलेशंस, 2018' के तहत, ब्लेंडेड स्पिरिट की उम्र का दावा उस ब्लेंड में मौजूद सबसे कम उम्र की स्पिरिट के आधार पर तय किया जाता है। लैब रिपोर्ट के आधार पर, एफएसएसएआई ने मोहन रॉकी स्प्रिंगवॉटर की खोपोली यूनिट, यूनाइटेड स्पिरिट्स की बारामती फैसिलिटी, मध्य प्रदेश में आईएनबीआरईडब्ल्यू बेवरेजेज़, मध्य प्रदेश में एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रुअरीज और मध्य प्रदेश में यूनाइटेड स्पिरिट्स की एक यूनिट द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट्स की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए।

पायलट से सीईओ तक, संकट के बीच विली वॉल्श ने संभाली इंडिगो की कमान

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को नया सीईओ मिल गया है. ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री के अनुभवी अधिकारी विली वॉल्श ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर कंपनी का कार्यभार संभाल लिया. मार्च 2026 में ही उनके नाम का ऐलान किया गया था. विली वॉल्श के पास एविएशन सेक्टर में चार दशक से ज्यादा का अनुभव है. सीईओ के तौर पर अब वह एयरलाइन की रणनीति, ऑपरेशन, नेटवर्क विस्तार और कमर्शियल फैसलों की जिम्मेदारी संभालेंगे. अब नए सीईओ सामने इंडिगो के अंतरराष्ट्रीय विस्तार को आगे बढ़ाने और परिचालन को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी होगी.

कौन हैं विली वॉल्श?

विली वॉल्श ने अपने करियर की शुरुआत आयरलैंड की एयरलाइन एयर लिंगस में पायलट के रूप में की थी. बाद में वह उसी एयरलाइन के सीईओ बने. इसके बाद उन्होंने ब्रिटिश एयरवेज और फिर इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप का नेतृत्व किया। इंडिगो से पहले वह इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन -आईएटीए के डायरेक्टर जनरल थे. उनका कार्यकाल 31 जुलाई 2026 को समाप्त हुआ.

किस समय मिली है जिम्मेदारी?

विली वॉल्श ऐसे समय इंडिगो की कमान संभाल रहे हैं जब एयरलाइन हाल के महीनों में बड़े संकट का सामना कर चुकी है. दिसंबर 2025 में पायलटों के ड्यूटी और आराम से जुड़े नए नियम लागू होने के बाद इंडिगो को हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं. इसके बाद डीजीसीए ने एयरलाइन पर जुर्माना लगाया और उसका शेड्यूल भी घटाया था.इसी बीच 10 मार्च 2026 को तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स ने निजी कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था. उनके जाने के बाद से सह-संस्थापक राहुल भाटिया अंतरिम रूप से कंपनी का कामकाज देख रहे थे.

इंडिगो की घरेलू बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है. ऐसे में नए सीईओ के सामने सबसे बड़ी चुनौती परिचालन को स्थिर रखना, लगातार बढ़ रहे विमान बेड़े का प्रबंधन करना और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर एयरलाइन के विस्तार की योजना को आगे बढ़ाना होगा.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप आत्मविश्वास और जोश से भरे हुए हैं, जिससे यह आपके करियर या पढ़ाई में आगे बढ़ने का एक बेहतरीन समय है। भावनात्मक रूप से जुड़ने की आपकी क्षमता टीमवर्क को बढ़ाती है, जबकि तीव्र मानसिक ध्यान आपको जटिल कार्यों से निपटने में मदद करता है। इस गति का उपयोग विस्तार-उन्मुख रहने और स्पष्टता और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए करें।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
आज आपका आत्मविश्वास आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देगा, लेकिन संयमित रहना महत्वपूर्ण है। भावनात्मक तीव्रता आवेगपूर्ण प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकती है, खासकर चुनौतीपूर्ण कार्यों या बातचीत के दौरान। तनाव पैदा हो सकता है, जो आपके धैर्य और नियंत्रण की भावना का परीक्षण करेगा।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने निर्णयों में आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं, हालाँकि एक भावुक मनोदशा आपकी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। आत्म-दया सतह पर आ सकती है, लेकिन बोल्ड भावनात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाती है। आप प्रियजनों के साथ निकटता की लालसा करेंगे, क्योंकि स्नेह आसानी से बहता है। अपने आस-पास के वातावरण को सुंदर बनाने की तीव्र इच्छा भी एक केंद्रीय फोकस बन सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने काम या पढ़ाई में तथ्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और ज़मीन पर टिके रहें। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, इसलिए व्यावहारिक लक्ष्यों पर भरोसा करें। स्पष्ट संचार आपको ग़लतफ़हमियों से बचने में मदद करेगा। ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से दूर रहें और पूरे दिन उत्पादक बने रहने के लिए अपनी अनुशासित मानसिकता का उपयोग करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप अपने काम में गर्मजोशी और मौलिकता का मिश्रण देख सकते हैं। आपकी बातचीत देखभाल और सहानुभूति से प्रेरित होगी, जबकि नए विचार आपकी दिनचर्या में उत्साह लाएंगे। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, लेकिन आपका गहरा जुनून और रचनात्मक प्रतिभा चमकेगी। अपनी कलात्मक प्रवृत्ति को आगे बढ़ने दें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन आपके काम के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आज आपका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा। आप खुद को गहरी दूरदर्शिता के साथ पाएंगे, अक्सर सही समय पर सही जगह पर। हालाँकि, खुद को दूसरों के नियंत्रण से दूर रखें। आपकी सफल संचार कौशल चमकेगी, जिससे आपको अपने लक्ष्यों पर टिके रहने में मदद मिलेगी।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा)
बढ़ी हुई जीवन शक्ति आपके भावनात्मक जीवन को सबसे आगे ला सकती है, जो आपके करियर में आपके फोकस और निर्णयों को दृढ़ता से प्रभावित करती है। यह दिन भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है, संभवतः आपके पेशेवर संबंधों को प्रभावित करता है। आपके पास उत्साह और स्वतंत्रता की भावना भी होगी।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका आत्मविश्वास रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है, जबकि निरंतर प्रयास चुनौतियों से पार पाने में मदद करता है। अनावश्यक विवादों से बचने के लिए अपने पेशेवर संबंधों में सामंजस्य बनाए रखें। नए तरीकों और विचारों के लिए खुले रहें, खासकर जब आप दबाव में हों।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक आज से शुरू, ब्याज दरों की होगी समीक्षा

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इस बैठक में ब्याज दरों (रेपो रेट) के साथ देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

इस बैठक के फैसलों का ऐलान बुधवार को आबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से सुबह 10 बजे किया जाएगा।

आरबीआई एमपीसी की द्विमासिक बैठक ऐसे समय पर हो ही है, जब दुनिया वैश्विक अस्थिरता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने और बॉन्ड यील्ड के उच्च स्तर पर जाने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

कई विश्लेषकों का मानना है कि छह सदस्यों वाली आरबीआई एमपीसी अगस्त में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रख सकती है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि आरबीआई अपनी अगली बैठक में पॉलिसी रेट्स को अपरिवर्तित रख सकता है, क्योंकि अगले दो तिमाहियों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 5 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि घरेलू आर्थिक गतिविधि में मजबूती के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो पहले के अनुमानों से अधिक है। इसके अलावा, तेल की कीमतों में अस्थिरता, रुपए पर दबाव और बाहरी पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के कारण केंद्रीय बैंक से स्पष्ट रूप से नरम टिप्पणी आने की संभावना नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मजबूत पूंजी प्रवाह, विदेशी मुद्रा भंडार में सुधार, बेहतर मानसून की स्थिति और लगभग सामान्य जलाशय स्तरों के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था के आधारभूत कारकों में सुधार हुआ है।

इससे पहले जून में हुई आरबीआई एमपीसी की बैठक ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा था और अपने पॉलिसी रुख को न्यूट्रल रखा था। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान भी संशोधित कर 6.6 प्रतिशत कर दिया था।

यूजीसी नियमों के विरोध पर करणी सेना का बड़ा प्रदर्शन

कलक्ट्रेट पहुंचने से पहले पुलिस ने चलाए वॉटर कैनन

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में सोमवार को यूजीसी के नए नियमों के विरोध में श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने बड़ा प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक तनातनी रही। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस प्रदर्शन में सिर्फ जयपुर ही नहीं, बल्कि बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही कालवाड़ रोड और आसपास के इलाकों में समर्थकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आगे बढ़ रहे थे। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर किया गया है।

रैली आगे बढ़ रही थी, लेकिन पुलिस ने बीच रास्ते में बैरिकेड्स लगा दिए। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश कर रही थी लेकिन रैली में शामिल लोग आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे थे जिस वजह से माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसके चलते पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान कुछ लोगों ने वैन में घुसने की भी कोशिश की। जानकारी के अनुसार, इस दौरान भीड़ में एक एंबुलेंस भी फंस गई थी, लेकिन लोगों ने एंबुलेंस को जगह देते हुए बाहर निकाला।

यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने करीब 24 दिन पहले इस यात्रा की शुरुआत की थी। वे जयपुर से रवाना होकर बीकानेर के देशनोक स्थित करणी माता मंदिर पहुंचे। वहीं से 'सवर्ण न्याय यात्रा' की शुरुआत हुई, जो कई जिलों से गुजरते हुए रविवार को जयपुर पहुंची।

आपको बता दें कि शनिवार को जयपुर आने से पहले यात्रा के दौरान महिपाल सिंह मकराना की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। हालांकि, तबीयत खराब होने के बावजूद उन्होंने यात्रा बीच में नहीं छोड़ी और व्हीलचेयर पर बैठकर आगे बढ़ते रहे।

हनुमान बेनीवाल भरी सभा में भड़के

गुस्से में मंच पर माइक फेंका, कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चले गए

चूरू, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल रविवार देर रात चूरू जिले के छापर में पार्टी कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे, लेकिन समारोह के दौरान अचानक ऐसा घटनाक्रम हुआ कि माहौल ही बदल गया। गुस्साए बेनीवाल मंच पर ही अपना आपा खो बैठे। उन्होंने गुस्से में माइक फेंक दिया और कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर रवाना हो गए। इस घटनाक्रम से कार्यक्रम स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं में हड़कंप मच गया। यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल, चूरू जिले के छापर में पार्टी कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हनुमान बेनीवाल मंच से संबोधित करते हुए राजनीतिक विरोधियों पर हमला बोल रहे थे। तभी कुछ युवाओं ने शोर मचाना शुरू कर कर दिया। इस पर हनुमान बेनीवाल नाराज हो गए। उन्होंने कई बार युवाओं को शांत रहने की नसीहत दी। लेकिन, युवा नहीं माने तो उन्होंने वहां से जाने का मन बना लिया।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल रात करीब 11.30 बजे आरएलपी के कार्यालय का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे। जहां पर उन्होंने करीब 45 मिनट तक मंच से भाषण दिया। भाषण के बीच उन्होंने चूरू की राजनीति का भी जिक्र किया। भाषण के बीच कुछ युवा लगातार शोरगुल करते रहे। हनुमान बेनीवाल के बार-बार टोकने पर भी युवा नहीं माने और शोरगुल करते रहे। इस पर हनुमान बेनीवाल ने कहा कि मैं दोबारा यहां नहीं आऊंगा। अभी बिना भाषण दिए चला जाऊंगा। उन्होंने मंच से पूछा, क्या किसी विरोधी ने तुम्हें भेजा है? कौन हो तुम लोग? इन्हें चुप कराओ। शर्म नहीं आती।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंच से चूरू की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि इस जिले की राजनीति की वजह से मेरी राजस्थान में जगह-जगह दुश्मनी हो गई। जब चूरू के लोगों को मारा गया, तो मैं उनके साथ आया। चूरू के नेता तो कोई बीजेपी में चला गया तो कोई कांग्रेस में शामिल हो गया। तभी शोर मचाने वालों पर भड़क गए और कहा कि लोग तुम्हें सड़कों पर मार रहे हैं, पीट रहे हैं, फिर भी तुम समझदार नहीं बन रहे हो। ये स्कूल के बच्चों को क्यों पकड़कर लाए? यहां क्यों बिठाया है? फिर बोले की अब भाषण नहीं दूंगा। इसके बाद हनुमान बेनीवाल ने मंच पर माइक फेंक दिया और कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चले गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रहे है। रघु बिश्नोई नाम के यूजर्स ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि क्या एक नेता अपने समर्थकों की उत्साही तक सहन नहीं कर सकता।

पाकिस्तान की नई साजिश? जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी महिला गिरफ्तार, हरियाणा की यूट्यूबर भी जांच के घेरे में

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान समर्थित आतंकी और जासूसी नेटवर्क ने भारत के खिलाफ अपनी रणनीति में खतरनाक बदलाव किया है। पहले जहां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और उसकी महिला एजेंट मुख्य रूप से पुरुषों को फंसाकर सामरिक सूचनाएं जुटाती थीं वहीं अब सुरक्षा एजेंसियों के सामने ऐसे संकेत मिले हैं कि जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन महिलाओं को जोड़कर 'स्लीपर सेल' तैयार कर रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार सोशल मीडिया, भावनात्मक रिश्ते, धार्मिक प्रभाव और ऑनलाइन संपर्क इनके नए हथियार बन चुके हैं, जिनका मकसद भारत में किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देना है। एजेंसियां अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, विदेशी नंबरों से संपर्क और डिजिटल बातचीत पर विशेष निगरानी रख रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि आतंकी संगठन अपनी पहचान छिपाने और सुरक्षा तंत्र को चकमा देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बबीता (जयपुर): राजस्थान एटीएस ने जून 2026 में जयपुर निवासी बबीता को गिरफ्तार किया। राजस्थान में इस तरह के मामले में किसी महिला की यह पहली गिरफ्तारी है। उस पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्रवाई की गई है और उसके डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच जारी है।

अर्पिता सरकार (पश्चिम बंगाल): पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने जैश से जुड़े संदिग्ध मोहम्मद हमीम मंडल की सहयोगी अर्पिता सरकार को दबोचा। अन्य मामले: यूपी की मीरा और हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति का नाम भी पाकिस्तानी खुफिया नेटवर्क और संचालकों से कथित संबंधों को लेकर जांच के दायरे में है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, आतंकी संगठनों की यह रणनीति जांच एजेंसियों के लिए नई चुनौती बन रही है। पहले जहां ऐसे नेटवर्क में सीमित लोगों को शामिल किया जाता था, वहीं अब ऑनलाइन माध्यमों से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा रही है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तानी नेटवर्क अब केवल जासूसी तक सीमित नहीं है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और वाट्सऐप पर फर्जी पहचान बनाकर पहले महिलाओं से दोस्ती की जाती है।

'क्या चौथी बार अशोक गहलोत की सरकार बनेगी?

मीडिया के तीखे सवाल पर पूर्व सीएम ने दिया बेबाक जवाब

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के भीतर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच छिड़ी जुबानी और रणनीतिक खींचतान ने सूबे की सियासत को पूरी तरह गरमा दिया है। हाल ही में पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा पहले गहलोत के आवास पर जॉइनिंग करने और 'चौथी बार गहलोत सरकार' के नारे लगाने पर डोटासरा ने तंज कसा था कि कांग्रेस किसी व्यक्ति की इंडिविजुअल ब्रांडिंग से नहीं चलती। इस पृष्ठभूमि और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा गुटबाजी के लग रहे आरोपों पर जोधपुर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया के सामने स्थिति साफ की है। गहलोत ने एक तरफ जहां डोटासरा का बचाव करते हुए बीजेपी पर उन्हें 'झूठा बदनाम' करने का आरोप लगाया, वहीं समर्थकों द्वारा लगाए जा रहे नारों और डोटासरा के साथ रिश्ते पर बेबाक जवाब दिया।

जोधपुर में 'चौथी बार गहलोत सरकार' के नारों को लेकर पूछे गए सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि वे कार्यकर्ताओं को ऐसी नारेबाजी से रोकने की कोशिश करते हैं। गहलोत ने कहा, यह तो मैं ढाई साल से कार्यकर्ताओं को कह रहा हूं कि ऐसे नारे न लगाएं। कल तो कार्यकर्ताओं ने अति उत्साह में नारे लगा दिए, यह केवल 'एक्शन का रिएक्शन' था।

पूर्व सीएम ने कहा, जब हम साथ चलते हैं- जैसे डोटासरा जी भी पैदल मार्च में साथ चल रहे थे और लोग केवल मेरे जिंदाबाद के नारे लगाते हैं, तो मुझे खुद मन में बहुत संकोच होता है कि किसी और के नारे नहीं लग रहे हैं। उन्होंने आगे जोड़ा कि कार्यकर्ताओं के दिल में जो भावना होती है, वे जुबान पर लाते हैं, उसे जबरन कैसे रोका जा सकता है? हालांकि, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह फैसला हमेशा पार्टी हाईकमान ही करता है। गहलोत-डोटासरा के बीच दरार और बीजेपी द्वारा इसे भुनाने की कोशिशों पर आक्रामक रुख अपनाते हुए गहलोत ने डोटासरा का मजबूती से पक्ष लिया। पूर्व सीएम ने कहा कि विपक्ष का काम केवल झूठा नैरेटिव और परसेप्शन तैयार करना है। वे जानबूझकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लड़ाना और पीसीसी अध्यक्ष को बदनाम करना चाहते हैं।

'चौथी बार गहलोत सरकार, कोई शक?'

मीडिया ने जब सवाल में पूछा कि क्या आपको डाउट है चौथी बार गहलोत सरकार पर? तो जवाब में पूर्व सीएम ने कहा, ''यह काम हमारा है ही नहीं। जो काम हमारे हाथ में नहीं हो, उसके बारे में हम बात करें ही क्यों? यह काम सिर्फ हाई कमांड का होता है और लगातार हाई कमांड चुनाव के बाद में, चुनाव के पहले जो माहौल देखती है प्रदेशों के अंदर, कोई प्रदेश हो, पब्लिक का क्या मिजाज है, जीत के आए विधायक क्या प्रकट कर रहे हैं, क्या अपनी राय दे रहे हैं? हाईकमांड सर्वे भी करवाता है। सब जगह राज्यों के अंदर लगातार सर्वे चलते रहते हैं। हर पार्टी के। खाली कांग्रेस की बात नहीं है, तो उनके पास तो पल पल की खबर रहती है।' गहलोत ने आगे कहा, 'पांच साल के सर्वे चलते हैं, राज्यों में क्या काम हो रहा, नहीं हो रहा है।

दर्दनाक हादसा

हवा में कई फीट उछला बाइक सवार रौंदते हुए फरार हुआ थार चालक

अजमेर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर जिले के किशनगढ़ में सोमवार को एक तेज रफ्तार थार वाहन की लापरवाही ने सड़क पर दहशत फैला दी। अजमेर रोड स्थित चेतन प्रभु गेस्ट हाउस के पास एक थार चालक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार कई फीट दूर उछलकर सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद थार चालक घायल को सड़क पर तड़पता छोड़ मौके से फरार हो गया। भागते समय उसने घायल की बाइक को भी रौंद दिया, जिससे वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के दौरान स्थानीय निवासी देवराज टांक (बंटी) ने मानवता का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए घायल को तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। पूरी घटना पास की एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में हादसे के बाद थार चालक का मौके से फरार होना साफ दिखाई दे रहा है।

बैंक मैनेजर से लूट: अपार्टमेंट की लिफ्ट में पिस्टल की नोक पर बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। जयपुर के एक अपार्टमेंट में यूको बैंक के शाखा प्रबंधक को निशाना बनाते हुए दो नकाबपोश बदमाशों ने लिफ्ट के भीतर पिस्टल दिखाकर उनसे जेवरात लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

बिना नंबर की सफेद रंग की स्कूटी पर बैठकर जाते हुए आरोपी सीसीवीटी कैमरे में कैद भी हुए है। पुलिस ने सूचना मिलते ही नाकाबंदी करवाई, लेकिन आरोपियों का पता नहीं चल सका। वारदात से पहले लुटेरों ने पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर से भी छेड़छाड़ की थी।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने बताया कि यूको बैंक के शाखा प्रबंधक जवाहर नगर स्थित सिंधी कॉलोनी निवासी नवीन कुमार शर्मा सोमवार सुबह घर पर साईं कृपा अपार्टमेंट की लिफ्ट में पहुंचे। तभी पीछे से नकाबपोश दो लुटेरे भी लिफ्ट में घुस गए।

लुटेरों ने चौथी मंजिल पर जाना बताया और लिफ्ट चलने के दौरान आरोपियों ने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी और गले से सोने की चेन तथा हाथ की अंगूठियां उतरवा लीं।

लिफ्ट को वापस भूतल पर ले आए और अपार्टमेंट के बाहर खड़ी स्कूटी पर बैठकर भाग गए। लिफ्ट में स्थानीय एक किशोरी भी थी। किशोरी भी डर गई। एडिशनल डीसीपी पारस जैन ने बताया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जुटी है। घटना के बाद बैंक मैनेजर सीढ़ियों के रास्ते अपने फ्लैट तक पहुंचे और परिवार के सदस्यों को वारदात के बारे में बताया। पीड़ित नवीन कुमार के परिजनों ने बताया कि घटना से सभी लोग दहशत में आ गए। पुलिस जांच में सामने आया कि अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे खराब थे, जिसके कारण लिफ्ट क्षेत्र की कोई फुटेज उपलब्ध नहीं हो सकी। हालांकि, आसपास की इमारतों में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालने पर 2 संदिग्ध सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी पर तेज गति से मौके से फरार होते दिखाई दिए।

मदद का झांसा देकर एटीएम कार्ड बदलने वाले गिरोह के 2 शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। एटीएम बूथ में मदद का झांसा देकर लोगों का कार्ड बदलने वाले गिरोह के दो शातिरों को मालपुरा गेट थाना पुलिस ने दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी सुरेन्द्र सांसी (42) और सचिन कुमार (27) रिश्ते में जीजा-साले हैं और हरियाणा के भिवानी के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी जयपुर के अलावा दूसरे शहरों में भी वारदात को अंजाम दे चुके है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पीड़ित सुनील कुमार बैरवा ने जयपुर के सांगानेर स्थित एसबीआइ के एटीएम बूथ पर 10 हजार रुपए निकाले थे। पीछे खड़े ठग ने मदद का नाटक कर बातों में उलझाया और चुपके से उनका एटीएम कार्ड अपने पास मौजूद दूसरे कार्ड (दीपेश ठाडे के नाम वाले) से बदल दिया। पीड़ित के घर पहुंचते ही खाते से 10-10 हजार के तीन ट्रांजैक्शन हुए और खाते में महज 782 रुपए बचे। सीसीटीवी फुटेज से दोनों दबोचे गए।

वारदात का हैरान करने वाला तरीका

सॉफ्ट टारगेट: आरोपी बुजुर्गों, महिलाओं और कम पढ़े-लिखे लोगों पर नजर रखते थे।

पिन पर नजर व स्क्रीन का खेल: पीछे खड़े होकर गुप्त पिन नंबर देख लेते, फिर स्क्रीन पर 'कार्डलेस' बटन दबाकर मशीन की प्रक्रिया बदल देते। पीड़ित के भ्रमित होते ही असली कार्ड पार कर फर्जी कार्ड थमा देते।

छीनाझपटी व फरार: अगर कोई पकड़ लेता तो जबरन कार्ड छीनकर भाग निकलते।

वारदात के बाद हाईवे से नहीं जाते: आरोपी बाइक से आते थे और पकड़े जाने से बचने के लिए हाईवे के बजाय अंदरूनी गलियों से घूमकर दूसरे शहरों में ठिकाना बदलते थे।

इधर, मालपुरा गेट थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आशु गुर्जर उर्फ रवि (27) निवासी वाटिका (सांगानेर सदर) है। इलाके से वाहन चोरी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में मिले हुलिए और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर आरोपी की निशानदेही से चोरी की तीनों बाइक बरामद कर ली गईं।

घोटाला करके फरार हुए पति-पत्नी 8 साल बाद गिरफ्तार

2018 में फर्जी पट्टों पर लिया था करोड़ों रुपए का बैंक लोन

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के बहुचर्चित दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लोन घोटाले में माणकचौक थाना पुलिस ने साल 2018 से फरार चल रहे 10-10 हजार रुपए के इनामी आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैंक से करोड़ों रुपए का लोन स्वीकृत करवाकर गबन करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लगातार ठिकाने बदल रहे थे, लेकिन तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस उनकी लोकेशन तक पहुंचने में सफल रही।

डीसीपी (नॉर्थ) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रमोद शर्मा (65) और उनकी पत्नी सिंधु शर्मा (50) हैं। दोनों जयपुर के झोटवाड़ा की स्वर्ण कॉलोनी के निवासी हैं तथा मूलतः फुलेरा के रहने वाले हैं।

दोनों पर पहले से ही न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके थे। लगातार फरार रहने के कारण पुलिस ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। गिरफ्तारी के बाद दोनों से घोटाले में उनकी भूमिका और अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 28 सितंबर 2018 को बैंक के ऋण प्रभारी सादत अली ने मामला दर्ज कराया था। जांच में सामने आया कि बैंक की तत्कालीन अध्यक्षा डॉ. फिरोजा बानो, बैंक अधिकारियों, ऋणियों, गारंटरों व अधिवक्ताओं सहित कुल 59 आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र रचा। इन्होंने फर्जी हाउसिंग सोसायटियों के पट्टे और विवादित संपत्तियों के दस्तावेज गिरवी रखकर नियमों के खिलाफ 13 ऋण खाते स्वीकृत कराए और करोड़ों रुपए हड़प लिए।

जांच में यह भी सामने आया कि लोन स्वीकृति के दौरान बैंक के निर्धारित नियमों और दस्तावेजों के सत्यापन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसी का फायदा उठाकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बड़ी राशि के ऋण स्वीकृत कराए गए। पुलिस का कहना है कि मामले में पहले भी कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और शेष फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

नशेड़ी बनकर फुटपाथ पर लेट जाते, रात में सूने मकानों को बनाते निशाना, महिला सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

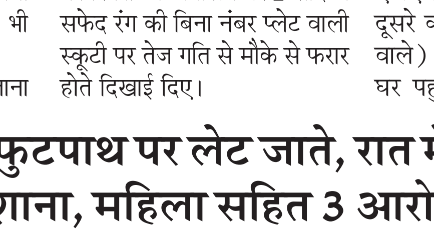

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सूने मकानों में सेंधमारी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए खोराबीसल थाना पुलिस ने महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से ज्वैलर के घर से चुराए गए करीब 11 किलोग्राम चांदी के आभूषण, बर्तन, सिल्ली के टुकड़े और जस्ता बरामद किया है। चोरी का माल आरोपी मित्र के घर से मिला। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया कि 25 जुलाई की रात बैनाड़ रोड (श्रीराम नगर) में ज्वैलर लालचंद स्वामी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर व सिल्ली पार कर दी थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जयपुर के विद्याधर नगर के एक पार्क से दो आरोपियों को दबोचा।

पूछताछ के बाद चोरी का माल छिपाने वाली उनकी महिला मित्र को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता के मुताबिक आरोपी रात में पैदल घूमकर ताला लगे मकानों की रैकी करते थे। वारदात के बाद पार्क में महिला मित्र को बुलाकर माल सौंप देते और खुद पार्क या फुटपाथ पर सो जाते। यदि कोई टोकता तो मुख्य आरोपी नशेड़ी होने का नाटक कर जमीन पर लेट जाता था। मुख्य आरोपी के खिलाफ चोरी व नकबजनी के डेढ़ दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

25 लाख में जेईएन भर्ती का पेपर खरीदने वाला गिरफ्तार

अतुल मीणा

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 (पुनः परीक्षा 12 सितंबर 2021) का प्रश्न-पत्र लीक होने के मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसओजी ने पर्चा खरीदकर सरकारी नौकरी पाने वाले जल संसाधन विभाग, उपखण्ड कोटा में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता अतुल मीणा को गिरफ्तार किया है। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक अजयपाल लांबा के निर्देशन, उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरविजन और पुलिस अधीक्षक कुन्दन कंवरिया के नेतृत्व में की गई है। मामले की जांच में सामने आया कि वर्ष 2020 में निरस्त हुई परीक्षा के बाद 12 सितंबर 2021 को पुनः आयोजित कनिष्ठ अभियंता (सिविल डिग्री) भर्ती परीक्षा का प्रश्न-पत्र भी परीक्षा से पहले ही पेपर माफिया तक पहुँच गया था। इस संबंध में एसओजी थाने में 19 जनवरी 2026 को नया मामला (प्रकरण संख्या 03/2026) दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त हर्षवर्धन कुमार मीणा उर्फ पटवारी ने पूछताछ में कबूल किया कि उसने अतुल मीणा सहित कई अभ्यर्थियों को परीक्षा से पूर्व हल किया हुआ प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराया था।

दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझी, संपत्ति के लालच में मुंहबोले बेटे ने ही की मां-बेटी की हत्या

उदयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के वल्लभनगर थाना क्षेत्र के मुण्डोल गांव में हुई मां-बेटी की सनसनीखेज दोहरी हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतका लूंगा बाई के मुंहबोले बेटे जयमीन उर्फ बंटी दवे (37) को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी की नजर वृद्ध महिला की संपत्ति पर थी। जब महिला ने संपत्ति उसके नाम करने से इंकार कर दिया, तो उसने लूट और हत्या की साजिश रच डाली।

उदयपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 70 वर्षीय लूंगा बाई अपनी मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी अमरी बाई (47) के साथ गांव में अकेली रहती थीं। उनके पति और बेटे का पहले ही निधन हो चुका था। परिवार में कोई प्रत्यक्ष वारिस नहीं होने का फायदा उठाते हुए जयमीन दवे ने करीब एक वर्ष पहले उनके घर आना-जाना शुरू किया और खुद को उनका धर्मपुत्र (मुंह बोला बेटा) बना लिया। उसकी मंशा महिला की संपत्ति का वारिस बनने की थी।

पुलिस के अनुसार जब लूंगा बाई ने अपनी संपत्ति आरोपी के नाम करने से मना कर दिया तो उसने उन्हें रास्ते से हटाने की योजना बना ली। आरोपी भारी कर्ज में डूबा हुआ था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इसी कारण शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात वह घर में घुसा और धारदार हथियार से मां-बेटी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों की गर्दन और सीने पर कई वार किए गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी घर में रखे सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया।

प्रमुख योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समन्वय महत्वपूर्ण है: सीएस

हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने कहा कि राज्य सरकार की प्रमुख विकास योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। बैठक में विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, विकास राज, महेश दत्त एक्का, सब्यसाची घोष, वाणी प्रसाद, दाना किशोर और नवीन मित्तल उपस्थित थे; प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया, अहमद नदीम, क्रिस्टीना जेड चोंगथू, और रघुनंदन राव; और सचिव गौरव उप्पल, हरिचंदना, बाला मायादेवी, सुरेंद्र मोहन और इलांबरथी बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने बताया कि सरकार विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों की प्रगति, लक्ष्यों और कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए एक व्यापक डैशबोर्ड स्थापित कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इन योजनाओं और कार्यक्रमों के उद्देश्यों की समयबद्ध प्राप्ति की निगरानी और सुविधा प्रदान करने के लिए एक स्पीड सेल की स्थापना की जा रही है। मुख्य सचिव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जल्द ही सचिवों के साथ एक समीक्षा बैठक करेंगे, जिसमें प्रमुख योजनाओं के प्रदर्शन, विभागीय उपलब्धियों, लक्ष्यों, प्रगति, राज्य की वित्तीय स्थिति और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का आकलन किया जाएगा। उन्होंने सभी सचिवों को समीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया और प्रत्येक विभाग को नवीन पहलों और सफलता की कहानियों को उजागर करने वाली रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य भर में ग्राम पंचायतों सहित सभी सरकारी कार्यालयों तक टी-फाइबर कनेक्टिविटी का विस्तार किया जाना चाहिए। संजय जाजू ने विभागों से सरकार के विजन डॉक्यूमेंट-2047 में उल्लिखित लक्ष्यों के अनुरूप व्यवस्थित रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्रीय सरकार को उपयोगिता प्रमाण पत्र, रिपोर्ट और परियोजना प्रस्ताव समय पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें ताकि केंद्रीय निधियों की रिहाई में देरी न हो। मुख्य सचिव ने आगे कहा कि अल नीनो के प्रभाव के कारण इस मौसम में धान की खेती के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। इस संदर्भ में, उन्होंने अधिकारियों को किसानों को उपयुक्त वैकल्पिक फसलों के बारे में जागरूक करने की सलाह दी।

एसआईआर में त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करें: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलती से न हटे

डिजिटाइजेशन की गुणवत्ता सुधारने, एएसडीडी मामलों की दोबारा जांच के निर्देश

हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की गुणवत्ता सुधारने तथा त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अधिकारियों को व्यापक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि बिना फोटो वाले रिकॉर्ड, जन्मतिथि में अंतर, लिंग संबंधी त्रुटियों और हस्ताक्षरों की कमियों को दूर कर सभी विवरणों को पूरी सटीकता के साथ दर्ज किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी के साथ सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा की। बैठक में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण, डिजिटाइजेशन की प्रगति तथा अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विशेष रूप से अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृत (डेड) और डुप्लीकेट (एएसडीडी) मतदाताओं की सूची की दोबारा जांच, विश्लेषण तथा नो मैपिंग मामलों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कर सही जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण कर सभी त्रुटियां दूर कर दिया जाए ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलती से न हटे।

एएसडीडी मामलों का अंतिम निर्णय लेने से पहले पुनः सत्यापन किया जाए और आवश्यक होने पर रोल-बैक सुविधा का उपयोग कर अभिलेखों में संशोधन किया जाए। उन्होंने बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), बूथ स्तरीय पर्यवेक्षकों तथा सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) द्वारा मैदानी सत्यापन को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बीएलओ के साथ आयोजित बैठकों की कार्यवाही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) के हस्ताक्षरों सहित तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड की जाए।

उन्होंने 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के मतदाताओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों में विभाजित न हों।

7वीं सब-जूनियर रोल बॉल राज्य चैंपियनशिप

सह राष्ट्रीय चयन का सफल आयोजन

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 7वीं सब-जूनियर रोल बॉल राज्य चैंपियनशिप सह राष्ट्रीय चयन का सफल आयोजन 2 अगस्त को शाम 5:00 बजे बॉर्न टू स्केट अकादमी, मामिडिपल्ली, शमशाबाद में किया गया। इस चैंपियनशिप में तेलंगाना के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली सब-जूनियर रोल बॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया।

चैंपियनशिप का संचालन अध्यक्ष केशव आशाना के नेतृत्व में किया गया। मोहम्मद सफी ने कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जबकि भारत की कोच सुश्री शिल्पा वाघे ने चयन प्रक्रिया का मार्गदर्शन किया। इफ्तियाज ने वरिष्ठ कोच के रूप में अपनी भूमिका निभाई, और सुश्री सरिता ने टीम मैनेजर के रूप में कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वय किया। विशेष अतिथि गोपाल बलदवा और संदीप मिश्रा भी उपस्थित रहे।

पीएम ने पावरग्रीड के दो ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को देश को समर्पित किया और एक प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी

विशाखापत्तनम, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के एक ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी और दो महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को देश को समर्पित किया।

इस मौके पर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर; गोवा के राज्यपाल पुसपति अशोक गजपति राजू; आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू; उपमुख्यमंत्री के. पवन कल्याण; नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू; केंद्रीय ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी; उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा; और आंध्र प्रदेश सरकार में सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, मानव संसाधन विकास और आरटीजी मंत्री नारा लोकेश मौजूद थे।

पीएम ने पावरग्रीड द्वारा लागू किए गए दो प्रमुख ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को देश को समर्पित किया। ये प्रोजेक्ट्स कुरनूल-IV अनंतपुर रिन्यूएबल एनर्जी ज़ोन में पैदा होने वाली रिन्यूएबल एनर्जी को बाहर भेजने और उसे नेशनल ग्रिड के ज़रिए लाभार्थियों तक आसानी से पहुँचाने में मदद करने के लिए बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कुरनूल-IV रिन्यूएबल एनर्जी ज़ोन — फ़ेज़-I (4.5 GW) के इंटीग्रेशन के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम की आधारशिला भी रखी, जिसे लगभग 5,550 करोड़ के निवेश से विकसित किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट कुरनूल रिन्यूएबल एनर्जी ज़ोन से अतिरिक्त 4.5 GW रिन्यूएबल एनर्जी को नेशनल ग्रिड में जोड़ने के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क को मज़बूत करेगा।

दो ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स की शुरुआत और कुरनूल-IV ट्रांसमिशन सिस्टम की आधारशिला रखना भारत के ग्रीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने की दिशा में एक और अहम कदम है। ये ट्रांसमिशन सिस्टम देश भर में रिन्यूएबल एनर्जी के ट्रांसफ़र को आसान बनाएंगे और 2030 तक नॉन-फ़ॉसिल फ़्यूल-बेस्ड इंस्टॉल्ड कैपेसिटी के 500 GW के भारत के लक्ष्य को हासिल करने में बड़ा योगदान देंगे।

30 जून 2026 तक, पावरग्रीड ने 291 सबस्टेशन, 1,86,595 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनें और 6,34,516 MVA ट्रांसफ़ॉर्मेशन कैपेसिटी चालू की है और उनका संचालन कर रहा है। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, बेहतर ऑटोमेशन और डिजिटल समाधानों को अपनाकर, पावरग्रिड ने लगातार 99.80% से ज़्यादा ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता बनाए रखी है।

शिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्ण रेड्डी प्रकरण की जांच तेज

घर की तलाशी में लैपटॉप, मोबाइल, चाकू और प्रेम पत्र बरामद

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्ण रेड्डी से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले की जांच तेज हो गई है। एक महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी की शिकायत पर गिरफ्तार किए गए उदय कृष्ण रेड्डी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की जांच महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की पुलिस उपायुक्त लावण्या एन. जाधव की निगरानी में की जा रही है। शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर जांच अधिकारियों ने अशोक नगर स्थित उदय कृष्ण रेड्डी के आवास पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, एक चाकू तथा अलग-अलग हस्तलिपि में लिखे गए दो प्रेम पत्र बरामद किए हैं। पुलिस जब्त किए गए डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि क्या आरोपी ने इसी प्रकार अन्य महिलाओं के साथ भी संपर्क किया था अथवा उन्हें कथित रूप से धोखा दिया था। बरामद पत्रों से मिले सुरागों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है और सभी साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है।

राज्यपाल ने उज्ञयिनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की

हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ माह के शुभ बोनालू त्योहार के अवसर पर, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ सोमवार को सिकंदराबाद के पूजनीय श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। राज्यपाल और उनकी पत्नी ने देवी श्री उज्जैनी महाकाली को बोनम और पट्टू वस्त्रालु अर्पित करके पारंपरिक बोनालू अनुष्ठानों में भाग लिया और लोगों के कल्याण के लिए देवी मां का आशीर्वाद मांगते हुए गहन श्रद्धा के साथ विशेष प्रार्थनाएं कीं। मुख्य देवता के समक्ष प्रार्थना करते हुए, शिव प्रताप शुक्ला ने तेलंगाना के प्रत्येक परिवार की शांति, अच्छे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि के लिए देवी महाकाली का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने समय पर और भरपूर वर्षा, अच्छी फसल और किसानों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। शिव प्रताप शुक्ला ने राज्य में निरंतर शांति, सद्भाव और सर्वांगीण विकास के लिए देवी का आशीर्वाद भी मांगा। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच मंदिर के पुजारियों ने राज्यपाल और जानकी शुक्ला का पारंपरिक विधिपूर्वक स्वागत किया। विशेष प्रार्थनाओं के बाद, पुजारियों ने दंपति को आशीर्वाद दिया और उन्हें तीर्थ प्रसाद प्रदान किया।

रेल संचालन में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: महाप्रबंधक

अतिक्रमण रोकने और मानसून में विशेष सतर्कता के निर्देश

हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल संचालन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को निर्माण स्थलों पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने तथा मानसून के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में आयोजित जोन स्तरीय व्यापक सुरक्षा समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ रेल परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक तथा उनकी टीमें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुईं। महाप्रबंधक ने निर्माण एवं कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दुर्घटनावश फिसलने और पानी में डूबने जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेषकर गहरी खुदाई वाले संवेदनशील स्थलों के चारों ओर मजबूत घेराबंदी की जाए। उन्होंने पिछले एक माह के दौरान अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा किए गए सुरक्षा निरीक्षणों की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि मानसून के दौरान स्टेशनों, रेलखंडों और पटरियों पर संभावित जोखिमों से निपटने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की जाए। बैठक में इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, यांत्रिक तथा विद्युत विभागों द्वारा जोन भर में किए जा रहे सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रकार की कमी या खामी सामने आती है तो उसे तत्काल दूर किया जाए, ताकि रेल परिचालन निर्बाध और सुरक्षित बना रहे। ट्रैक सुरक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होंने समपार फाटकों पर अवैध रूप से रेलवे लाइन पार करने की घटनाओं और जोन में चल रहे बैरिकेडिंग कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी मंडलों को ऐसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर खाइयां खोदने, बैरिकेड लगाने तथा अन्य आवश्यक उपायों के माध्यम से अनधिकृत प्रवेश रोकने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों से कहा कि रेलवे पटरियों को अवैध रूप से पार करने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आसपास के गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाए जाएं, ताकि लोगों में रेल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मीना चौधरी ने जीता मिसेज मिसेज साउथ इंडिया का खिताब

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नई में आयोजित प्रतिष्ठित ए2एन इलीट मिसेज साउथ इंडिया एंड मिसेज तेलंगाना प्रतियोगिता में हैदराबाद की श्रीमती मीना प्रकाश चौधरी ने खिताब अपने नाम कर लिया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे हैदराबाद में गर्व और खुशी का माहौल है।

प्रतियोगिता में दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से आई प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मीना चौधरी ने अपनी प्रभावशाली मंच प्रस्तुति, आकर्षक व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और सामाजिक सोच के दम पर निर्णायकों का दिल जीतते हुए दोनों प्रतिष्ठित ताज अपने नाम किए।

खिताब जीतने के बाद मीना प्रकाश चौधरी ने कहा कि यह सम्मान केवल एक ताज नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, सशक्तिकरण और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा का प्रतीक है।

राष्ट्रीय ब्लू इकोनॉमी परामर्श में एआई-संचालित समुद्री संस्कृति ढांचा लॉन्च किया गया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। समुद्री कृषि के लिए नीली अर्थव्यवस्था नीति ढांचे पर एक राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख परामर्श बैठक का उद्घाटन आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (आईसीएआर-एनएएआरएम), हैदराबाद में किया गया, जो भारत के समुद्री कृषि क्षेत्र के लिए एआई-सक्षम ढांचा विकसित करने के लिए एएनआरएफ प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान (पीएम-ईसीआरजी) परियोजना के शुभारंभ का प्रतीक है। परामर्श सत्र को संबोधित करते हुए, केरल मत्स्य एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (केयूएफओएस) के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) ए. बिजू कुमार ने आर्थिक विकास, तटीय आजीविका, उद्यमिता, निर्यात और खाद्य सुरक्षा के माध्यम से भारत की नीली अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मत्स्य पालन, जलीय कृषि और समुद्री कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बिजय कुमार बेहरा ने समुद्री मत्स्य पालन की उत्पादकता में सुधार लाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित भू-स्थानिक, जैविक और तकनीकी-आर्थिक खुफिया ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि इस ढांचे में पर्यावरणीय परिस्थितियों, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, बाजारों और निवेश जोखिमों से संबंधित बिखरे हुए आंकड़ों को एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने बीज उत्पादन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। आईसीएआर-एनएएआरएम के निदेशक डॉ. आरएम सुंदरम ने कहा कि हालांकि भारत लगभग 198 लाख टन वार्षिक मछली उत्पादन और 2025 में 73,890.46 करोड़ रुपये के समुद्री निर्यात के साथ विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है, फिर भी उत्पादकता नॉर्वे, चीन और जापान जैसे वैश्विक नेताओं से पीछे है, जो वैज्ञानिक और टिकाऊ क्षेत्रीय विकास की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इस परामर्श सत्र में पीवीएनआरटीवीयू के कुलपति प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने मत्स्य पालन विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान किया। परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. सुरेश कुमार मोज्जादा ने कहा कि यह पहल सतत आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और तटीय समृद्धि को बढ़ावा देने के "विकसित भारत 2047" दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण आईसीएआर-एनएएआरएम और केयूएफओएस के बीच मत्स्य पालन छात्रों के लिए ज्ञान आदान-प्रदान और कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना था। 100 से अधिक प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे, जबकि 85 प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल हुए।

सिंगारेणी ने पीकेओसी-2 कोयला ब्लॉक हासिल किया : किशन रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को सिंगारेणी कोलियरीज को पीकेओसी-2 (प्रकाशम खानी ओपन कास्ट) डिप-साइड कोयला ब्लॉक के आवंटन का स्वागत करते हुए इसे कंपनी और तेलंगाना के लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित उपलब्धि बताया। मंत्री ने सिंगारेणी के श्रमिकों, अधिकारियों, ट्रेड यूनियनों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में मनुगुरु के पास स्थित ब्लॉक को 3 अगस्त को नीलामी प्रक्रिया के सफल समापन के बाद हासिल कर लिया गया है। पीकेओसी-2 डिप-साइड ब्लॉक में अनुमानित 180 मिलियन टन कोयले का भंडार है और इसके 25 वर्षों तक संचालन में रहने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 6 मिलियन टन होगी। इस परियोजना से लगभग 2,000 लोगों के लिए रोजगार सृजित होने, उच्च श्रेणी के जी-8 कोयले का उत्पादन होने, 43,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व उत्पन्न होने और राज्य सरकार को 10,500 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान मिलने का अनुमान है। किशन रेड्डी ने कहा कि इस आवंटन से तेलंगाना की ऊर्जा सुरक्षा और सिंगारेनी के दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि नैनी, ताडिचेरला-2 और पीकेओसी-2 डिप-साइड कोयला ब्लॉकों के जुड़ने से सिंगारेनी के पास अब 860 मिलियन टन कोयले का भंडार उपलब्ध है, जो 35 वर्षों तक औसतन 22 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन बनाए रखने के लिए पर्याप्त है।

श्री कृष्णा कुमावत समाज की नयी कार्यकारिणी गठित

बाबूलाल गुड़िया बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बड़ंगपेट स्थित श्री कृष्णा कुमावत समाज की नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में पवन सांगर ने बताया कि समाज के भवन में आम मीटिंग आयोजित कर नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष बाबूलाल गुड़िया, उपाध्यक्ष बगदाराम बाकरेचा, रामनिवास मानणीया, गौतम सांगर, सचिव मदनलाल दबलदिया, सहसचिव रमेश पिलोदिया, कोषाध्यक्ष हेमाराम बोड़ावड, सहकोषाध्यक्ष पारस सांगर, प्रचारमंत्री नोरतमल रेणवाल, रमेश रेणवाल, हडमान मावर, खेलमंत्री पुखाराम बोड़ावड, सुरेश जलांधरा, वरिष्ठ सलाहकार रूपाराम लिंबा, ओमप्रकाश चांदोरा, पवनकुमार सांगर, जवानराम बोड़ावड, ओमप्रकाश भोबरिया प्रमुखरूप से चुने गये। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी मेम्बरों का पुष्प-मालाओं से सम्मान किया गया। नवनिर्वाचित सचिव मदनलाल दुबलदिया के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

बीआरएस की गोदावरी बाढ़ से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश : अदलुरी

हैदराबाद , 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने संकट की इस घड़ी में लोगों के साथ खड़े होने के बजाय गोदावरी बाढ़ से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की कड़ी आलोचना की है। बीआरएस नेताओं द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि मेडिगड्डा से बाढ़ के पानी को तत्काल हटाने की उनकी मांग तथ्यों का जानबूझकर किया गया विकृति मात्र है।

सोमवार को एक बयान में, अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने टिप्पणी की कि इस तरह के बयानों ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर सिंचाई प्रणालियों के कामकाज की बुनियादी समझ की भी पार्टी की कमी को उजागर किया है। उन्होंने कहा, गोदावरी में बाढ़ का पानी होने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि पूरा पानी तुरंत निकाला जा सकता है। सिंचाई परियोजनाओं का संचालन राजनीतिक बयानबाजी या प्रेस कॉन्फ्रेंस से प्रभावित नहीं होता। यह जलाशय के जलस्तर, पंपिंग क्षमता, नहर की वहन क्षमता, निचले इलाकों में उपलब्ध भंडारण क्षमता, बिजली आपूर्ति, इंजीनियरों से तकनीकी मंजूरी और स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल सहित वैज्ञानिक मापदंडों द्वारा निर्धारित होता है।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि बीआरएस को सबसे पहले तेलंगाना के लोगों को यह समझाना होगा कि हजारों करोड़ रुपये की सार्वजनिक धनराशि से निर्मित मेडिगड्डा बैराज अपनी वर्तमान स्थिति में कैसे पहुंच गया है। उन्होंने कहा, मेडिगड्डा में संरचनात्मक खामियों के कारण सरकारी खजाने पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। पूरे देश ने इस परियोजना से जुड़े विवाद को देखा है। इसलिए, इसके लिए जिम्मेदार लोगों द्वारा अब जनता को गुमराह करने का प्रयास करना राजनीतिक दिवालियापन से कम नहीं है। अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने आगे टिप्पणी की कि येल्लमपल्ली से पानी की आवाजाही पर टिप्पणी करते हुए बीआरएस नेतृत्व ने गुरुत्वाकर्षण प्रवाह को लिफ्ट सिंचाई के बराबर बताकर एक बार फिर अपनी अज्ञानता का प्रदर्शन किया है। विपक्ष की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए मंत्री ने पूछा कि बीआरएस ने अपने एक दशक के शासनकाल में तेलंगाना की जनता से बार-बार वादा करने के बावजूद तुम्मिदीहट्टी परियोजना को पूरा करने में विफल क्यों रही।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बॉक्सिंग भारत की ताकत

39 मेडल के साथ चौथे स्थान पर; 123 खिलाड़ियों में 38 मेडलिस्ट, सक्सेस रेट 31%

खेल डेस्क, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। वह मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा।

पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 मेडल से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं।

इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे। इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे, यानी सक्सेस रेट 31% रहा। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29% था।

मेडल के लिहाज से-बॉक्सिंग सबसे बड़ा मेडल बैंक

भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला।

वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

किस खेल में भारत को कितने मेडल

टोटल- 39

खेल	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
बॉक्सिंग	7	3	0	10
एथलेटिक्स	0	5	5	10
वेटलिफ्टिंग	1	6	1	8
पैरा एथलेटिक्स	3	2	1	6
जूडो	2	1	1	4
पैरा पावरलिफ्टिंग	0	0	1	1

पोजिशन के लिहाज से-चौथा स्थान बरकरार

भारत 13 गोल्ड के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा उससे आगे रहे। खेलों की संख्या कम होने और दल छोटा होने के बावजूद टीम टॉप-4 में पहुंच गई। 2022 बर्मिंघम गेम्स में 22 गोल्ड के साथ भारत चौथे स्थान पर था।

अनुमान से दोगुना ज्यादा गोल्ड जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने से पहले भारतीय ओलिंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की इंटरनल रिपोर्ट में भारत को 6 गोल्ड समेत 31 मेडल मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा गोल्ड जीते। कुल मेडल में भी आगे निकल गए।

भारत की सबसे ज्यादा उम्मीदें बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से थीं, जिन्होंने मिलकर 26 मेडल दिलाए। हालांकि, एथलेटिक्स में भारत को सबसे बड़ा झटका लगा और टीम एक भी गोल्ड मेडल नहीं जीत सकी।

कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल टैली

2026

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	70	45	56	171
2	इंग्लैंड	29	45	36	110
3	कनाडा	19	20	23	62
4	भारत	13	17	9	39
5	स्कॉटलैंड	13	9	17	39

किस खेल ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया?

बॉक्सिंग - भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे। इसमें 7 गोल्ड और 3 सिल्वर शामिल रहे। यानी 71% मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58% था।

जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल चैंपियन बने। लवलीना बोरगोहेन, जादुमणि सिंह और नरेंद्र बेरवाल सिल्वर जीत सके।

पैरा एथलेटिक्स - भारत के सिर्फ 11 पैरा एथलीट ग्लासगो पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने 6 मेडल जीत लिए। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल रहे।

भारत ने तीन बार डबल पोडियम हासिल किया और दो बार 1-2 फिनिश दर्ज की। दिलीप गावित, सोमन राणा और शर्मिला धनकड़ गोल्ड जीतने में सफल रहे। जूडो - जूडो में भारत ने पहली बार कॉमनवेल्थ इतिहास में गोल्ड जीता। अस्मिता डे ने गोल्ड दिलाया। इसके कुछ मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीत लिया। यामिनी मौर्य ने सिल्वर और उन्नति शर्मा ने ब्रॉन्ज जीतकर कुल चार मेडल दिलाए। हालांकि 14 सदस्यीय भारतीय टीम के दो खिलाड़ी अरुण कुमार और तुलिका मान डोपिंग के कारण बाहर हो गए।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे

टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है।

इससे पहले रविवार को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुमराह को बाएं घुटने की परेशानी है। टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

23 साल के आकिब नबी घरेलू क्रिकेट में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था और अब उन्हें पहली बार सीनियर भारतीय टीम में मौका मिलने जा रहा है। आकिब नबी का चयन पहली बार भारतीय टीम में हुआ है। वह परवेज रसूल और उमरान मलिक के बाद जम्मू-कश्मीर से भारत की सीनियर टीम में जगह बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी है।

बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर इस बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने के पीछे के कारणों का विवरण अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। टीम इंडिया के आगामी मैचों में अब आकिब नबी गेंदबाजी की कमान संभालते नजर आएंगे।

आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट अपने नाम किए थे। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम अब सीनियर भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला है।

श्रीलंका दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान शुभमन गिल संभालेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल टीम का हिस्सा हैं। वहीं, साई सुदर्शन का चयन फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगा। इस टीम में रवींद्र जडेजा की भी वापसी हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश के 33 साल के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन टीम में नया चेहरा हैं। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह सीरीज जीतनी जरूरी है। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार मिली थी।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का शुभारंभ

अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह जैसे स्टार मचाएंगे धमाल

न्यू चंडीगढ़, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने रविवार को पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में बहुप्रतीक्षित शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का आधिकारिक शुभारंभ किया। 30 अगस्त से 13 सितंबर तक आयोजित होने वाली इस लीग का उद्देश्य पंजाब के युवा क्रिकेटरों को पेशेवर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें देश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर देना है।

टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, गुरनूर बराड़, प्रभसिमरन सिंह और रामनदीप सिंह जैसे कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। लीग का शुभारंभ पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह की उपस्थिति में किया। इस दौरान टूर्नामेंट के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया गया। टूर्नामेंट में छह टीमें खिताब के लिए कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। प्रतियोगिता राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित होगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास एक मार्की खिलाड़ी और कम से कम दो आइकन खिलाड़ी होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय सितारों, घरेलू खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। इस अवसर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि, शेर-ए-पंजाब टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और पंजाब तथा भारत के लिए खेलने की दिशा में आगे बढ़ने का शानदार मंच है। पंजाब ने हमेशा देश को बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं और मुझे विश्वास है कि यह लीग भविष्य में कई नई प्रतिभाओं को सामने लाएगी। मैं पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन को इस पहल और लीग की सफलता की शुभकामनाएं देता हूं।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि, पंजाब हमेशा से भारतीय क्रिकेट की मजबूत आधारशिला रहा है। लाला अमरनाथ से लेकर युवराज सिंह और अब शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह तथा हरमनप्रीत कौर जैसे खिलाड़ियों तक, राज्य ने लगातार विश्वस्तरीय क्रिकेटर दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि, ₹मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच से शुरू की गई यह लीग पंजाब के युवा खिलाड़ियों को पेशेवर मंच प्रदान करेगी, जहां वे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलकर अपने करियर को नई दिशा दे सकेंगे।

श्रेयस अय्यर के साथी खिलाड़ी शशांक सिंह ने छोड़ा टीम का साथ

क्रिकेट संघ पर लगाए गंभीर आरोप

रायपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल में श्रेयस अय्यर के साथ पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले स्टार ऑलराउंडर शशांक सिंह ने एक बड़ा फैसला लिया है. शशांक ने अपनी घरेलू टीम छत्तीसगढ़ का साथ छोड़ दिया है. वह अब आगामी 2026-27 सीजन से पुडुचेरी के लिए खेलेंगे. क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुडुचेरी के पूर्व अध्यक्ष पी. दामोदरन ने भी शशांक के टीम से जुड़ने की पुष्टि की है. उनके साथ मुंबई के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रसाद पवार भी पुडुचेरी की टीम का हिस्सा बने हैं. वहीं, टीम से अलग होने के बाद शशांक ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में शशांक सिंह ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ पर कई गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा, "हां, मैं छत्तीसगढ़ छोड़ रहा हूं. मैंने सीएससीएस से एनओसी ले ली है और 2026-27 सीजन से पुडुचेरी के लिए खेलूंगा. पिछले सीजन में मुझे कंधे और उंगली में गंभीर चोट लगी थी, लेकिन उस दौरान छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने मेरा बिल्कुल भी साथ नहीं दिया."

उन्होंने आगे बताया कि सीजन खत्म होने के बाद छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग 2026 के खिलाड़ियों की लिस्ट में भी उनका नाम शामिल नहीं किया गया. इतना ही नहीं, प्री-सीजन कैंप के लिए चुनी गई टीम से भी उनका नाम गायब था. शशांक ने कहा, "मैंने अधिकारियों से पूछा कि मेरा नाम क्यों नहीं रखा गया, लेकिन मुझे कोई जवाब नहीं मिला." शशांक सिंह का कहना है कि उन्हें यह कहकर बदनाम किया गया कि वह सिर्फ आईपीएल खेलना चाहते हैं और घरेलू क्रिकेट में रुचि नहीं रखते. उन्होंने कहा, "मुझे बताया गया कि मैं सिर्फ आईपीएल में खेलना चाहता हूं, जबकि सच्चाई यह है कि पिछले साल बीसीसीआई ने मुझे व्हाइट-बॉल क्रिकेट में भारत का सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना था. इसके लिए मुझे प्रतिष्ठित लाला अमरनाथ पुरस्कार भी मिला था." गौरतलब है कि शशांक ने पिछले घरेलू सीजन में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेले 7 मैचों में 450 रन बनाए और 11 विकेट अपने नाम किए. वहीं, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 7 मैचों में 188 रन बनाए. शशांक ने आगे यह भी साफ किया कि फिलहाल उनका पूरा फोकस व्हाइट-बॉल क्रिकेट पर है. उन्होंने कहा, "मेरा शरीर अभी भी पूरी तरह फिट है. इसलिए मैंने इस सीजन रेड-बॉल क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है. मैं एक प्रॉपर ऑलराउंडर हूं और चाहता हूं कि पुडुचेरी और पंजाब किंग्स, दोनों के लिए टी20 क्रिकेट में अपने चारों ओवर नियमित रूप से गेंदबाजी करूं."

शशांक सिंह साल 2019 में छत्तीसगढ़ की टीम से जुड़े थे और तब से वह टीम के नियमित सदस्य बने रहे. छत्तीसगढ़ के लिए शशांक ने 24 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 29.19 की औसत से 905 रन बनाए हैं और 3.28 के इकॉनोमी रेट से 16 विकेट चटकाए. वहीं, लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने 35 मैचों में 40.53 की औसत से 1054 रन बनाए और अपनी शानदा गेंदबाजी से 37 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा, टी20 क्रिकेट में उनके नाम 110 मैचों में 1763 रन और 25 विकेट दर्ज हैं.

भारतीय मूल के खिलाड़ी नील पटेल को ऑस्ट्रेलिया की टीम में मिला मौका

भारत के खिलाफ ही करेंगे डेब्यू!

मेलबोर्न, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल के युवा क्रिकेटर नील पटेल को भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में जगह मिली है. उन्हें अगले महीने होने वाले भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में चुना गया है. यहां जानिए कौन हैं नील पटेल?

ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे के लिए अपनी अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें भारतीय मूल के खिलाड़ी नील पटेल को भी जगह मिली है. भारत में जन्मे इस युवा बल्लेबाज को भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाले मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है.

न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलने वाले नील अब भारत की अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन वनडे और दो चार-दिवसीय मैच खेलेंगे. यह दौरा 4 सप्ताह तक चलेगा और मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर के बीच राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे. तो चलिए जानते हैं कौन हैं नील पटेल?

नील पटेल भारतीय मूल के एक उभरते ऑस्ट्रेलियाई ओपनिंग बल्लेबाज हैं, जो जरूरत पड़ने पर ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं.

अपनी तकनीक, धैर्य और लगातार रन बनाने की क्षमता के दम पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट में अपनी जगह बनाई है. उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए महज 16 साल की उम्र में बड़ा रिकॉर्ड बनाया था.

पटेल ने एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक रन बनाकर सिडनी प्रीमियर क्रिकेट फर्स्ट ग्रेड के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में अपना नाम दर्ज कराया.

इसके बाद नील पटेल ने फर्स्ट-ग्रेड क्रिकेट में अपना पहला शतक भी लगाया और लगातार शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा. इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें एडिलेड में आयोजित क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंडर-19 मेंस टैलेंट कैंप के लिए चुना गया, जहां उन्हें देश के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों में गिना गया.

फिलहाल नील पटेल न्यू साउथ वेल्स की जूनियर टीम के लिए ओपनिंग करते हैं. लंबी पारी खेलने की उनकी क्षमता उनकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है. बल्लेबाजी के साथ-साथ उनकी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी टीम के लिए उपयोगी साबित होती है, जो उन्हें एक बेहतरीन ऑलराउंडर बनाता है.

राशिद खान ने पहली बार द हंड्रेड में झटके 5 विकेट

लंदन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। द हंड्रेडमें करामाती राशिद खान का वो कमाल देखने को मिला, जिस पर उनके कप्तान सैम करन को पहली नजर में यकीन ही नहीं हुआ था. इंग्लैंड की 100 गेंदों वाली क्रिकेट लीग में राशिद खान, एमआई लंदन टीम का हिस्सा हैं, जिसके कप्तान सैम करन हैं. 2 अगस्त को एमआई लंदन का मुकाबला मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से हुआ. इस मुकाबले में एमआई लंदन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंदों में 183 रन का स्कोर बनाया. जवाब में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स जब टारगेट का पीछा करने उतरी तो उसे राशिद खान के चमत्कारी प्रदर्शन का शिकार होना पड़ा. राशिद खान ने वो कारनामा किया, जो द हंड्रेड में पहली बार उनकी तरफ से देखने को मिला था.

राशिद खान ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के खिलाफ 5 विकेट लेने का कारनामा किया. उन्होंने अपने कोटे 20 गेंदों में सिर्फ 17 रन दिए और 5 विकेट चटकाए. द हंड्रेड में ये पहली बार देखने को मिला, जब राशिद खान ने 5 विकेट झटके. उस लिहाज से इंग्लैंड के 100 गेंदों वाली क्रिकेट लीग में राशिद खान का ये बेस्ट प्रदर्शन भी रहा. द हंड्रेड में पहली बार 5 विकेट झटकने के बाद राशिद खान ने मैच के बाद कहा कि ऐसे प्रदर्शन की उन्हें जरूरत थी. उन्होंने कहा कि द हंड्रेड उनके लिए अब तक शांत टूर्नामेंट बना रहा था. लेकिन, उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और वही करने पर फोकस किया, जो वो अब तक करते आए हैं. उन्होंने सही दिशा में गेंदबाजी जारी रखी, जिसका उन्हें रिजल्ट मिला.

एमआई लंदन के कप्तान सैम करन को तो राशिद खान के 5 विकेट वाली सफलता पर यकीन ही नहीं हुआ. इस बात का जिक्र उन्होंने मैच के बाद किया. सैम करन ने कहा कि उन्हें राशिद खान के 5 विकेटों के बारे में तब तक पता नहीं चला, जब तक स्क्रीन पर नहीं दिखाया गया. उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि राशिद खान अपना काम कितनी शांति के साथ करते हैं.

पाकिस्तान के अरशद नदीम की नाकामी पर अपने ही हुए सख्त

मेंटर्स ने लापरवाही का क्यों लगाया आरोप?

इस्लमाबाद, 3 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम का ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में खराब प्रदर्शन अब सवालों के घेरे में है। उनके दो पूर्व मेंटर्स ने साफ कहा है कि पर्याप्त ट्रेनिंग नहीं करना और लापरवाही बरतना उनकी नाकामी की बड़ी वजह रही। दोनों का मानना है कि अगर अरशद को दोबारा शीर्ष स्तर पर लौटना है तो उन्हें पहले की तरह कड़ी मेहनत करनी होगी।

92.97 मीटर का ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो करने वाले अरशद नदीम इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में पूरी तरह फीके नजर आए। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 78.63 मीटर का थ्रो कर किसी तरह फाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 77.41 मीटर ही रहा। वह 12 खिलाड़ियों में नौवें स्थान पर रहे और पदक की दौड़ में भी शामिल नहीं हो सके। इस स्पर्धा का स्वर्ण श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिराजे ने 89.75 मीटर के थ्रो के साथ जीता। भारत के नीरज चोपड़ा ने रजत और यशवीर सिंह ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अरशद नदीम को शुरुआती दौर में आगे बढ़ाने वाले पाकिस्तान एथलेटिक्स महासंघ के पूर्व अध्यक्ष अकरम साही ने कहा, 'ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद कुछ लोगों ने अरशद को अपने घेरे में ले लिया और मुझे उनसे मिलने तक नहीं दिया। ग्लास्गो का यह परिणाम बेहद निराशाजनक है। पिछले कुछ महीनों से ही संकेत मिल रहे थे कि उनकी ट्रेनिंग में कमी और लापरवाही है।'

अरशद के एक अन्य मेंटर, जिन्होंने अपना नाम सार्वजनिक नहीं किया, ने भी साही की बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'अरशद नदीम कुछ हद तक आत्मसंतुष्ट हो गए थे। हमने देखा कि उनकी ट्रेनिंग पर्याप्त नहीं थी। इस साल हज यात्रा के बाद भी उन्होंने सही तरीके से अभ्यास नहीं किया।' उन्होंने याद दिलाया कि पेरिस ओलंपिक से पहले दक्षिण अफ्रीका के कोच टर्सियस लीबेनबर्ग के मार्गदर्शन और नॉर्थ-वेस्ट यूनिवर्सिटी में ट्रेनिंग का उन्हें काफी फायदा मिला था।

इंग्लिश फुटबॉल में नया सितारा

15 साल के जेजे गेब्रियल मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेलने वाले सबसे युवा; 70 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लिश फुटबॉल के इतिहास में इस हफ्ते एक नया अध्याय जुड़ गया। 15 साल के जोसेफ जूनियर एंड्रयू गेब्रियल (जेजे गेब्रियल) मशहूर क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड (13 बार का प्रीमियर लीग चैम्पियन) की सीनियर टीम से खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ प्री-सीजन मैच में उन्होंने यह कारनामा किया। एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम बढ़त पर थी। मैच के 82वें मिनट में मैनेजर माइकल कैरिक ने 15 साल 299 दिन के गेब्रियल को मैदान पर उतारा। मैदान पर कदम रखते ही गेब्रियल ने क्लब के पूर्व गोलकीपर डेविड गास्केल का 70 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गास्केल ने 1956 में 16 साल और 19 दिन की उम्र में डेब्यू किया था, जबकि गेब्रियल ने 16 साल का होने से पहले ही यह मुकाम हासिल कर लिया है।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5: ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी; पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन, 3 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए।

जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।

अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

मुख्य सचिव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने सोमवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक की, जिसमें हैदराबाद के गोलकोंडा किले स्थित ऐतिहासिक रानी महल लॉन में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा लिया गया। व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह राज्य के सबसे महत्वपूर्ण आधिकारिक आयोजनों में से एक है और इसे राष्ट्र की स्वतंत्रता की भावना के अनुरूप सावधानीपूर्वक योजना, सुचारू समन्वय और अत्यंत गरिमा के साथ आयोजित किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया कि स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री सर्वप्रथम सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड स्थित वीरुला सैनिक स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री गोलकोंडा किले स्थित रानी महल लॉन जाएंगे, जहां वे राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेंगे, राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, औपचारिक परेड का निरीक्षण करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को समारोह के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत और त्रुटिरहित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यक्रम के हर पहलू, जिसमें सुरक्षा, यातायात नियमन, आयोजन स्थल की तैयारी, जनसुविधा और आपातकालीन प्रतिक्रिया शामिल हैं, की योजना पहले से ही बना ली जानी चाहिए ताकि कार्यक्रम का निर्बाध संचालन सुनिश्चित हो सके। संजय जाजू ने सड़क एवं भवन विभाग को निर्देश दिया कि मंच, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पहुंच मार्ग और अन्य सिविल कार्यों सहित आयोजन स्थल से संबंधित सभी बुनियादी ढांचागत कार्यों को निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाए। पुलिस विभाग को गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करते हुए व्यापक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को कार्यक्रम स्थल के अंदर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने, भूनिर्माण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण कार्यों को करने के निर्देश दिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग को रणनीतिक स्थानों पर पर्याप्त चिकित्सा दल, एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं तैनात करने का निर्देश दिया गया था, जबकि अग्निशमन विभाग को एहतियाती उपाय के रूप में घटनास्थल पर अग्निशमन वाहन और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तैनात करने के लिए कहा गया था।

ऊर्जा विभाग को निर्देश दिया गया था कि वह कार्यक्रम के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करे और पर्याप्त बैकअप व्यवस्था करे। अन्य संबंधित विभागों को भी निर्देश दिया गया था कि वे अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करें और समारोह से काफी पहले सभी सौंपे गए कार्यों को पूरा कर लें। अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए, मुख्य सचिव ने सभी विभागों को घनिष्ठ समन्वय में काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि समारोह भव्य, गरिमामय और उचित तरीके से आयोजित हो।

भारी बारिश की चेतावनी के बीच लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने नागरिकों के लिए एक एडवाइज़री जारी की है। इसमें लोगों से घर के अंदर रहने और बिना ज़रूरत के यात्रा न करने को कहा गया है। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद द्वारा सोमवार रात तक भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद दी गई है।

हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और जब तक बहुत ज़रूरी न हो, बाहर न निकलें। जो लोग पहले से बाहर हैं, उन्हें अपना काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना चाहिए और बारिश तेज़ होने से पहले सुरक्षित घर लौट आना चाहिए।

कमिश्नर ने लोगों को पानी भरे रास्तों और निचले इलाकों से यात्रा करने के प्रति आगाह किया और चेतावनी दी कि भारी बारिश के दौरान ऐसे रास्ते खतरनाक हो सकते हैं। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे धीरे गाड़ी चलाएं, दूसरे वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और फिसलन भरी सड़कों पर अतिरिक्त सावधानी बरतें। पुलिस ने नागरिकों से मौसम की आधिकारिक जानकारी और ट्रैफ़िक एडवाइज़री का पालन करने और आपातकालीन सेवा एजेंसियों का सहयोग करने की भी अपील की।

स्वर्णलता ने बोनालू रंगम के दौरान बाढ़ और आपदाओं की चेतावनी दी

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोनालू के हिस्से के रूप में आयोजित सालाना 'रंगम' के दौरान, ओरेकल स्वर्णलता ने तेलंगाना के लिए एक सख्त भविष्यवाणी करते हुए चेतावनी दी कि इस साल राज्य को भारी बाढ़ जैसी बड़ी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे जान-माल का नुकसान हो सकता है और आग लगने की घटनाएं भी हो सकती हैं।

रंगम दशकों पुरानी रस्म है जो हर साल बोनालू के दौरान आयोजित की जाती है, और हजारों भक्त ओरेकल की भविष्यवाणियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इसी तरह, इस साल स्वर्णलता सिकंदराबाद में मंदिर परिसर में गीले मिट्टी के बर्तन के ऊपर खड़ी हुईं और रस्म पूरी की। उन्होंने उज्जैनी महाकाली मंदिर के मुख्य पुजारी वेणुगोपाल शर्मा द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब भी दिए।

इस साल, 15 मिनट तक चले रंगम के दौरान मुख्य पुजारी द्वारा पूछे गए कई सवालों पर स्वर्णलता ने नाराजगी जताई और उनके दांत भी भींच गए। जब मंदिर के मुख्य पुजारी ने उनसे भविष्यवाणियों के बारे में सवाल पूछा, तो उन्होंने एक-दो मिनट तक अपना मुंह नहीं खोला। उनके इस व्यवहार से भक्तों के बीच काफी तनाव पैदा हो गया। उन्होंने देवी की मूर्ति स्थापित न करने के लिए मंदिर प्रबंधन से सवाल किया, जिस पर प्रबंधन ने दो महीने के भीतर ऐसा करने का आश्वासन दिया। पुजारी वेणुगोपाल शर्मा ने जवाब दिया कि कुछ लोग मूर्ति स्थापना में बाधा डाल रहे हैं। ओरेकल ने कहा कि वह बाधा डालने वाले लोगों से निपट लेंगी। ओरेकल ने मूर्ति स्थापना के लिए छह महीने का समय दिया। पुजारी शर्मा ने कहा कि यह काम 'उत्तरायण' काल के दौरान किया जाएगा। स्वर्णलता ने देवी की पूजा-अर्चना के तरीकों पर भी अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की और कहा कि इस साल तेलंगाना में ज़बरदस्त बारिश होगी, साथ ही जान-माल का काफ़ी नुकसान होगा, आग लगने की घटनाएँ होंगी और भारी बाढ़ भी आएगी।

हालांकि, मूर्ति स्थापित करने का उनका संकल्प पूरा नहीं हो पाया था, फिर भी ओरेकल ने भक्तों को भरोसा दिलाया और मुश्किल समय में उनकी रक्षा करती रहीं। मंदिर परिसर में सैकड़ों भक्तों ने इस कार्यक्रम को देखा। मंदिर परिसर में होने वाले इस कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस विभाग ने भारी पुलिस बल तैनात किया था।

जोगिनी श्यामला देवी का विरोध-प्रदर्शन

जोगिनी श्यामला देवी का 'बोनम' गिरा दिया गया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सिकंदराबाद में बोनालू उत्सव के दौरान मशहूर जोगिनी श्यामला देवी और उनके अनुयायियों ने विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे हल्का तनाव पैदा हो गया। यह विरोध तेलंगाना सरकार की कथित लापरवाही के खिलाफ किया गया, क्योंकि रविवार को उज्जैनी महाकाली मंदिर के सामने जोगिनी श्यामला देवी का 'बोनम' गिरा दिया गया था। सोमवार को श्यामला देवी अपने अनुयायियों (जोगिनियों) के साथ मंदिर पहुंचीं और उज्जैनी महाकाली मंदिर की ओर जाने वाले उस इलाके में जबरन घुसने की कोशिश की, जहां 'रंगम' कार्यक्रम आयोजित होना था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। पुलिस ने उन्हें बताया कि उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद जोगिनियों ने पुलिस की पाबंदियों का विरोध किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इलाके में कुछ समय के लिए हल्का तनाव बना रहा।

तीन नाबालिगों पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने बोवरामपेट के सरकारी रेजिडेंशियल स्कूल में दो अन्य नाबालिगों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में तीन नाबालिग लड़कों पर पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कथित पीड़ितों ने हाल ही में रविवार की वीकेंड छुट्टी के दौरान घर लौटते समय अपने माता-पिता को घटना के बारे में बताया। इसके बाद एक पीड़ित के पिता ने डुंडीगल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और शिकायत के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वे तथ्यों और घटनाक्रम का पता लगाने के लिए पीड़ितों, संदिग्ध छात्रों और हॉस्टल में रहने वाले अन्य लोगों के बयान दर्ज कर रहे हैं। अधिकारी पाक्सो प्रक्रियाओं के तहत बाल कल्याण विशेषज्ञों और कानूनी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

गर्ल्स आश्रम स्कूल में फ़ूड पॉइज़निंग से 27 छात्राएं बीमार

वारंगल, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल ज़िले के वर्धनपेट कस्बे में सरकारी आदिवासी गर्ल्स आश्रम स्कूल में फ़ूड पॉइज़निंग के शक में 27 छात्राएं बीमार पड़ गईं।

प्रभावित छात्राओं को इलाज के लिए स्थानीय सरकारी एरिया हॉस्पिटल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार, रविवार रात कुछ छात्राओं ने पेट में तेज़ दर्द और दस्त की शिकायत की। स्कूल की एएनएम ने छात्राओं को गोलियां दीं।

हालांकि, सोमवार सुबह कई अन्य छात्राओं में भी ऐसे ही लक्षण दिखे और स्टाफ़ ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाया। बताया गया कि छात्राओं ने रविवार को नाश्ते में चपाती और पूरी, दोपहर के खाने में चिकन के साथ बघारा चावल और रात के खाने में भिंडी फ्राई खाई थी।

घटना की जानकारी मिलने पर, कलेक्टर सत्य शारदा ने राम रेड्डी (जो स्कूल के स्पेशल ऑफ़िसर हैं) और स्थानीय अधिकारियों को स्कूल का निरीक्षण करने और फ़ूड पॉइज़निंग के शक के कारण की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

सीईए, तहसीलदार विजय कुमार और अन्य लोगों ने स्कूल और अस्पताल का दौरा किया और छात्राओं व अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट से बातचीत की। तहसीलदार ने बताया कि 27 छात्राओं में से पांच को IV फ़्लूइड (नसों के ज़रिए तरल पदार्थ) दिया जा रहा था, जबकि अन्य को गोलियां दी गईं। शुरुआती जांच में हॉस्टल परिसर में साफ़-सफ़ाई की कमी पाई गई। अधिकारियों ने कहा कि कलेक्टर को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी और कलेक्टर के निर्देशों के अनुसार ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि कुछ समय पहले स्कूल में ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिसके बाद हॉस्टल वार्डन और रसोइए को नौकरी से हटा दिया गया था।

कांग्रेस ने 'जॉब कैलेंडर' नहीं बल्कि 'जॉबलेस कैलेंडर' दिया : केटीआर

युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ

हैदराबाद, 3 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव से पहले युवाओं और बेरोजगारों से किए गए रोजगार संबंधी वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने "जॉब कैलेंडर" को गुमराह किया और यह अब "जॉबलेस कैलेंडर" बनकर रह गया है। केटीआर ने कहा कि राज्य में बेरोजगार युवा निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने हाल में एक युवक द्वारा कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उसकी चिट्ठी कांग्रेस सरकार की विफलता का आरोप-पत्र है। उन्होंने युवाओं से भावुक होकर कोई कदम न उठाने और आत्महत्या जैसी घटनाओं से दूर रहने की अपील की। साथ ही दावा किया कि बीआरएस की सरकार बनने पर रिक्त पदों को भरा जाएगा।उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें इंजीनियरों के बारे में कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था। केटीआर ने कहा कि देश और विदेश में काम कर रहे इंजीनियरों का अपमान पूरे तकनीकी समुदाय का अपमान है। उन्होंने पूछा कि हैदराबाद के फ्लाईओवर, सिंचाई परियोजनाएं और आधुनिक बुनियादी ढांचा किसने बनाया, यदि इंजीनियर नहीं।

केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने दो वर्षों में रोजगार देने के अपने वादे पूरे नहीं किए और विधानसभा में किए गए घोषणापत्र के वादों का भी पालन नहीं हुआ। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष में रहते हुए छात्रों के मुद्दों पर सक्रिय रहने वाले राहुल गांधी अब तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं की समस्याओं पर चुप हैं।

जीएचएमसी प्रजावाणी में 44 जन शिकायतें दर्ज

आयुक्त ने त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) मुख्यालय में सोमवार को आयोजित प्रजावाणी जन शिकायत कार्यक्रम में नागरिकों से कुल 44 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यक्रम में जीएचएमसी आयुक्त सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उपस्थित होकर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जीएचएमसी आयुक्त आर वी कर्णन के अलावा अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त आयुक्त (स्वच्छता), मुख्य नगर नियोजक, मुख्य अभियंता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, संयुक्त आयुक्त (राजस्व) तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे। प्राप्त शिकायतों में सबसे अधिक 32 शिकायतें मुख्यालय में दर्ज की गईं। इसके अलावा शमशाबाद जोन से 4, चारमीनार जोन से 3, राजेंद्रनगर जोन से 2, खैरताबाद जोन से 2, सिकंदराबाद जोन से 1 शिकायत प्राप्त हुई, जबकि गोलकोंडा जोन से कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। जीएचएमसी अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा आवेदकों को समयबद्ध तरीके से राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। प्रजावाणी कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका प्रभावी एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

एलपीजी सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के चार लोग घायल

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मेडचल के येल्लमपेट इलाके के श्रीरंगवरम में एक घर में एलपीजी सिलेंडर बदलते समय उसके फटने से एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, घायलों की पहचान श्रीनिवास (37) और उनके तीन बच्चों – प्रवलिका (14), हरिप्रिया (10) और विक्रांत (6) – के तौर पर हुई है। यह धमाका तब हुआ जब परिवार खाना पकाने वाली गैस का सिलेंडर बदल रहा था, जिससे वे झुलस गए। सूचना मिलने पर एम्बुलेंस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया, जिसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। धमाके की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। मेडचल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरीश राव पर 'तांत्रिक पूजा' के आरोपों पर कांग्रेस माफी मांगे : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एमएलसी डॉ. दासोजू श्रवण ने सोमवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीआरएस विधायक टी. हरीश राव पर "तांत्रिक पूजा (क्षुद्र पूजा)" करने के आरोप पूरी तरह निराधार हैं और यह उनकी छवि खराब करने की साजिश है। दासोजू श्रवण ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा हरीश राव के खिलाफ लगाए जा रहे आरोप संविधान की मूल भावना और धार्मिक आस्थाओं का अपमान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता हिंदू आस्था और शिव परंपरा का भी अनादर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने हमेशा तेलंगाना की समृद्धि और जनकल्याण के लिए धार्मिक अनुष्ठान किए हैं, कभी भी किसी के अहित की कामना नहीं की। उन्होंने कहा कि हरीश राव ने केवल कर्नाटक के शिवमोग्गा स्थित प्रसिद्ध मूकांबिका मंदिर में दर्शन किए थे, जिसे कांग्रेस नेता गलत तरीके से "तांत्रिक पूजा" बताकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। श्रवण ने सवाल उठाया कि जब विभिन्न दलों के नेता, जिनमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी मंदिरों में दर्शन करते हैं, तो क्या उन्हें भी "तांत्रिक पूजा" करने वाला कहा जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से हरीश राव पर लगाए गए आरोपों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध के नाम पर धार्मिक आस्थाओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। इस प्रेस वार्ता में बीआरएस नेता गोसुला श्रीनिवास यादव, अभिलाष रंगिनेनी और कार्तिक रायल भी उपस्थित थे।

झील में नौ महीने की बेटी को डुबोकर मारने के आरोप में महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एसबी नगर पुलिस इलाके की बैरामलगुडा झील में अपनी नौ महीने की बेटी को डुबोकर मारने के आरोप में 34 साल की एक महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के समय आरोपी महिला शराब के नशे में थी।

जांचकर्ताओं के अनुसार, सुबह टहलने वाले लोगों ने शाम करीब 7 बजे महिला को झील में बच्ची को पकड़े हुए देखा और डायल 100 के ज़रिए पुलिस को सूचना दी। जब तक बचाव दल मौके पर पहुंचा, बच्ची की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने आरोपी की पहचान इंजापुर की रहने वाली और रविंदर की पत्नी लोकासानी राजेश्वरी (34) के तौर पर की है। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर घटना से पहले शराब पीने की बात कबूल की।

पुलिस अब हत्या के पीछे की वजह की जांच कर रही है और बच्चे की मौत से जुड़ी सभी परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। पता चला है कि आरोपी बच्ची के लगातार रोने से परेशान थी।

पीवी नरसिम्हा राव की मूर्ति को दूसरी जगह लगाया

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स में केबीआर पार्क के पास इंफ्रास्ट्रक्चर के काम के तहत, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांस्य प्रतिमा को इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास ट्रैफिक आइलैंड से जापानी पार्क में स्थानांतरित कर दिया है।

पार्क के आस-पास प्रस्तावित स्टील ब्रिज और अंडरपास प्रोजेक्ट के लिए रास्ता साफ करने के लिए यह स्थानांतरण आवश्यक हो गया था। जीएचएमसी ने हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तहत इन फ्लाईओवर और अंडरपास के लिए मिट्टी की खुदाई का काम शुरू कर दिया है।

प्रतिमा का अनावरण मूल रूप से 6 फरवरी 2009 को तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वायएस राजशेखर रेड्डी ने अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के पास एक लैंडस्केप्ड ट्रैफिक आइलैंड पर किया था।

जीएचएमसी के इंजीनियरिंग अधिकारियों ने बताया कि प्रतिमा को सावधानीपूर्वक और बिना किसी नुकसान के स्थानांतरित किया गया। इसे अब बंजारा हिल्स में मल्टीलेवल ऑटोमेटेड कार पार्किंग सुविधा के सामने, जापानी गार्डन के फव्वारे क्षेत्र के पास स्थापित किया गया है।

जुए के आरोपों के चलते आबिड्स क्लब बंद करने की मांग

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता गड्डम श्रीनिवास यादव ने सोमवार को हैदराबाद पुलिस से आबिड्स में एक क्लब को बंद करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्लब परिसर में अवैध जुए की गतिविधियां चल रही हैं, जिससे युवा अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

श्रीनिवास यादव ने हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार से मुलाकात की और क्लब प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें विस्तृत जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्लब राजनीतिक संरक्षण में अवैध जुए का काम कर रहा है। उनके अनुसार, एक पूर्व पार्षद और स्थानीय विधायक क्लब प्रबंधन से मासिक मामूल (सुरक्षा के नाम पर वसूली जाने वाली रकम) ले रहे थे और क्लब की गतिविधियों को संरक्षण दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जुए के कारण और परिवारों को आर्थिक रूप से बर्बाद होने से बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप जरूरी है।

नाबालिग लड़की को परेशान करने के आरोप में युवक पर पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने एक युवक के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। उस पर आरोप है कि उसने एक नाबालिग लड़की को परेशान किया, सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए और कंटेंट हटाने के लिए 1 लाख रुपये की मांग की। शिकायत के अनुसार, अज्ञात आरोपी (जिसकी पहचान अभी पता नहीं चल पाई है) ने शराब के नशे में लड़की के साथ मारपीट करने की कोशिश भी की थी। बाद में उसने पीड़िता के चाचा को फोन करके पैसे की मांग की और परिवार को धमकी दी।

पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर, बंजारा हिल्स पुलिस ने पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। आरोपी का पता लगाने और उसे पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

महबूबाबाद जेल में बंद विचाराधीन कैदी की वारंगल में मौत

वारंगल, 3 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 31 जुलाई को पुलिस हिरासत में लिए गए और महबूबाबाद सब-जेल में रखे गए एक विचाराधीन कैदी की सोमवार को यहां एमजीएम हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक वेंकन्ना (उम्र लगभग 40 साल) महबूबाबाद का रहने वाला था और 2017 के एक मर्डर केस में आरोपी था। ज़मानत पर रिहा होने के बाद सुनवाई के लिए पेश न होने पर कोर्ट द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद उसे हिरासत में लिया गया था।

उसे 1 अगस्त को कोर्ट में पेश किया गया और बाद में महबूबाबाद सब-जेल भेज दिया गया।

हिरासत में रहने के दौरान बीमार पड़ने पर जेल अधिकारी उसे एमजीएम हॉस्पिटल ले गए। व्यक्ति के रिश्तेदारों ने कहा कि न तो उसे हिरासत में लेते समय और न ही उसके बीमार पड़ने पर परिवार को सूचित किया गया।

परिवार के सदस्यों को उसकी मौत के बाद ही पुलिस ने सूचित किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद वेंकन्ना का शव उसके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.